25 मई 2025
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

अहियापुर गांव में वर्चस्व साबित करने के लिए दनादन मारी गोली 2

कैंसर से जूझ रहे टाटा स्टील के सीनियर मैनेजर ने परिवार समेत कर ली आत्महत्या

एक खौफनाक कदम
खत्म हो गया परिवार

- जमशेदपुर के आदित्यपुर थाना क्षेत्र के चित्रगुप्त नगर स्थित मकान में फंदे से लटके मिले चार शव
- कृष्ण कुमार ने अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ कर ली आत्महत्या

एजेंसी/जमशेदपुर

झारखंड के जमशेदपुर से सटे सरायकेला खरसावां जिले के टाटा स्टील गम्हरिया में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत कृष्ण कुमार (40) ने अपनी पत्नी और दो मासूम बेटियों के साथ आत्महत्या कर ली। यह हृदयविदारक घटना जमशेदपुर के आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चित्रगुप्त नगर में सामने आई, जिसने पूरे राज्य को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चारों शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटके हुए पाए गए। मृतकों में कृष्ण कुमार, उनकी पत्नी डोली देवी, 13 वर्षीय पुत्री पूजा और छह वर्षीय पुत्री मैया शामिल हैं। घटना की जानकारी तब हुई जब पड़ोसियों को घर से दुर्गंध आने लगी और सूचना देने पर स्थानीय लोगों ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

कुछ समय पहले ही इलाज कराकर लौटे थे मुंबई से: कृष्ण कुमार कुछ समय पहले मुंबई में कैंसर का इलाज कराकर लौटे थे। परिवार वालों के अनुसार, डॉक्टरों ने उन्हें कीमोथेरेपी की सलाह दी थी, जो जमशेदपुर में भी उपलब्ध है। पिता शोभिंदो तिवारी ने बताया कि मुंबई से लौटने के बाद उनका बेटा काफी तनाव में रहने लगा था और घर से बाहर नहीं निकलता था। न ही वह किसी से बात कर रहे थे। अनुमान है कि इसी मानसिक दबाव में आकर उन्होंने यह कदम उठाया। पिता ने बताया कि बेटे की गंभीर स्थिति को देखते हुए बहू डोली देवी ने इलाज के लिए मुंबई ले जाने की पहल की थी। वहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें नियमित कीमोथेरेपी की जरूरत है। चूंकि यह सुविधा जमशेदपुर में भी उपलब्ध थी, इसलिए वे फ्लाइट से वापस लौट आए। कृष्ण कुमार ने टाटा स्टील में इलाज के लिए आवेदन भी दिया था, लेकिन इसके बाद पूरा परिवार घर में सिमट कर रह गया। इस खौफनाक कदम से पूरा परिवार ही खत्म हो गया।

घर से अचानक तेज दुर्गंध आने के बाद लोगों को मौत का पता चला

सूत्रों के अनुसार कृष्ण कुमार टाटा स्टील लांग प्रोडक्ट्स के मेन आफिस में वरिष्ठ प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। वह गम्हरिया के चित्रगुप्त नगर में परिवार के साथ रहते थे। जानकारी के मुताबिक घर के सभी सदस्यों ने गुरुवार रात को खुदकुशी की है। घटना का पता पड़ोसियों से शुक्रवार शाम को उस समय लगा जब कृष्ण कुमार के घर से अचानक तेज दुर्गंध आने लगी। पड़ोसियों के अनुसार घर का दरवाजा सुबह से बंद था। कोई हलचल भी नहीं थी, इसलिए आसपास के लोगों को किसी अनहोनी का शक हुआ। उन्होंने पुलिस को बताया। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घर का दरवाजा तोड़ा तो अंदर एक ही कमरे में अलग-अलग फंदों से चारों लोगों के शव लटके थे। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पड़ोसियों का कहना है कि गुरुवार शाम तक परिवार देखा गया था। कृष्ण कुमार की बेटिंया खेल रही थीं। उनके माता-पिता भी सामान्य स्थिति में दिखे थे। किसी को नहीं ऐसा कुछ लगा था कि वे आत्महत्या कर लेंगे।

जांच में जुटी पुलिस, घटनास्थल से नहीं मिला सुसाइडल नोट

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभी तक घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। फिलहाल शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और पुलिस आत्महत्या के कारणों की गहराई से जांच कर रही है।

बेहद सुलझा हुआ और सौम्य स्वभाव का था परिवार: कृष्ण कुमार की आत्महत्या की खबर से टाटा स्टील और स्थानीय क्षेत्र में शोक की लहर है। उन्हें एक ईमानदार और जिम्मेदार अफसर के रूप में जाना जाता था। पड़ोसियों के अनुसार, उनका परिवार बेहद सुलझा हुआ और सौम्य स्वभाव का था। किसी को अंदाजा नहीं था कि वे इतने गंभीर मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं।

राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव में बालू गिराने को लेकर विवाद में हुई घटना

खून से लाल हुई बक्सर की धरती... दबंगों ने एक ही परिवार के 5 लोगों को मारी गोली, 3 की मौत

- शनिवार को तड़के अहियापुर गांव के ही दबंगों ने बालू का व्यवसाय करने वाले एक परिवार के लोगों को घेरकर बरसायी गोली
- गोली लगने से गंभीर रूप से घायल दो लोगों का निजी अस्पताल में चल रहा इलाज

घटना की जानकारी के बाद गांव में पहुंचे डीआईजी सत्यप्रकाश और डीएम अंशुल अग्रवाल।

घटना की जानकारी लेते एसपी शुभम आर्य।

इसी जगह बालू गिराने को लेकर हुआ विवाद।

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के राजपुर थाना क्षेत्र के जलहरा-कौवाखोंच मुख्य मार्ग पर स्थित अहियापुर गांव शनिवार को खून से लाल हो गया। यहां पौ फटते ही गोलियों की तड़तड़ाहत से इलाका थर्रा उठा और देखते ही देखते गांव में एकसाथ तीन-तीन लाशें बिछ गईं, वहीं गोली लगने से गंभीर रूप से घायल दो लोग अभी जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। दरअसल शनिवार को तड़के अहियापुर गांव के ही दबंगों ने बालू का व्यवसाय करने वाले एक परिवार के लोगों को दो तरफ से घेरकर गोलियों से भून दिया। इस घटना में दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरे की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। वहीं, दो अन्य गोली लगने से गंभीर रूप से जख्मी हो गए हैं। चिंताजनक स्थिति में उनका इलाज वाराणसी के एक निजी अस्पताल में करवाया जा रहा है। दोनों जख्मियों की हालत नाजुक बनी हुई है। इससे मृतकों की संख्या बढ़ने से इंकार नहीं किया जा सकता है।

इस दौरान पीड़ित पक्ष लाठी-डंडे से दबंगों के संगीनों का प्रतिकार करते रहा। इस घटना के विरोध में स्वजनों तथा ग्रामीणों ने बीच रोड पर ट्रक खड़ी कर सड़क जाम कर दिया। इसकी जानकारी मिलते ही तत्काल बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल, शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश, एसपी शुभम आर्य, सदर डीएसपी धीरज कुमार, राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार सदल-बल मौके पर पहुंचे। पुलिस टीम ने आक्रोशित लोगों को शांत करा सड़क जाम हटवाया तथा शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेजा।

24 घंटे के अंदर गिरफ्तार किए जाएंगे आरोपित: डीआईजी

शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की जांच व आरोपितों की धर पकड़ के लिए एक स्पेशल टीम का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे में आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आरोपितों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई: डीएम- वहीं बक्सर के डीएम अंशुल अग्रवाल ने कहा कि पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली गई है। पुलिस को आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। आरोपितों के लाइसेंसी हथियार को रद्द किया जाएगा। किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की छूट नहीं दी जाएगी, चाहे वे कितने भी रसूखदार क्यों न हो। सख्त कार्रवाई होगी।

ऐसे समझिए क्या है घटना की मुख्य वजह

जानकारी के अनुसार चंद्रदेव सिंह का परिवार गिट्टी-बालू का व्यवसाय करता है तथा कौआखोंच नहर किनारे ही गिट्टी बालू गिराकर उसकी बिक्री करता है। इन्होंने नहर किनारे एक जगह पर गिट्टी रखा हुआ था। शुक्रवार को अचानक दूसरे पक्ष के लोग वहां ट्रैक्टर पर बालू लेकर आ गए तथा उनके गिट्टी के ऊपर ही बालू गिराने लगे। जिसका विरोध दुकानदार तथा उसके परिजनों ने किया। इसी बात को लेकर शुरू हुआ यह मामूली विवाद शनिवार को अहियापुर गांव की धरती को खून से लाल कर गया। हालांकि दोनों पक्षों के बीच वर्षों से पुरानी अदावत की भी बात सामने आ रही है।

मृतकों में सुनील सिंह यादव (40 वर्ष) पिता दयाशंकर सिंह, विनोद सिंह यादव (50 वर्ष) पिता बबन सिंह व बिरेन्द्र सिंह यादव (35 वर्ष) काशीनाथ सिंह शामिल हैं। वहीं, जिन लोगों पर इस हत्याकांड को अंजाम देने का आरोप लगा है वे सभी अहियापुर के ही रहने वाले हैं तथा राजनीतिक रूप से रसूखदार हैं। आरोपितों में पूर्व जिप अध्यक्ष सविता देवी के पति मनोज यादव, उनके भाई व जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष संतोष यादव शामिल हैं। जानकारी के अनुसार सुबह-सुबह बालू व्यवसायी के स्वजन जो गांव से बाहर नहर पर बने पुलिया पर बैठे थे को दो तरफ से घर गोली चलाने लगे। गोली की आवाज सुन पीड़ित पक्ष के लोग भी आए तथा लाठी-डंडा लेकर ही उन्हें ललकारा। तबतक पांच लोगों को गोली लग चुकी थी। लोगों के प्रतिकार के बाद सभी वाहन छोड़ पैदल ही भाग खड़े हुए। ग्रामीणों का कहना है कि इनके साथ दो चारपहिया वाहनों से दर्जनों हथियारबंद अपराधी आए थे। इस मामले में 19 लोगों पर एफआईआर दर्ज हुआ है।

... स्पेशल कवरेज पेज दो पर

लातेहार में टॉप नक्सली नेता समेत दो पुलिस मुठभेड़ में ढेर

केटी न्यूज/रांची

झारखंड में लातेहार पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन में टॉप नक्सली नेता सहित दो को मार गिराया है। टॉप नक्सली नेता झारखंड जन्म मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) का सुप्रीमो पप्पू लोहरा है। उस पर 10 लाख रुपए का इनाम था। मुठभेड़ को लेकर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा है कि देश में माओवाद अंतिम सांस ले रहा है और देश के कई राज्यों में माओवादियों और नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जेजेएमपी प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी माओवादी का ही एक अलग संगठन है। आईजी ऑपरेशन अमोल होमकर ने बताया कि लातेहार पुलिस के विशेष दस्ते और स्थानीय पुलिस ने जंगलों में नक्सलियों की तलाश में अभियान शुरू किया था। शनिवार सुबह जब सुरक्षा बलों की टीम जंगलों में आगे बढ़ रही थी तो नक्सलियों ने दुस्साहस करते हुए गोलीबारी शुरू कर दी और इसके बाद जबरदस्त मुठभेड़ शुरू हो गई।

होमकर ने बताया कि नक्सलियों को जोरदार जवाब दिया गया और गोलीबारी खत्म होने के बाद दो नक्सलियों के शव बरामद किए गए। उनमें से एक की पहचान पप्पू लोहरा के रूप में हुई है और दूसरे की प्रभात गंजू। पप्पू लोहरा पर 10 लाख और गंजू पर 5 लाख का इनाम था। ऑपरेशन के दौरान एक जवान भी घायल हुआ लेकिन वह खतरे से बाहर है। आईजी होमकर ने कहा कि यह सुरक्षा बलों के लिए बड़ी उपलब्धि है क्योंकि इस क्षेत्र में यह नक्सली संगठन काफी सक्रिय था। पप्पू लोहरा की मौत को खखटढ के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

10 लाख रुपए का इनामी पप्पू लोहरा को पुलिस ने मार गिराया है।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि देश और झारखंड में माओवाद अंतिम सांस ले रहा है और गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प के मुताबिक देश जल्द ही नक्सलवाद से मुक्त होगा। उन्होंने कहा, चाहे वह छत्तीसगढ़ हो, झारखंड हो, पूरे देश में माओवादियों के खिलाफ सफलतापूर्वक बड़ा अभियान चल रहा है और हमारे जवान पूरी मुस्तैदी से नक्सलियों से लोहा लेकर उनको ठिकाने लगा रहे हैं। हम गृहमंत्री अमित शाह के संकल्प की ओर बढ़े हैं और देश बहुत जल्द नक्सली मुक्त, माओवादी मुक्त हो जाएगा।

भारत में घुसने की कोशिश कर रहे एक घुसपैठिए को बीएसएफ ने मार गिराया

एजेंसी/अहमदाबाद

सीमा सुरक्षा बल ने शुक्रवार रात गुजरात के बनासकांठा जिले में भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। बीएसएफ के बयान के अनुसार, जवानों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके सीमा बाड़ के पास आते देखा। जब उसे चेतावनी दी गई, तो घुसपैठिए ने चेतावनियों को नजरअंदाज किया और भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश करता रहा। जिसके बाद जवानों ने गोलियां चलाईं और उसे मौके पर ही मार गिराया गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब भारत की आतंकवाद रोधी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान की लगातार सीमा पार की हरकतों के बाद सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ऐसे में सीमा सुरक्षा बल अब सख्ती से घुसपैठियों से निपट रही है।

राहुल गांधी ने किया पूंछ का दौरा... पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मिले

एजेंसी/जम्मू

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पुंछ का दौरा किया। पुंछ नियंत्रण रेखा से सटा हुआ वो इलाका है, जहां ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी, जिसमें कई नागरिकों की मौत हो गई थी। राहुल गांधी ने पाकिस्तानी सेना की गोलाबारी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मुलाकात की। साथ ही उन्होंने वहां के नागरिकों को भरोसा दिलाया कि हालात बहुत जल्द ही सामान्य होंगे। कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी ने पुंछ के एक स्कूल का दौरा किया और सीमा पार से गोलाबारी से प्रभावित छात्रों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि आपने खतरा और थोड़ी भयावह स्थिति देखी है, लेकिन चिंता न करें। सब कुछ सामान्य हो जाएगा। इस समस्या से निपटने का आपका तरीका यह होना चाहिए कि आप खूब पढ़ाई करें और खूब खेलें और स्कूल में ढेर सारे दोस्त बनाएं।

इससे पहले जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने राहुल गांधी के दौरे पर कहा कि सबसे ज्यादा नुकसान पुंछ में हुआ है। राहुल गांधी लोगों से मुलाकात करने यहां आ रहे हैं। वे उन बड़े संस्थानों में जाएंगे जिन्हें गोलाबारी में नुकसान पहुंचा है। जिन बच्चों की गोलीबारी में मौत हुई है उनके घर भी जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने की नीति आयोग की दसवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता, बोले...

हमारा लक्ष्य प्रत्येक राज्य को विकसित बनाने पर होना चाहिए

एजेंसी/नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नीति आयोग की दसवीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता की। गवर्निंग काउंसिल की बैठक का विषय- विकसित भारत के लिए विकसित राज्य 2047 था। इसमें कई राज्यों के मुख्यमंत्री और बड़ी संख्या में केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ह्यविकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा तो भारत भी विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत को विकास की गति बढ़ानी होगी। मोदी ने बैठक में मौजूद मुख्यमंत्रियों और केंद्रीय मंत्रियों से कहा, अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ आएं और टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा, भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है, हमारा लक्ष्य प्रत्येक राज्य को विकसित, प्रत्येक शहर को विकसित, प्रत्येक नगर पालिका को विकसित और प्रत्येक गांव को विकसित बनाना होना चाहिए। अगर हम इन दिशाओं में काम करेंगे तो हमें विकसित भारत बनने के लिए 2047 तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। बैठक में पुडुचेरी, कर्नाटक और केरल के मुख्यमंत्रियों ने भाग नहीं लिया। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना के मुख्यमंत्री- एन चंद्रबाबू नायडू, एमके स्टालिन और रेवंत रेड्डी बैठक में मौजूद थे। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला शामिल हुए।

वहीं कांग्रेस ने गवर्निंग काउंसिल की बैठक को लेकर तंज कसा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, जब सत्ता में बैठे लोग अपने ही शब्दों और कर्मों से सामाजिक सौहार्द के ताने-बाने को तोड़ने में लगे हों तो कैसा विकसित भारत होगा? कांग्रेस नेता ने कहा कि नीति आयोग की बैठक ध्यान भटकाने की एक और कोशिश है।

गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्राया राजपुर का अहियापुर, पुलिस छावनी में तब्दील हुआ गांव

वर्चस्व साबित करने के लिए दनादन मारी गोली

- पूर्व मुखिया मनोज यादव व पूर्व उपाध्यक्ष संतोष यादव ने अपने गुर्गों के साथ की 25-30 राउंड फायरिंग
- आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार हो रही है छापेमारी
- ग्रामीणों में मच गई थी अफरा-तफरी, घटना को अंजाम दे पैदल ही भागे

फायरिंग में पांच को लगी गोली, दो की मौके पर मौत, एक की इलाज के दौरान गई जान

केटी न्यूज/बक्सर

राजपुर थाना क्षेत्र का अहियापुर गांव शनिवार को तड़के गोलियों की गूंज से दहल उठा। पूर्व की अदावत में पूर्व जिप अध्यक्ष सविता देवी के पति मनोज यादव व उनके छोटे भाई तथा जिला परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष संतोष यादव ने अपने दर्जनों गुर्गों के साथ अहियापुर पुल पर बैठे स्थानीय गांव निवासी चंद्रदेव सिंह के परिजनों पर काल बनकर टूटे। हथियारबंद अपराधियों ने पुल पर बैठे लोगों को दोनों तरफ से घेरकर फायरिंग शुरू कर दी। इस संबंध में एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें मनोज यादव व संतोष यादव अपने गुर्गों क साथ फायरिंग कर रहे है। वहीं, पीड़ित पक्ष लाठी डंडे से उनका प्रतिकार कर रहा था।

जबतक लोग कुछ समझ पाते तथा अपना बचाव करते तबतक पांच लोगों को गोली लग चुकी थी। जिनमें दो की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीसरे की मौत सदर अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। वहीं, दो अन्य गंभीर अवस्था में वाराणसी में इलाजरत है। मृतक सुनील यादव (40 वर्ष), विनोद सिंह (50 वर्ष), बिरेन्द्र यादव (35 वर्ष) तथा जख्मी अमित उर्फ मंटू व पूजन व उर्फ पूंज सिंह सभी एक ही कुनबे के रहने वाले है। वहीं, आरोपित भी इसी गांव के रहने वाले है तथा दोनों परिवारों के बीच पिछले पंचायत चुनाव के बाद से ही विवाद चल रहा था।

शुक्रवार को गिट्टी पर बालू गिराने को लेकर शुरू हुआ था विवाद : मिली जानकारी के अनुसार दोनों पक्ष एक ही गांव के रहने वाले है। चंद्रदेव सिंह का परिवार गिट्टी-बालू का व्यवसाय करता है तथा कौआखोंच नहर किनारे ही गिट्टी बालू गिराकर उसकी बिक्री करते है। शुक्रवार को अभी ये लोग दुकान खोले ही थे तथा नहर किनारे एक जगह पर गिट्टी रखे थे कि अचानक दूसरे पक्ष के लोग वहां टैज्क्टर पर बालू लेकर आ गए तथा उनके गिट्टी के उपर ही बालू गिराने लगे। जिसका विरोध दुकानदार तथा उसके परिजनों ने किया। इसी बात से विवाद शुरू हुआ था। ग्रामीणों का कहना है कि शुक्रवार को भी मनोज यादव व संतोष यादव आए थे तथा मारपीट किए थे। इस दौरान रायफल के बट से मारकर सुनील को जख्मी भी किए थे। हालांकि, शुक्रवार को ग्रामीणों के समझाने पर दोनों पक्ष शांत हो गए थे। इधर, पीड़ित पक्ष द्वारा उनके दरवाजे पर जाकर उलाहना दिया गया था। तब उन्हें जबाव मिला था कि लड़कों ने गलती कर दी है, फिर ऐसी घटना नहीं होगी। जिसके बाद पीड़ित पक्ष निश्चिंत हो गया था।

पौ फटते ही हथियार से लैस गुर्गो के साथ आ धमके मनोज व संतोष : एक दिन पूर्व की घटना को भूल तथा किसी अनहोनी से अनजान चंद्रदेव सिंह के परिवार के लोग शनिवार की सुबह करीब पांच बजे ही मॉर्निंग वॉक व शौचादि के लिए निकले थे। सभी अभी गांव के बाहर बनी पुलिया की रेलिंग पर बैठ चर्चा कर रही रहे थे कि अचानक दोनों तरफ से एक-एक चार पहिया वाहन आकर पुलिया के पास रूकी तथा उसमें मनोज व संतोष के साथ ही करीब दर्जनभर हथियारबंद अपराधी निकले तथा पुलिया की रेलिंग पर बैठे लोगों को लक्ष्य कर फायरिंग शुरू कर दी। इस दोनों तरफ से फायरिंग होने के कारण ही उन्हें बचने का मौका नहीं मिला। इधर गोलियों की आवाज सुन उनके परिजन लाठी-डंडा लिए दौड़े आए, लेकिन रायफल व पिस्टल का मुकाबला भला लाठी से कैसे हो सकता है।

बावजूद परिजनों की हिम्मत दिखाने से अपराधी भाग खड़े हुए, नहीं तो कई अन्य की जान भी जा सकती थी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित अपना वाहन छोड़ पैदल ही भाग निकले। राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि मामले में मृतक के परिजनों ने पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज यादव, संतोष यादव समेत 18 के खिलाफ नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने मौके से दस खोखा और एक चार चक्का वाहन को जब्त कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस को दावा है कि आरोपी जल्द से जल्उ पकड़े जाएंगे।

राजपुर थानाध्यक्ष संतोष पर लगा अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप

इस घटना से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने ट्रक लगाकर सड़क जाम कर पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। आक्रोशित लोगों में पुलिस के खिलाफ गहरी नाराजगी थी। खासकर राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार पर पक्षपात करने तथा अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगा रहे थे। लोगों का कहना था कि मुख्य आरोपित मनोज व संतोष की इलाके में तूती बोलती है। वे कई अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे चुके है तथा मादक पदार्थ व शराब की तस्करी कर अकूत संपति जमा की है। लोगों ने आरोप लगाया कि यह सब स्थानीय पुलिस के मिलीभगत से चल रहा था, जिस कारण उनका मनोबल सातवे आसमान पर था। ग्रामीणों का कहना है कि हमले की तैयारी पहले से की गई थी और हमले को बेहद योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया।

मौके पर पहुंचे डीएम, डीआईजी व एसपी, छावनी में तब्दील हुआ गांव

इस घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन व पुलिस के वरीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया। डीएम अंशुल अग्रवाल, शहाबाद रेंज के डीआईजी सत्यप्रकाश, एससपी शुभम आर्य, सदर डीएसपी धीरज कुमार के साथ ही राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार सदल-बल मौके पर पहुंचे। एहतियात के तौर पर कई अन्य थानों की टीम को भी अहियापुर बुलाया गया। आलम यह था कि कुछ घंटे के अंदर ही पूरा गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो गया था। वहीं, पुलिस के मौजूदगी के बावजूद ग्रामीण हिंसा-प्रतिहिंसा के खौफ से सहमे हुए थे। यही कारण है कि गांव के अधिकांश घरों के दरवाजे बंद मिले। घटना की सूचना मिलते ही बक्सर एसपी व सदर डीएसपी सदल बल मौके पर पहुंचे तथा लोगों को समझा शांत कराया। इस दौरान एसपी ने स्पष्ट कहा कि दोषी बख्शे नहीं जाएंगे।

घटना ने गांव में उत्पन्न किया तनाव, लोग सहमे

तीन लोगों की एक साथ हत्या से गांव में तनाव का माहौल है। लोग डरे हुए हैं और पुलिस से सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में एसपी शुभम आर्य ने कहा कि घटना क्यों हुई है इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नही हो पाया है। परिजनों के द्वारा बालू गिराने को लेकर विवाद बताया जा रहा है। जिसमें पूर्व मुखिया मनोज यादव, उनके भाई व पूर्व उपाध्यक्ष संतोष यादव व उनके परिजनों का नाम सामने आ रहा है। पांच लोगों को गोली लगने की बात समाने आयी है। जिसमें तीन की मौत हो गई है। दो गंभीर रूप से जख्मी है। फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

आरोपित कितने भी रसूखदार हो बख्शे नहीं जाएंगे : डीआईजी

वहीं, शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश ने कहा कि आरोपितों की गिरफ्तारी के आदेश दे दिए गए है। इस घटना की जांच व आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए स्पेशल टीम का गठन किया गया है। आरोपित कितने भी रसूखदार क्यों न हो, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। इस मामले में राजपुर थानाध्यक्ष की भूमिका की जांच भी की जाएगी तथा दोषी पाए जाने पर उनपर सख्त कार्रवाई होगी।

इस घटना के लिए पुलिस ने स्पेशल टीम किया गठित

अहियापुर में आपसी दुश्मनी में तीन लोगों की हत्या की गई है, दो जख्मी हुए है। घटना बहुत दुखद है, जानकारी मिलते ही अहियापुर पहुंच पीड़ित परिजनों से बात कर घटना की जानकारी ली गई। पुलिस को 24 घंटे के अंदर आरोपितों को गिरफ्तार करने का सख्त निर्देश दिया गया है। इस मामले में पुलिस द्वारा स्पेशल टीम का गठन किया गया है। आरोपितों के पास लाइसेंसी असलहे भी है, उनके लाइसेंस को रद्द किया जाएगा तथा सरकारी जमीन पर बने उनके आशियाने को भी ध्वस्त किया जाएगा। - **अंशुल अग्रवाल, डीएम,**

लापरवाही पर निलंबित हुआ अहियापुर का चौकीदार

राजपुर। अहियापुर ट्रिपल मर्डर की घटना के बाद पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। शाहाबाद रेंज के डीआईजी सत्य प्रकाश ने इस घटना में लापरवाही बरतने वाले अहियापुर के चौकीदार रितेश पांडेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है ।डीआईजी का मानना है कि चौकीदार ने इस घटना में भारी लापरवाही बरती है शुक्रवार की घटना की विस्तृत जानकारी स्थानीय थाने को नहीं दी थी। वहीं, इस मामले में राजपुर थानाध्यक्ष की भूमिका पर भी सवाल उठ रहा है। पीड़ितों द्वारा थानाध्यक्ष पर हमलावरों से मिलीभगत का आरोप लगाया है। डीआईजी ने बताया कि थानाध्यक्ष पर लग रहे आरोपों की जांच की जा रही है। इस जांच में दोषी पाए जाने पर थानाध्यक्ष पर भी कार्रवाई की जाएगी।

6 जून को होने वाली थी मृतक के सुनील के भाई की शादी

राजपुर। अहियापुर में तीन हत्याओं से न सिर्फ इलाके में दहशत मच गई बल्कि शादी की खुशियों की जगह मातम पसर गया। मांगलिक गीतों की जगह महिलाओं की कंदन चित्कार से माहौल गमगीन हो गया था। बता दें कि इस घटन में जान गवाने वाले सुनील यादव के छोटे भाई सुदामा यादव की शादी तय हो गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि सुदामा का तिलक एक जून को व शादी छह जून को होने वाली थी। घर में शादी की तैयारियां चल रही थी। तिलक समारोह व बारात के लिए सामानों की खरीददारी चल रही थी। शाम में महिलाओं के मांगलिक गीतों से आस में खुशी का माहौल बना हुआ था, लेकिन शनिवार की सुबह की घटना के बाद परिवार में मांगलिक गीतों की जगह क्रंदन चित्कार मच गया था। शादी में शामिल होने के लिए दूस-दराज के रिश्तेदार अब आना शुरू कर दिये थे। पीड़ित परिवार को रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। बता दें कि इसी शादी को ले शुक्रवार को पीड़ित पक्ष पिटाने के बाद भी चुप था कि शादी खुशी-खुशी निपट जाए, लेकिन होनी को कुछ और ही मंजूर था। आरोपियों ने इस बात की परवाह भी नहीं की कि पीड़ित परिवार में शादी की तैयारी होने वाली है तथा एक सप्ताह के अंदर ही एक युवक का तिलक समारोह भी है। घटना के बाद से मृतक के परिवार की महिलाओं का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था।

धांय-धांय, पकड़ो, पकड़ो, मारो-मारो, मार दिया, ...और मच गई चीख पुकार

रजनी कान्त दूबे/बक्सर

शनिवार की सुबह करीब 5.30 बज रहे थे। अहियापुर गांव के पास नहर पर बने पुल पर करीब आधा दर्जन लोग बैठकर सुबह की ठंडी हवा का आनंद ले रहे थे। अचानक दो चार पहिया पुल के पास पहुंची। दोनों वाहन पुल को दो तरफ से घेरकर खड़ी हो गई तथा उसमें से निकले लोग पुल की रेलिंग पर बैठे लोगों को निशाना बना गोली चलाने लगे।धांय-धांय (गोली चलने) की आवाज सुन करीब 100-150 मीटर दूर स्थित बस्ती के लोग ललकारते हुए पुल के तरफ दौड़े। इस दौरान ग्रामीण पकड़ो-पकड़ो, मारों-मारों आदि चिल्लाते हुए हथियारबंद हमलावरों को ललकार रहे थे। उनके पास लाठी-डंडा था। वे लाठी-डंडे से ही हथियारों से लैस हमलवारों से भीड़ गए, लेकिन थोड़ी देर में ही ग्रामीणों की ललकार चीख-पुकार में बदल गई थी। अब, पकड़ो और मारों की जगह मार दिया की आवाज आने लगी थी, जाहिर है हमलावर अपना काम कर चुके थे। उनकी फायरिंग से पांच लोग लहूलुहान हो जमीन पकड़ लिए थे।घटना की जानकारी पलक झपकते ही उनके घर की महिलाओं तक पहुंची। मौके पर पहुंची महिलाओं के क्रंदन-चित्कार से माहौल गमगीन हो गया। महिलाओं की चीख, पुकार से पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया था। सिर्फ सुनाई पड़ रही थी तो सिसकिया व क्रंदन।इस घटना ने एक झटके में ही एक हंसते-खेलते कुनबे को उजाड़ दिया। बालू के सवाल पर शुरू हुए इस विवाद ने तीन जिंदगियों को बालू की भीति की तरह ढहा दिया। वहीं, दो लोग जीवन व मौत से जूझ रहे है।इस घटना के बाद पूरे गांव में मायूशी छाई है। किसी को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उनके गांव में क्या हो गया। कल तक पंचायत प्रतिनिधि बन पूरे गांव को एकसूत्र में पिरोने का दावा करने वाले आखिर कैसे हैवान बन गए और गांव के ही लोगों को मौत के घाट उतार दिया, यह लोगों के समझ नहीं आ रहा था।वहीं, महिलाओं की चीख-पुकार से माहौल इस कदर गमगीन हो गया था कि वहां पहुंचने वाला हर सख्श रो पड़ रहा था। किसी को कुछ समझ में नहीं आ रहा था कि इन महिलाओं को क्या कहकर चुप कराया जाए। उनके पति, बेटे या अन्य परिजनों का खून से लथपथ शव उनके सामने पड़ा था, जिससे लिपट महिलाएं दहाड़े मारकर रो रही थी। आलम यह था कि उन्हें चुप कराने की कोशिश करने वाला खुद रो पड़ रहा था। घटना की विभत्सता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि दर्जनों की संख्या में महिलाओं के बीच चीख-पुकार मची थी और ऐसा लग रहा था कि उन्हें चुप कराने वाला भी कोई नहीं था।

राजपुर ट्रिपल मर्डर में संतोष व मनोज समेत 19 पर नामजद एफआईआर

केटी न्यूज / बक्सर

शनिवार की सुबह पांच राजपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गांव ताबड़तोड़ फायरिंग के दौरान तीन लोगों की मौत मामले परिजनों के शिकायत पर 19 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज लिया। जिसमें पूर्व मुखिया मनोज यादव व पूर्व जिप उपाध्यक्ष संतोष यादव सहित 19 लोगों नामजद आरोपी बनाया है। वहीं पुलिस ने घटना स्थल से दस खोखा और एक चार चक्का वाहन को जब्त कर लिया है। एफआईआर की पुष्टि बक्सर सदर एसडीपीओ धीरज कुमार ने पुष्टि करते हुए कहा कि नामजद 19 लोगों के खिलाफ मृतक विरेन्द्र सिंह यादव के पुत्र अजीत कुमार यादव के द्वारा गया है। वहीं दो तीन अज्ञात भी है। पुलिस आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

बालू के विवाद ने छीना तीन परिवारों का सुख-चैन, वीरेंद्र की मौत से मासूम बेसहारा

- पहले ही हो चुकी थी मां की मौत, अनाथ बच्चों को रोता देख भर आ रही थी मौजूद लोगों की आंखें

केटी न्यूज/बक्सर

अहियापुर गांव में बालू-गिट्टी के कारोबार को लेकर हुए खूनी संघर्ष ने तीन परिवारों की खुशियों को मातम में बदल दिया। गोलीबारी में वीरेंद्र सिंह, सुनील कुमार और विनोद सिंह की मौत हो गई। वीरेंद्र सिंह की मौत से उनके मासूम बच्चों, 7 वर्षीय निशु और 10 वर्षीय गुड्डू के सिर से पिता का साया उठ गया। मां को उन्होंने छह साल पहले खो दिया था, अब पिता की मौत ने दोनों को बेसहारा कर दिया। अपने पिता की लाश से लिपटे दोनों बच्चे बार-बार बिलखते हुए पूछ रहे थे, अब केकरा सहारे रहब जा हो पापा...? इस मार्मिक दृश्य को देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं।वहीं, सुनील कुमार की मौत से उनके छोटे भाई सुदामा सिंह की शादी की खुशियां भी मातम में बदल गईं। 1 जून को तिलक और 6 जून को शादी की तैयारियां जोरों पर थीं, मगर अचानक हुई इस घटना ने सब कुछ उजाड़ दिया। सुनील की पत्नी आशा देवी और उनके तीन बच्चों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में मातम पसरा हुआ है। लोग सवाल कर रहे हैं कि अब इन मासूमों के भविष्य का सहारा कौन बनेगा? वहीं, मासूम को देख लोगों के मन में यह सवाल उठ रहा था कि आखिर इनकी क्या गलती थी, इन्हें क्यों यतीम बना दिया गया।

पंचायत चुनाव से दोनों के बीच चल रही थी दुश्मनी, बालू के विवाद ने लगाया पलीता

केटी न्यूज/राजपुर

जिस बालू व गिट्टी के विवाद में अहियापुर में तीन लोगों की हत्या की गई है वह विवाद की असली जड़ नहीं बल्कि तत्कालिक कारण माना जा रहा है। बल्कि दोनों परिवारों के बीच पिछले पंचायत चुनाव से ही अदावत का बीजारोपण हो गया था। ग्रामीणों की मानें तो मनोज यादव व चंद्रदेव यादव के परिवार के बीच दुश्मनी की शुरुआत पिछले पंचायत चुनाव से ही शुरू हुई थी। ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि पंचायत चुनाव में चंद्रदेव के परिवार ने मनोज यादव व संतोष यादव का विरोध किया था। ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव में मिली हार से नाराज मनोज व संतोष इस परिवार को सबक सिखाने का मौका पिछले तीन वर्षों से ढूंढ रहे थे। बालू का विवाद तो महज एक दिखावा था, असल कहानी तो पंचायत चुनाव के जड़ में थी। ग्रामीण सूत्रों ने बताया कि मनोज व संतोष की इलाके में काफी वर्चस्व है तथा पंचायत चुनाव में भी दोनों की तूती पिछले लंबे समय से बोलते आ रही थी। जिसका प्रमाण है कि मनोज ने एक बार अपनी पत्नी को जिप सदस्य का चुनाव जीताने के साथ ही उसे चेयरमैन तक बनवाया जबकि अपने भाई को उपाध्यक्ष की कुर्सी तक ले गया। यही नहीं बल्कि रसेन व अकबरपुर पंचायतों में मुखिया के पद भी अपने परिजनों को बिठाया। ग्रामीण कहते है अकबरपुर पंचायत में मनोज व संतोष ने अपने रसूख के बल पर अपनी मां को मुखिया बनवाया था, जबकि रसेन पंचायत में अपने चहेते को मुखिया बना इलाके में अपनी धौंस जमाई थी। मनोज पर पूर्व में दर्जनो केस दर्ज है। पिछले साल ही राजपुर थाने में उस पर एक एफआईआर दर्ज हुआ था, जिसमें वह चार्जशीटेड है। जानकारों का कहना है कि राजनीतिक रसूख के अलावे दोनों अपराधिक प्रवृति के थे। यही कारण है कि पंचायत चुनाव में चंद्रदेव सिंह द्वारा विरोध करने के बाद दोनों उस परिवार से खार खाए थे तथा उन्हें सबक सिखाने की फिराक में लगे थे। इसी दौरान यह परिवार नहर के किनारे गिट्टी बालू की दुकान चलाने लगा।

राजपुर में आठ साल बाद फिर हुई ट्रिपल मर्डर की घटना, लक्ष्मणपुर की याद हुई ताजा

13 साल में 4 बार हो चुकी है ट्रिपल मर्डर की घटना

केटी न्यूज/बक्सर

शनिवार को अहियापुर में हुई ट्रिपल मर्डर की घटना ने पूरे जिले को झकझोर दिया है, वहीं राजपुर में आठ साल बाद ट्रिपल मर्डर की घटना दुहराई गई है। इसके पहले 13 अप्रैल 2017 की शाम आठ बजे राजपुर थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर गांव में पुलिस एनकाउंटर में मारे गए कुख्यात संतोष राजभर के भाई मुन्ना राजभर के द्वारा प्रतिशोध की आग में ग्रामीण चिकित्सक डॉ. आरपी राय के पिता रामबच्चन राय, भाई मनोज राय व संतोष राय को गोलियों से छलनी कर मौत के घाट उतार दिया था। लंबे समय बाद आरोपी मुन्ना राजभर पुलिस के हत्थे चढ़ा था।

केस स्टडी- दो : भाभी द्वारा जबरदस्ती का विरोध करने पर रामा से मार तीन की कर दी थी हत्या

वर्ष 2017 के जून महीना में ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के बसवर गांव का विश्वंभर पासवान अपनी भाभी से जबरन अवैध संबंध बनाने का प्रयास कर रहा था। भाभी द्वारा विरोध करने पर उसने घर में रखे रामा से भाभी दुर्गावती देवी, भतीजा अमित पासवान और भतीजी रेगनी कुमारी की हत्या कर दी थी।

केस स्टडी - 3 : वर्ष 2013 में दहला था नैजीजोर

वर्ष 2013 में नैनीजोर थाना क्षेत्र के बड़की नैनीजोर के लीलाडेरा गांव में करनामेपुर ओपी के सईया मरीचइया गांव निवासी रामसहू यादव और उनके पुत्र संजय यादव दोनों बंगाल के रिसड़ा में रहते थे। वे लोग अपने रिश्तेदारी में बलिया गए थे। शाम को लौटते वक्त दियारे क्षेत्र में उन्होंने देखा कि गांव में जिससे पूर्व से अदावत चल रही थी वह आर्म्स के साथ दिखाई पड़ा। जिसके बाद वे दोनों जान बचाकर अपने रिश्तेदार लीला डेरा निवासी कन्हैया यादव के घर में छिप गए, लेकिन हथियारबंद हमलवरों ने उनके दरवाजे पर चढ़ ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस घटना में लीलाडेरा निवासी सुनील यादव पिता कन्हैया यादव की मौत हो गई। वहीं, सईया मरीचईयां गांव निवासी संजय यादव व उनके पिता रामसहू यादव की हत्या भी अपराधियों ने कर दी थी।

केस स्टडी 4 : राख के सवाल पर खाक हुई थी तीन जिंदगियां

30 जनवरी 2012 को कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार गांव में पुआल का अलाव जला तापने के दौरान राख उड़ने के विवाद में गांव के ही एक मनबढ़ू परिवार ने सच्चिदा तिवारी, बबन तिवारी व मिंटू तिवारी की हत्या गोली मार कर दी थी। हालांकि, इस घटना में पुलिस की सख्ती से आरोपियों को कोर्ट ने सजा सुनाई थी। वहीं, अहियापुर ट्रिपल मर्डर की घटना ने एक बार फिर से पिछली घटनाओं की यादें ताजा कर दी है।

सरकारी योजनाओं के लाभ से कोई वंचित नहीं रहे : डीएम

♦ नया भोजपुर में बनेगा खेल मैदान इसके लिये जन प्रतिनिधियों से बात कर होगी चयनित जमीन हटेगा अतिक्रमण

केटी न्यूज/डुमरांव

सरकारी योजनाओं से योग्य परिवार वंचित नहीं हो, इस पर अधिकारियों को विशेष रूप से ध्यान देना है। किसी के द्वारा यदि कोई शिकायत आती है, उस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शिकायत को दूर करने का प्रयास किया जाए। मौके पर बुजुर्ग महिला पुरूष ने पेंशन और आवास योजना का लाभ नहीं मिलने की शिकायत की। डीएम अंशुल अग्रवाल ने नयाभोजपुर के वार्ड 8 में आयोजित जन संवाद के दौरान लोगों की शिकायत सुन संबंधित अधिकारी को हैंडओवर करते हुए कहा की इनकी शिकायत दूर हो जानी चाहिए। वार्ड डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र में शहरी गरीबों को पक्का मकान देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री आवास योजना वर्ष 2015-16 से प्रभावी रूप से चलाई जा रह है। इस योजना के संबंध में ईओ मनीष कुमार और चेयरमैन के प्रतिनिधि सुमित गुप्ता ने बताया की इसके तहत पात्र एवं चिन्हित लाभुकों को चार किस्तों में कुल दो लाख रुपये का अनुदान देकर उनका आवास निर्माण कराया जा रहा है। नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी मनीष कुमार ने योजना की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक डुमरांव में 1503 लाभुकों का चयन किया गया है, जिन्हें क्रमवार किस्तें दी जा चुकी हैं। ईओ मनीष कुमार, सिटी मैनेजर स्तुति सिन्हा सहित कई पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहते हुए शिकायतों का दूर करने के संबंध में लोगों को बता रहे थे। कार्यक्रम के दौरान डीएम अंशुल अग्रवाल ने स्पष्ट कहा कि यदि किसी को स्ट्रीट लाइट, नाली, सड़क, सामुदायिक शौचालय या अन्य किसी भी मूलभूत सुविधा को लेकर शिकायत हो, तो उसे कलमबद्ध रूप में प्रस्तुत करें। प्रशासन की ओर से इसे एक माह के भीतर कार्रवाई करते हुए समाधान किया जाए। जन संवाद के दौरान नया भोजपुर निवासी आशुतोष पांडेय ने होल्डिंग टैक्स को लेकर सवाल उठाया और कहा कि टैक्स से संबंधित जानकारी देने के लिए शिविर लगाया जाए ताकि आमजन को स्पष्टता हो कि टैक्स कब से देना है। इस पर ईओ और चेयरमैन प्रतिनिधि ने बताया की विस्तारित क्षेत्र वर्ष 2022 में नगर परिषद से जुड़ा है और 2023 से टैक्स वसूली को लेकर बोर्ड में चर्चा कर विभागीय मार्गदर्शन मांगा गया है। हालांकि इस वार्ड में होल्डिंग टैक्स को लेकर विशेष कैम्प का आयोजन किया जाएगा। वहीं गजरावा से महादेवा तक हो रहे अतिक्रमण को लेकर स्थानीय निवासी राम कुमार ने शिकायत की। वहीं, युवा समाजसेवी अजय यादव ने युवाओं के लिए खेल मैदान की मांग की, जिस पर डीएम ने संज्ञान लिया और संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देने की बात कही।संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र किराए के मकानों में संचालित हो रहे हैं, जिससे बच्चों और धात्री महिलाओं को आईसीडीएस का लाभ नहीं मिल पा रहा है। डीएम ने अधिकारियों से स्थायी भवन की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। स्थानीय निवासी मीणा देवी ने शहरी आवास योजना के लिए आवेदन देने के बावजूद नाम सर्वे सूची में नहीं आने की शिकायत की। इस पर डीएम ने संबंधित कर्मी को फटकार लगाते हुए कहा कि आवेदन की जांच कर लाभुक को लाभ दिलवाना सुनिश्चित करें। वहीं राम इकबाल सिंह ने पोखर पर अतिक्रमण हटाने और उसके सौंदर्यीकरण की मांग की, जिसे प्रशासन ने गंभीरता से लिया। वहीं दुखित यादव ने मंदिर की चारदीवारी निर्माण की मांग की। पीएचईडी विभाग द्वारा संचालित नल-जल योजना की भी शिकायतें सामने आईं। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि लेयर फट जाने के कारण एक माह से जलापूर्ति बाधित है। डीएम ने तुरंत संबंधित विभाग को मरम्मत कार्य शीघ्र शुरू करने का आदेश दिया। सामुदायिक शौचालय के निर्माण में हो रही देरी पर भी सवाल उठाए गए।

डुमरांव अनुमंडल में जर्जर पुलिया पर डीएम ने आरडब्लूडी पर जताई नाराजगी

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल क्षेत्र में लंबे समय से जर्जर अवस्था में पड़ी पुलियाओं को लेकर शनिवार को डीएम अंशुल अग्रवाल ने अकालुपुर, अरैला एवं अनुमंडल कार्यालय डुमरांव के समीप स्थित पुलियाओं का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने पुलियाओं की अत्यंत खराब स्थिति पर गहरी नाराजगी जताई और संबंधित अभियंताओं को सख्त निर्देश दिए। गौरतलब है कि हाल ही में अकालुपुर पुलिया पर एक बड़ा हादसा हुआ था, जिसमें एक प्राचार्य की मौत हो गई थी और तीन लोग घायल हुए थे। यह कोई पहला हादसा नहीं था। फिलहाल वहां डायवर्जन का निर्माण कार्य जारी है, जिसके बाद मुख्य पुलिया का निर्माण शुरू किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान डीएम ने ग्रामीण कार्य विभाग के अभियंताओं को फटकार लगाते हुए कहा कि यदि दो से तीन दिनों के अंदर कार्य प्रारंभ नहीं हुआ तो संबंधित अभियंताओं के खिलाफ कार्यवाई होगा। वही इसके बाद कोई दुर्घटना होने पर एफआईआर भी होगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि डायवर्जन का कार्य 48 घंटे के भीतर पूर्ण कराना सुनिश्चित किया जाए और क्षतिग्रस्त पुलिया को तोड़कर निर्माण कार्य तत्काल शुरू हो। इसके साथ ही डीएम ने टेडकी पुलिया और अनुमंडल कार्यालय को जोड़ने वाली पुलिया का भी निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कार्य शीघ्र कराने के निर्देश दिए ताकि भविष्य में कोई हादसा न हो। इस पुलिया की जगह नए पुल के निर्माण की प्रक्रिया भी नियमानुसार प्रारंभ करने का आदेश दिया गया है। अरैला के समीप स्थित पुलिया की साइड वॉल क्षतिग्रस्त पाई गई, जिसे देखकर जिलाधिकारी ने तुरंत सुरक्षा उपाय अपनाने के निर्देश दिए।

जोश खरोस के साथ संपन्न हुई भाजपा की जिला कार्यसमिति की पहली बैठक

कार्यकर्ताओं की मेहनत ही है पार्टी की असली पूंजी : मंत्री जनक राम

केटी न्यूज/बक्सर

नये जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की पहली कार्यसमिति की बैठक बक्सर के एक निजी लॉज में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने व संचालन लक्ष्मण शर्मा ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय जनता पार्टी के स्तंभ रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि एवं दीप जलाकर किया गया। जिला कार्यसमिति में जनक राम अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री, संजय सरावगी भूमि सुधार मंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल, दिलमणी देवी पूर्व विधायक, राजेश वर्मा प्रदेश महामंत्री भी उपस्थित रहें। जिला कार्यसमिति की अध्यक्षीय भाषण में जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने संगठन के महत्व को उपस्थित कार्यकताओं के बीच बहुत बारीकी से और संवेदनशीलता के साथ रखा। उन्होंने कार्यकताओं के मेहनत को पार्टी की पूंजी बताया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने भी कार्यकताओं के महत्व, मेहनत और उसकी निष्ठा को सलाम करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता जाहिर की। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री जनक राम ने अपने उद्बोधन में ऑपरेशन सिन्दूर के सफलता के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय सेना के जवानों के प्रति शुभकामना व्यक्त करते हुए अभार जताया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने आप में इतना सशक्त हुआ है कि अपने लोगों की रक्षा खुद कर सकता है।उन्होंने अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के द्वारा बिहार के साथ साथ बक्सर के दलित बच्चे-बच्चियों तथा बुढ़े बुजूर्ग के कई जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है, जिससे काफी लोग लाभान्वित हो रहे हैं और लोगों का विकास हो रहा है। गरीब और दलितों को कोई कुछ दे रहा है तो वो हैं नरेंद्र मोदी और और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार है।बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने भारतीय जनता पार्टी के जिलाधिकारी, जिला कार्यसमिति तथा उपस्थित कार्यकताओं को पार्टी की अमोल धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि आप ही के बीच का कल कोई विधायक बनता है, कोई मंत्री बनता है। उन्होंने संगठन को मां की आंचल की तरह बताया। हर कार्यकर्ता का भी फर्ज है कि वे भी संगठन को मजबूत एवं सशक्त बनाने में अपनी भूमिका दोहराते रहें। प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा ने बैठक को सम्बोधित करते हुए बूथ मजबूत करने की बात कही। उन्होंने ने कहा की समाज के हर तबके के लोगों को जोड़ने का काम करना है तो वो बूथ के माध्यम से ही सम्भव हो सकता है। उन्होंने बूथ को मजबूत करने का टिप्स अपने कार्यकताओं को दिया।भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने अपने संबोधन में 30 मई को बिक्रमगंज में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा को सफल बनाने पर चर्चा की।

अनुसूचित जाति के कल्याण के लिए चल रही है कई

बक्सर। राज्य सरकार के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री जनक राम ने राजपुर थाना के अहियापुर की घटना पर गहरा दुख जताया और कहा कि अपराधी बख्शे नहीं जाएंगे। राज्य में कानून-व्यवस्था की सरकार है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार के साथ राज्य सरकार खड़ी है तथा दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के माध्यम से बिहार के अनुसूचित वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए कई कल्याणकारी, जनहितकारी योजनाएं चला रही है। जिससे की बक्सर की अनुसूचित जाति के लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। जिस कारण उनका जीवन स्तर तेजी से सुधर रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार सरकार के मुखिया नीतीश कुमार के नेतृत्व में अनुसूचित जाति के लोगों के युवक और युवतियों के लिए सत्ता और संविधान में कई संशोधन कर लाभ पहुंचाने का कार्य किया है और निरंतर कर रहें हैं। प्रेसवार्ता में ओमप्रकाश भुवन भाजपा जिलाध्यक्ष तथा उमाशंकर राय जिला मीडिया प्रभारी बक्सर उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में घायल छात्रा की इलाज के दौरान मौत

केटी न्यूज/नावानगर

एन.एच.319 स्थित सोनवर्षा थाना क्षेत्र के टीकपोखर गांव के पास शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां एक अनियंत्रित हाइड्रा ट्रक की चपेट में आने से चार छात्राएं जख्मी हो गई थी। इनमें से एक छात्रा की हालत गंभीर थी, जिसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर किया गया था। पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक छात्रा की पहचान भोजपुर जिला के केशरी टोला गांव निवासी सुनिल कुमार यादव की 13 वर्षीय पुत्री सुमन कुमारी के रूप में हुई है। जो मध्य विद्यालय टीकपोखर में कक्षा सात की छात्रा थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूल की छुट्टी होने के बाद छात्राएं अपने घर जाने के लिए सड़क किनारे से गुजर रही थीं, तभी तेज रफ्तार में आ रही हाइड्रा ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी जख्मी छात्राओं को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से एक छात्रा को चिंताजनक स्थिति में चिकित्सकों ने पटना रेफर कर दिया था। उस छात्रा की मौत इलाज के दौरान हो गई। वही जख्मी तीन छात्राओं की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जबकि मृतक छात्रा के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है।

डुमरांव विधायक कान और आंख में तेल डालकर सोये हैं : रवि उज्ज्वल

केटी न्यूज/डुमरांव

जदयू के पूर्व विधानसभा प्रभारी रवि उज्ज्वल कुशवाहा आपने साथियो और कार्यकताओं के साथ छतनवार पंचायत के अहिरवहन राय के डेरा प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले अभिभावकों की शिकायत पर उक्त स्कूल में पहुंच पूरी जानकारी ली। एक प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने बताया की विद्यालय की स्थिति बहुत खराब है, विद्यालय का मेन गेट का दीवार और फाटक टूट कर लटका हुआ है। उसी तरफ से बच्चों का आना-जाना प्रतिदिन रहता है, कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है। इतना ही नहीं विद्यालय में बच्चो को पेयजल के लिये भी तरसना पड़ता है। इस भीषण गर्मी में खराब पड़ चापाकल को बनाया नहीं जा सका है। बच्चे प्यास लगने पर घर की तरफ भागते हैं, ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है की स्कूल की स्थिति क्या है। अभिभावकों की यह भी शिकायत थी की बरसात में विद्यालय के का छत से पानी

टपकता है, यहां के विधायक अजीत कुमार को स्थानीय लोगो ने इसकी जानकारी दी है लेकिन उनको आने का समय नही है, लगता है किसी अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा की मेरे द्वारा डीएम अंशुल अग्रवाल से मांग किया है कि इस विद्यालय को जल्द-से-जल्द सुधारा जाए। मौके पर प्रीति पटेल, विरेन्द्र कुशवाहा, ओम प्रकाश, रौशन यादव, जगजीवन राम, तेज नारायणा सत्येन्द्र यादव इत्यादि लोग मौजूद थे।

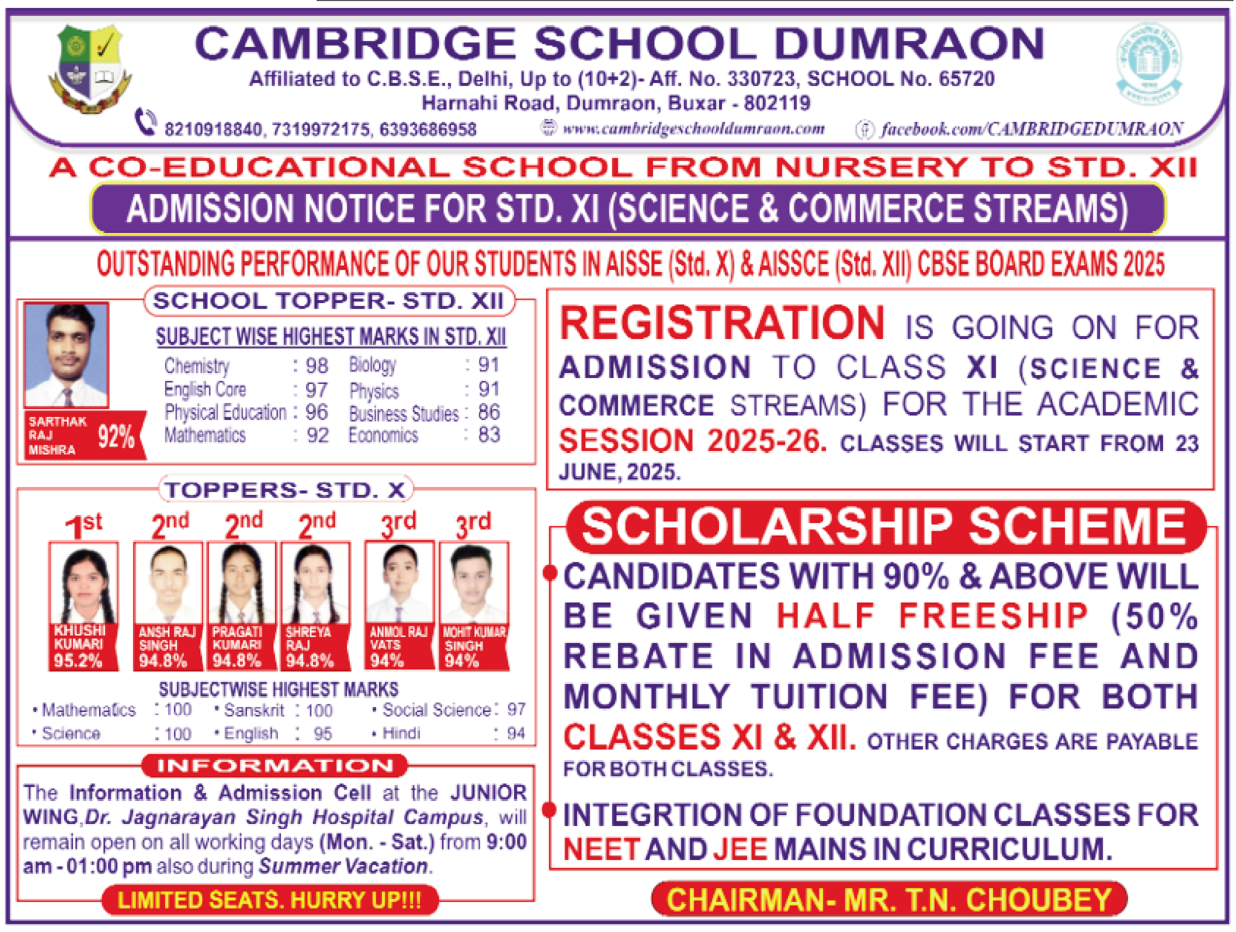

सिकरहटा थाना क्षेत्र के खुर्द स्थित पोल्ट्री फार्म के समीप हुई दुर्घटना

बारात से लौट रही पिकअप ने खड़े ट्रक में मारी टक्कर, एक की मौत

- जख्मियों में दो का सदर अस्पताल में चल रहा है इलाज
- अनियंत्रित होकर हादसे में पिकअप पर सवार सात जख्मी

केटी न्यूज/आरा

बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर जिले के सिकरहटा थाना क्षेत्र के सिकरहटा खुर्द स्थित पोल्ट्री फार्म के समीप शनिवार की सुबह बारात से लौट रही पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतना जबरदस्त था कि पिकअप पर बैठे एक युवक की घटनास्थल पर मौत हो गई। जबकि सात लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद जख्मियों में दो लोगों को इलाज के लिए पीरो पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया। जबकि पांच लोगो का इलाज पीरो पीएससी में कराया जा रहा है। वही पिकअप के भी पचखड़े उड़ गए और दहेज के सभी सामान रोड पर बिखर गए। घटना को लेकर आसपास की इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। जानकारी के अनुसार मृतक रोहतास जिला संझौली थाना क्षेत्र के मिश्रवलिया गांव निवासी भोला रजवार का 18 वर्षीय पुत्र कल्लू कुमार है। जबकि जख्मियों में चरपोखरी थाना क्षेत्र के मदुरी गांव निवासी सरस्वती कुमार के 25 वर्षीय पुत्र विष्णु कुमार, रामचंद्र कुमार का 25 वर्षीय पुत्र जोशी कुमार, गोधन राम का 17 वर्षीय पुत्र गोविंद कुमार,राम छवि पासवान का 35 वर्षीय पुत्र संजय पासवान, स्व. सीताराम पासवान का 40 वर्षीय पुत्र बाबूधन कुमार एवं रोहतास जिला के अकौढ़ी गोला थाना क्षेत्र के सकला गांव निवासी कपिल राम का 45 वर्षीय पुत्र श्रीभगवान एवं श्रीभगवान के 60 वर्षीय पुत्र लक्ष्मण कुमार शामिल हैं। जबकि सभी लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद जोशी कुमार एवं बाबूधन कुमार को इलाज के लिए आरा अस्पताल लाया गया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन बहन व दो भाई में चौथे स्थान पर था।

शादी में मिले सामान को लेकर आ रही थी पिकअप

मृतक के चाचा राम आश्रय रजवार ने बताया कि वह अपनी चचेरी बहन पताली देवी के ससुराल चरपोखरी थाना क्षेत्र के मदुरी गांव रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए गया था। शुक्रवार की शाम वह अपनी चचेरी बहन के ससुराल मदुरी गांव से उसके रिश्तेदार सरयू राम के पुत्र सुनील राम के बारात में शामिल होने के लिए रोहतास जिला के अकौढ़ी गोला थाना अंतर्गत जयपुर चांदी गांव गया था। शनिवार की सुबह पिकअप पर शादी उपहार के रूप में मिले का सामान लोड कर उसी पिकअप के ऊपर बैठ कर सभी लोगों के साथ वापस मदुरी गांव लौट रहा था। उसी दौरान सिकरहटा खुर्द के उनकी पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़ी ट्रक से टकरा गई। पिकअप के ऊपर बैठे कल्लू कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के सहयोग से जख्मी को इलाज के लिए पीरो पीएचसी ले जाया गया।

निगरानी विभाग ने रिश्वत लेने के आरोप में सीओ सुधीर ओंकारा को रंगेहाथ दबोचा

केटी न्यूज/सासाराम

शनिवार को जिले के कार्यालयों में भ्रष्टाचार एक लम्बे अरसे से व्याप्त है। कोई भी काम बिना सुविधा-शुल्क दिये नहीं होता है। ऐसे तो जिले का लगभग सरकारी कार्यालय इसकी चपेट में है, किन्तु विशेष रूप से यह मंजर जिले के प्रखंड और अंचल कार्यालयों में खूब देखने को मिलता है।

प्रखंड के पंचायतों में चलने वाले विकासात्मक कार्य हों या फिर अंचलों में दाखिल खारिज चाहे जमीन संबंधी कोई काम हो। भ्रष्टाचार में संलिप्त सीओ को बिना चढ़ावा चढ़ाये किसी का भी कल्याण नहीं हो सकता। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे जिले के कई कार्यालयों के लिपिक और अधिकारी पूर्व में निगरानी और सीबीआई के गिरफ्त में आ चुके हैं। बावजूद इसके भ्रष्टाचार-देवों का राक्षसत्व नहीं खत्म हुआ।

इसी कड़ी में निगरानी विभाग की टीम ने सासाराम अंचल में पदस्थापित अंचलाधिकारी सुधीर ओंकारा का सबसे विश्वास-पात्र माना जाने वाला डाटा इंट्री ऑपरेटर आकाश कुमार को 1 लाख 10 हजार रिश्वत के साथ सासाराम अंचल कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया है। इस कार्रवाई से जिले के अन्य विभाग अंतर्गत भ्रष्टाचार संलिप्त पदाधिकारी सहित निम्न कर्मी में कुछ दिनों के लिए भय व्याप्त तो हुआ है। लेकिन धीरे-धीरे फिर समाप्त हो जायेगा और पुनः भोली भाली रोहतास की जनता से विभागीय कार्य के लिए रिश्वत के रूप में चढ़ावा की मांग शुरू हो जायेगा। वहीं इस घटना के बाद सरकारी महकमें में हड़कंप मच गया।

वाहन नियम की अवहेलना करने पर कटा 85 हजार का चालान

बिक्रमगंज। शनिवार को वाहन एक्ट नियम उल्लंघन में थाना क्षेत्र के तेंदुनी चौक पर ट्रैफिक पुलिस ने 85 हजार रुपए का ऑनलाइन चालान काटा। इस संदर्भ में यातायात ट्रैफिक पुलिस प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि रोहतास जिला प्रशासन द्वारा जारी नो एंट्री आदेश के आलोक में विभिन्न ट्रकों व बाइक को मिलाकर 85 हजार का चालान काटा गया हैं। जो काटे गए चालान में विगत शुक्रवार को शाम 7 से 9 बजे शाम तक 28 हजार रुपये जबकि शनिवार को नो एंट्री नियम अंतर्गत सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक 57 हजार का चालान काटा गया हैं। वही खबर लिखे जाते तक यातायात ट्रैफिक पुलिस प्रभारी राकेश कुमार के द्वारा अपने टीम के साथ अभियान जारी था। जो भी नियम को तोड़ते हुए पकड़ा जाएगा। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने विभिन्न कांडों में संलिप्त दर्जनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट एवं कछवां पुलिस ने विभिन्न कांडों में अलग-अलग गांव से आधा दर्जन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि शराब सेवन में संझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बाजितपुर निवासी श्रीकांत प्रसाद के 25 वर्षीय पुत्र अनीश कुमार एवं काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पद्मनपुर निवासी स्वर्गीय दिलीप सिंह के 19 वर्षीय पुत्र रौशन राज को पद्मनपुर गांव से ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । वहीं कछवां थानाध्यक्ष मितेश कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत धनहरा निवासी अवधेश राम को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध एनबीडब्ल्यू वारंट निर्गत था। जिसे एससी एसटी कोर्ट भेज दिया गया । साथ ही ग्राम झाकर बिगहा निवासी नीलाम पत्र वारंटी रामबचन सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर सासाराम जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी के पास भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि मारपीट के मामले में प्राथमिकी नामजद अभियुक्त ग्राम निरंजनपुर निवासी महेंद्र यादव के आलोक में मारपीट के मामले में प्राथमिकी नामजद अभियुक्त ग्राम मंगरांव निवासी ललन राम के पुत्र भुअर कुमार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । दोनों थाना के थानाध्यक्षों ने बताया कि गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

जनता के वादों में हर मोर्चे पर विफल हो रही है नीतीश सरकार : राजेश्वर

केटी न्यूज/सासाराम

कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष राजेश्वर कुशवाहा ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की बिहार के नीतीश कुमार सरकार सभी मोर्चा पर विफल है। राज्य के किसानों व मजदूरों सहित आम जनता को कोई सुविधा उपलब्ध नहीं करा पा रही है। वही केंद्र सरकार पर भी कोई ध्यान नहीं दे रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सिजफायर किन परिस्थितियों में किया गया, केंद्र सरकार उसका भी जवाब देंने से भाग रही है। जबकि विदेश मंत्री ने एक बयान दिया था कि पहले ही पाकिस्तान को बता दिया था कि हम हमला करेंगे। जो जवानों के जान को जोखिम में डालने का काम था। जिससे बड़े आतंकवादी को भागने

का मौका मिल गया। सरकार को इस पर भी जवाब देना चाहिए। वह हमेशा बचते है। उन्होंने कहा कि 27 मई को दोपहर 2 बजे जिला अतिथि गृह सासाराम में शाहाबाद के महागठबंधन के सांसद मनोज कुमार, सासाराम, सुधाकर सिंह, राजाराम सिंह, सुदामा प्रसाद एवं अभय कुशवाहा एक विशेष बैठक कर राज्य और केंद्र सरकार से देशहित में जवाब मांगने पर चर्चा करेंगे।

भाजपा कार्यकताओं के साथ पीएम प्रचार रथ को झंडी दिखा किया रवाना

मंत्री संजय सरावगी ने दुर्गाडीह पहुंच प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

आगामी 30 मई को बिक्रमगंज में होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के होने वाले कार्यक्रम की तैयारी को लेकर बिहार सरकार के मंत्री एवं कार्यक्रम प्रभारी संजय सरावगी तथा प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। मौके पर मंत्री ने प्रधानमंत्री से जुड़े दर्जन भर प्रचार रथ को झंडी दिखा कर कार्यक्रम स्थल से रवाना किया। संजय सरावगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम बिक्रमगंज की धरती पर ऐतिहासिक होगा।

सिंदूर ऑपरेशन के सफलता के बाद लोगों में मोदी को सुनने के लिए उत्साह है, जो क्षेत्र की जनता में दिख रहा है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष संतोष पटेल, पूर्व विधायक राजेश्वर राज, भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश महामंत्री डॉ. मनीष रंजन, जिला महामंत्री प्यारेलाल ओझा, विवेक सिंह, बलिराम मिश्रा, अखिलेश सिंह, नवीन चंद्र साह, मदन वैश्य, अखिलेश पांडेय, मंडल अध्यक्ष धनंजय सिंह, गौतम तिवारी, ललित मोहन सिंह, सुरेश गुप्ता, अजीत सिंह, सरत चंद्र संतोष, नगर अध्यक्ष विनोद पासवान, नागेश्वर कुशवाहा, युवा नेता रितेश राज ,नगर महामंत्री अमर सिंह सहित कई उपस्थित थे। इसके पूर्व मंत्री को डुमरांव रोड स्थित संत एस एन ग्लोबल स्कूल के प्रांगण में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने पूरे विश्व को बता दिया कि है कि भारत अपनी सुरक्षा करने में सक्षम है। उसे किसी दूसरी की सहायता की आवश्यकता नहीं है।

स्वागत करने वालों में विद्यालय के निदेशक प्रकाश आनंद, अयूब खान, नरेन्द्र सिंह, आर एस एस के दुर्गेश, अफताब अंसारी, रजनीकांत, विकास राय, बिनोद चौबे, तनवीर आलम, संतोष, चुन्नू सिंह, सुजीत सिंह, अंकुर सिंह, अंशु मालवीय, सुनीता कुमारी, पुनम राय, सिमरन सहित कई लोग शामिल थे।

तेजप्रताप ने एक लड़की के साथ रिलेशन में होने का किया दावा

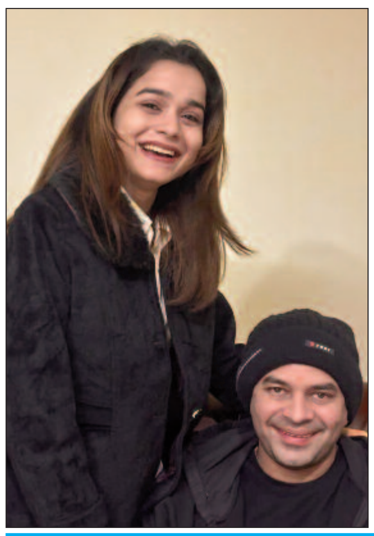

सोशल मीडिया पर पोस्ट

केटी न्यूज/पटना

पूर्व मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के विधायक तेज प्रताप यादव के सोशल मीडिया (फेसबुक) अकाउंट से एक पोस्ट वायरल हो रहा है। इसमें तेज प्रताप यादव के एक लड़की के साथ रिलेशन में होने की दावा किया गया है। दावा यह भी है कि वह दोनों एक-दूसरे को 12 साल से जानते हैं। एक-दूसरे से प्यार करते हैं। अब इस पोस्ट की चर्चा हर तरफ हो रही है। सोशल मीडिया पर लोग इस पोस्ट को खूब शेयर कर रहे हैं। हालांकि, यह पोस्ट तेज प्रताप यादव के अकाउंट से डिलीट कर दिया गया है। लेकिन, सियासी गलियारे से लेकर आम युवाओं के बीच यह चर्चा का विषय बन गया है। शनिवार शाम को तेज प्रताप यादव के ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट से अकाउंट से पोस्ट शेयर किया गया। इसमें तेज प्रताप एक लड़की के साथ दिख रहे थे। इसमें लिखा गया था कि मैं तेज प्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम ******* है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते हैं और प्यार भी करते हैं। हमलोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहें हैं। मैं बहुत दिनों से आपलोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं....? इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल का बात आप सब के बीच रख रहा हूं! आशा करता हू आपलोग मेरी बातों को समझेंगे।

17 मई को मालदीव ट्रिप पर गए थे तेज प्रताप यादव

तेज प्रताप यादव के अकाउंट से उक्त पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। उनके समर्थकों ने लिखा कलेजा हो तो तेजू भैया जैसा। आखिरकार उन्होंने सच जनता के सामने रख ही दिया। किसी ने लिखा कि अभी उनका तलाक का मामला कोर्ट में चल ही रहा है। ऐसे में यह पोस्ट कई सवाल खड़े करता है। दरअसल, तेज प्रताप यादव अभी मालदीव ट्रिप पर गए थे। उन्होंने 14 मई को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से मालदीव ट्रिप पर जाने की अनुमति मांगी थी। कोर्ट ने उन्हें 17 मई से 23 मई तक एक सप्ताह के लिए मालदीव जाने की अनुमति दी थी।

रील बनाने के चक्कर में तीन युवक बुरी तरह झुलसे

केटी न्यूज/पटना

बिहार के खगड़िया जिले में रील बनाने की चक्कर में तीन युवक हाईटेंशन तार की चपेट में आ गए। तीनों युवक बुरी तरह झुलस गये। इनका इलाज सदर अस्पताल खगड़िया में किया जा रहा है। इनमें एक की हालत नाजूक बताई जा रही है। घटना अलौली रेलखंड स्थित कामाथान रेलवे स्टेशन की बताई गई है। घायलों की पहचान अलौली थाना क्षेत्र के इचरुआ गांव निवासी कृष्ण क, प्रियांशु कुमार एवं कृष्णा के रुप में की गई है। बताया जा रहा है कि यह सभी कामाथाना रेलवे स्टेशन पर लगी एक मालगाड़ी ट्रेन की छत पर रील बनाने के लिए चढ़े थे। जहां ये सभी करंट की चपेट में आ गए। जिससे घटना घटित हुई है। परिजनों ने बताया कि घटना के तुरंत बाद सभी को स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया था जहां से सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो ये सभी घायल युवक आए दिन रेलवे स्टेशन के

बाहर या अन्य जगहों से रील बनाने के चक्कर में रहते थे। लोगों ने बताया कि शनिवार को दोपहर बाद ये सभी कामाथान स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गए। जहां सभी मोबाइल से रील बनाने लगे। इसी दौरान एक युवक ऊपर करंट तार की चपेट में आ गया। इसे बचाने के चक्कर में दो अन्य युवक भी करंट की चपेट में आकर झुलस गए। इधर, मामले में रेलवे प्रशासन से पक्ष जानने की कोशिश की गई। लेकिन, कामाथान रेलवे स्टेशन प्रशासन के द्वारा कॉल रिसिव नहीं किया गया।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने डोमिसाइल नीति को लेकर बड़ा वादा

अगर सरकार बनी तो बिहार में सौ प्रतिशत डोमिसाइल नीति लागू करेंगे

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को सभी राजनीतिक दल कई तरह लोक लुभावन वादे कर रहे। अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने डोमिसाइल नीति को लेकर बड़ा वादा कर दिया है। इंडिया गठबंधन के समन्वय समिति के अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने एलान किया है कि अगर उनकी सरकार बनी तो बिहार में सौ प्रतिशत डोमिसाइल नीति लागू करेंगे। इससे बिहार की नौकरी यहां के निवासियों को ही मिलेगी। तेजस्वी के इस घोषणा के बाद राजद समर्थक ने तेजस्वी यादव को धन्यवाद देते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के फॉर्म निःशुल्क होंगे। परीक्षा केंद्रों तक जाने के लिए पैसे सरकार देगी। राजद समर्थक ने कहा कि हमारे नेता तेजस्वी यादव जाति जनगणना से सामाजिक न्याय करेंगे। रोटी रोजगार देकर आर्थिक न्याय करेंगे। समर्थक ने कहा कि तेजस्वी यादव ने जो कहा कि वह समझो पूरा हुआ। नौकरी का वादा किया वह पूरा किया। युवाओं को रोजगार किया। डोमिसाइल नीति पर तेजस्वी यादव के बयान का वीडियो राजद समर्थक खूब शेयर कर रहे हैं। बता दें कि बिहार के युवाओं का एक बड़ा वर्ग डोमिसाइल नीति लागू करने की मांग कर रहे हैं। वह कई बार नीतीश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन भी कर चुके हैं।

भाजपा ने बोला हमला: वहीं डोमिसाइल नीति पर तेजस्वी यादव के बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने तंज कसा है। भाजपा प्रवक्ता प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि उन्हें पता है कि उनकी सरकार नहीं बनने वाली है। इसलिए कभी न पूरा होने वाला वादा कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष को डोमिसाइल नीति की जमीनी हकीकत समझनी चाहिए। बिहार के युवा केवल बिहार ही नहीं अन्य राज्यों में भी सरकारी नौकरी कर रहे हैं। अगर तेजस्वी यादव की तरह अन्य राज्य में ऐसा होने लगे तो बिहार के युवा बाहर के राज्यों में नौकरी नहीं कर पाएंगे। प्रभाकर मिश्रा ने कहा कि बिहार के लोग देशभर में अपनी प्रतिभा से पहचाने जाते हैं, उन्हें सीमित करना राज्यहित में नहीं है।

मंत्री नीरज बबलू ने तेजस्वी यादव के बयान पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, उपमुख्यमंत्री रहते क्या झाल बजा रहे थे। 100 फीसद डोमिसाइल की मांग करने वाले सरकार में रहे हैं। तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री रहते क्या कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव पांच-पांच विभागों को दबाकर बैठे थे। सरकार में रहते लूट से फुर्सत नहीं मिली। उस समय तेजस्वी यादव को जनता की चिंता नहीं थी। आज उनको दिन में भी तारे दिखते हैं। राजद पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए मुंह में पानी टपक रहा है।

कहा कि नीतीश कुमार के साथ आने से राजद सरकार में आने का सपना देख रही है। मुंगेरी लाल के हसीन सपने राजद देखना छोड़ दे। नीरज बबलू ने कहा, जनता जानती है कि राजद ने बिहार को लूटने का काम किया। राजद लुटेरा पार्टी है। कभी चारा खाती है, कभी अलकतरा पीती है, कभी जमीन हड़पती है। अब ऐसा दिन नहीं आने वाला है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन से फर्क पड़ने वाला नहीं है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एनडीए के साथ एकजुट हैं। मंत्री नीरज बबलू ने दावा किया कि बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनेगी और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बनेंगे। कानून व्यवस्था पर उठ रहे सवालों का भी उन्होंने जवाब दिया। नीरज बबलू ने कहा, सुशासन की सरकार में अपराधियों को स्पीडी ट्रायल के जरिए सजा दिलाई जाएगी। घटना के बाद पुलिस एक्शन में आती है और गिरफ्तारी भी करती है।

बाइक की ठोकर से एक महिला की मौत

गोपालगंज। गोपालगंज जिले के भोरे थाना क्षेत्र के बनियाछापर गांव के पास शनिवार को एक तेज रफ्तार बाइक की ठोकर से एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बाइक सवार युवक को पकड़ लिया और बंधक बना लिया। देर शाम तक युवक को मुक्त नहीं किया गया था। मृतका की पहचान फुलवरिया थाना क्षेत्र के गुठनहा गांव निवासी मोहन राम की पत्नी शांति देवी के रूप में हुई है। घायलों की पहचान बनियाछापर गांव निवासी विमल देवी और सिंधु देवी के रूप में की गई है।

पनसल्ला ढाला के पास हुई लूट और हत्या मामले का खुलासा, तीन धराए

केटी न्यूज/पटना

बिहार में एनएच-31 पर स्थित पनसल्ला ढाला के पास 9 अप्रैल को हुई दिनदहाड़े लूट और हत्या की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। साथ ही हत्या, लूट और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस अधीक्षक मनीष ने शनिवार को प्रेस वार्ता में बताया कि बीते 9 अप्रैल को लाखो थाना क्षेत्र के पनसल्ला ढाला के पास मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने बड़ी बलिया निवासी राहुल पोद्दार की गोली मारकर हत्या कर दी थी और 5 लाख रुपये लूट लिए थे। राहुल अपने रिश्तेदार सिकंदर पोद्दार के साथ बेगूसराय से मोटरसाइकिल पर घर लौट रहे थे, तभी तीन अज्ञात बदमाशों ने उन्हें ओवरटेक कर रोक लिया और गोली मारकर रुपयों से भरा बैग लूट कर फरार हो गए थे।

एसपी मनीष ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (सदर-01) के नेतृत्व में लाखो थाना और जिला आसूचना इकाई की संयुक्त टीम गठित की गई थी। तकनीकी साक्ष्य और सूचना के आधार पर 23 मई को तीन संदिग्धों को पनसल्ला की ओर जाते समय एक मोटरसाइकिल पर पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बलिया थाना क्षेत्र के दनौली फुलवरिया निवासी शैलेश कुमार (20), रामलगन कुमार (22) और बड़ी बलिया निवासी शुभम कुमार (24) के रूप में की गई है। तलाशी के दौरान इनके पास से एक देसी कट्टा, छह कारतूस और 1500 रुपये नकद बरामद हुए।

पूछताछ में तीनों ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया कि उन्होंने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। वारदात के बाद हथियार बलिया थाना क्षेत्र के एक बगीचे में छिपाया गया, जबकि लूट की रकम खगड़िया जिले के ननकु टोला स्थित बांध के पास बांटी गई। घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को खगड़िया के गंगौर इलाके में एक रिश्तेदार के घर छिपाया गया था।

सीवान में आग लगने से मां-बेटे जिंदा जले

सीवान। सीवान जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर में हुई लिकेज से लगी आग में मां-बेटे की जिंदा जलकर मौत हो गई। जबकि इस हादसे में दूसरा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मृतकों की पहचान मद्देशिलापुर गांव निवासी सरिता देवी (38) और उसके बेटे अर्जुन सिंह (10) वर्ष के रूप में हुई है। वहीं, हादसे में 12 साल का बड़ा बेटा करण सिंह (12) बताया गया है। हादसा आंदर थाना क्षेत्र से जुड़ा है। लोगों ने बताया कि सुबह सुबह-सुबह घर से चिल्लाने और चीखने की आवाज सुनकर भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों ने देखा कि एक कमरे में पूरी तरह आग लगी हुई है। लोग बालू, पानी, कीचड़ डालकर आग बुझाने का प्रयास करने लगे। तब तक कमरे में मौजूद मां और दोनों बेटे गंभीर रूप से झुलस गए। ग्रामीणों के सहयोग से सभी घायलों को पीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल चेकअप के बाद मां और बेटे को मृत घोषित कर दिया।

नालंदा में संवाददाता सम्मेलन में बोले केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय

ऑपरेशन सिन्दूर के बाद भारतीय सेना के पराक्रम व शौर्य को बिहार के पाठ्यक्रम में शामिल किया जायेगा

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद एनडीए की सरकार बनेगी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार होंगे। नालंदा में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि वामदल, कांग्रेस और परिवारवादी पार्टी राजद को बिहार के विकास से कोई मतलब नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में केंद्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार में बिहार में विकास की गंगा बह रही है।

उन्होंने कहा कि लालू यादव का तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने का सपना कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा की ऑपरेशन सिन्दूर के बाद भारतीय सेना के पराक्रम और शौर्य को बिहार के पाठ्यक्रम में शामिल किया जायेगा। दरअसल पहलगाम अटैक के 14 दिनों के बाद

भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू-कश्मीर में स्थित उन आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों की योजना बनाई जाती रही है। कुल मिलाकर 9 (नौ) स्थानों को निशाना बनाया गया। इसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, सऊदी अरब और यूएई जैसे प्रमुख देशों को

भारतीय अधिकारियों ने इस कार्रवाई की पूरी जानकारी दी। अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से भारत के एनएसए अजीत डोभाल ने बात की। वॉशिंगटन स्थित भारतीय दूतावास ने भारत की कार्रवाई को नपी-तुली, जिम्मेदार और गैर-उकसाऊ बताया था। हालाँकि फिलहाल दोनों देशों के बीच सीजफायर है।

संक्षिप्त समाचार

पत्नी की हत्या मामले में पति गिरफ्तार, फरार था आरोपी

लातेहार, एजेंसी। लातेहार के गारू थाना क्षेत्र के लुहुरटांड़ कोयल नदी से 16 मई को मिली बालू में दफन महिला के शव मामले में पुलिस ने खुलासा कर दिया है। महिला की हत्या उसके पति मुकेश प्रसाद ने की थी। मुकेश लातेहार थाना क्षेत्र के सुकरी गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। बरवाडीह पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि दंपती के बीच एक दूसरे पर अवैध संबंध का आरोप लगाकर अक्सर झगड़ा होता था। इसी विवाद से गुस्से में आकर मुकेश ने पत्नी की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को कोयल नदी के बगल बालू में दफना दिया। पुलिस ने घटनास्थल से महिला का मोबाइल, सैंडल, हत्या में इस्तेमाल किया गया लोहे का तावा और एक अन्य मोबाइल बरामद किया है। उन्होंने आगे बताया कि पति-पत्नी के बीच पिछले डेढ़ साल से तलाक का मामला न्यायालय में चल रहा था।

मत्स्य कृषकों का एनएफडीपी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

रांची, एजेंसी। झारखंड के मत्स्य कृषकों को एनएफडीपी पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। शुक्रवार को नई दिल्ली में हुई प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना की वार्षिक समीक्षा के क्रम में यह निर्देश जारी हुआ। इससे मत्स्य क्षेत्र से जुड़े सभी को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। साथ ही सभी मात्स्यिकी परियोजनाओं का लाभ मत्स्य कृषकों को मिल सकेगा। समीक्षा के दौरान झारखंड के कार्यों की सराहना हुई। विभागीय सचिव अबु बकर सिद्दीक और मत्स्य निदेशक एच. एन. द्विवेदी इसमें शामिल हुए। नई दिल्ली स्थित एपी शिंदे हॉल में हुई बैठक में केंद्रीय मत्स्य पालन विभाग के सचिव अभिलक्ष लिखी ने निजी क्षेत्र के साथ-साथ सहकारिता समितियों को भी फिशरीज फार्मर्स प्रोड्यूसर्स ऑर्गेनाइजेशन एफपीओ (एफएफपीओ) को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। विभागीय सचिव व मत्स्य निदेशक ने बताया कि पीएमएमएसवाई में झारखंड ने मत्स्य पालन में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

कोडरमा स्टेशन पर गांजा तस्करी का भंडाफोड़:युवक से 52 हजार का गांजा बरामद

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने ऑपरेशन नारकोस के तहत एक युवक को 5 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में 22 मई को स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर एक व्यक्ति पिट्ठू बैग के साथ संदिग्ध हालत में घूमता दिखा। पूछताछ में उसने अपना नाम संतोष कुमार (27) बताया। वह बिहार का रहने वाला है। उसके बैग की जांच में 5 पैकेट में गांजा मिला। संतोष कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस से गया जाने वाला था। आरपीएफ ने उसे पोस्ट पर ले जाकर एसडीओ कोडरमा को सूचित किया। 23 मई को दंडाधिकारी मनोज कुमार रवि की मौजूदगी में आरोपी ने गांजा की पुष्टि की। बरामद गांजे का कुल वजन 5 किलो 262 ग्राम है, जिसकी कीमत लगभग 52,500 रुपए आंकी गई है। गवाहों की मौजूदगी में जब्ती सूची बनाकर आरोपी को जीआरपी कोडरमा के हवाले कर दिया गया है। जीआरपी मामला दर्ज करने की कार्रवाई कर रही है।

लातेहार में मारे गए दो खूंखार नक्सली, एक पर 10 तो दूसरे पर था 5 लाख रुपये का इनाम

रांची, एजेंसी। झारखंड के लातेहार से एक बड़ी खबर सामने आई है। सुरक्षा बलों ने शनिवार को झारखंड के लातेहार जिले में नक्सली संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद के दो खूंखार नक्सलियों को ढेर कर दिया है। बताया जा रहा है कि जिन नक्सलियों को मारा गया है, उनमें एक पर 10 लाख रुपये और दूसरे पर 5 लाख रुपये का इनाम था। सूत्रों के मुताबिक, एक और खूंखार नक्सली सुरक्षाबलों फायरिंग में घायल हो गया है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके पास से एक इंसास राइफल बरामद की गई है।बताया जा रहा है कि सुरक्षा बलों ने झारखंड के लातेहार जिले में 10 लाख रुपये के इनाम वाले पप्पू लोहारा और 5 लाख रुपये के इनाम वाले प्रभात गंझू को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि दोनों झारखंड जन मुक्ति परिषद के खूंखार नक्सली संगठन के नेता थे। ऑपरेशन अभी भी जारी है।

वन माफिया से लड़कर जंगल बचाया, लोगों ने नाम दिया 'लेडी टार्जन'

रांची, एजेंसी। कहते हैं 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती और संकल्प लेकर चलने वालों को मंजिल तक पहुंचने से कोई रोक नहीं सकता'। चाकुलिया की 45 वर्षीय लेडी टार्जन के रूप में मशहूर पद्मश्री जमुना टुडू के बारे में यह कहना सटीक है। बेहद साधारण पृष्ठभूमि की इस घरेलू महिला ने किस प्रकार दृढ़ संकल्प के बूते वन सुरक्षा का संकल्प लिया और तमाम विपरीत परिस्थितियों से लड़ते हुए अपने मिशन को अंजाम तक पहुंचाया।

इस क्रम में हालांकि लकड़ी माफिया की ओर से पहले जमुना टुडू और उसके परिवार वालों को धमकी दी गई, उससे भी बात नहीं बनी तो व्यक्तिगत तौर पर जानलेवा हमला करवाया गया। कोकपाडा रेलवे स्टेशन के समीप जमुना को मारकर लहूलुहान कर दिया गया। इससे पहले जमुना के घर मुटुरखाम में भीषण डकैती हुई, घर के सारे कीमती सामान लूट लिए। पर जमुना ने हिम्मत नहीं हारी। मात्र 18 साल की उम्र में नव ब्याहता जमुना ने ससुराल के आसपास की घरों की पांच महिलाओं के साथ मिलकर 1998 में वन सुरक्षा समिति की नींव रखी।

समिति से जुड़ी महिलाओं ने न केवल जंगलों की सुरक्षा का संकल्प लिया बल्कि काटे गए पेड़ों की जगह पौधारोपण का काम भी शुरू कर दिया। 27 साल के सफर में 45 वर्षीय जमुना के साथ आज 500 से अधिक जंगल सुरक्षा समिति का नेटवर्क है। हर समिति में कम से कम 30 महिलाएं हैं जो अपने साथ बांस, लाठी-डंडा, भाला, कटारी व धनुष-बाण रखती हैं, और जंगलों में समय-समय पर गश्त भी करती रहती हैं। इन महिलाओं की एकजुटता का ही नतीजा है कि चाकुलिया व आसपास के इलाकों में वीरान होने की कगार पर जा रहे जंगल आज हरे-भरे दिख रहे हैं। जमुना के इस अनवरत प्रयासों को देखते हुए 2019 में उन्हें देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया। वहीं 2014 में गॉडफ्रे फिलिप्स बहादुरी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। स्थानीय लोग उन्हें प्यार से 'लेडी टार्जन' कहते हैं।

जमुना संग आज 10 हजार से अधिक महिलाएं हैं जो लाठी-डंडा, भाला, कटारी व धनुष-बाण के साथ जंगलों की सुरक्षा में जुटीं हैं। जमुना का जन्म 19 दिसंबर 1980 को ओडिशा के रायरंगपुर में हुआ। पैतृक गांव मयूरभंज में है। 18 साल की उम्र में पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया के मुटुरखाम निवासी मानसिंह टुडू के साथ शादी हुई। ससुराल आई तो अगले ही दिन उन्हें घर के पीछे मौजूद पहाड़ पर जंगल दिखाने महिलाएं ले गईं। बड़े पैमाने पर वनों के विनाश को देख वह हैरान रह गईं। इसके अलावा आदिवासी परंपरा के मुताबिक वहां लोग अपनी जरूरत के लिए इसी पहाड़ से पेड़ काटकर उसकी लकड़ी का इस्तेमाल घरों में करते थे। महिलाओं को भी जंगल से लकड़ी काट कर लाना होता था।

जमुना से भी ऐसा करने को कहा गया। इसने जमुना के मन को व्यथित कर दिया। जमुना ने पहले तो इसका विरोध किया। फिर ससुराल वालों को समझाया कि पहाड़ यदि हरा-भरा रहा तो आजीवन हमें सुख और शांति मिलेगी। फिर गांव वालों को भी इस बाबत समझाया। इसके बाद गांव की महिलाओं के साथ हाथ में कटारी और कुल्हाड़ी लेकर जमुना जंगल की रक्षा करने लगी। हालत यह हो गई कि माफिया के पेड़ काटने की आवाज सुनते ही महिलाओं का झुंड पहाड़ की ओर दौड़ पड़ता था। कई बार माफिया से आमने-सामने की मुठभेड़ भी हुई। जंगलों को बचाने के लिए जमुना के रौद्र रूप के कारण उन्हें लेडी टार्जन के नाम से जाना जाने लगा। चाकुलिया वन विभाग का भी सहयोग मिला। जमुना पेड़-पौधों से रिश्ता जोड़ने के लिए भी लोगों को प्रेरित करती हैं। हर वर्ष रक्षाबंधन पर पेड़-पौधों को भाई मान राखी बांधती हैं और उन्हें बचाने का संकल्प खुद लेती और दूसरों को दिलाती हैं।

कोडरमा घाटी में रिफाइन तेल टैंकर पलटा, ग्रामीणों में तेल लूटने की मची होड़

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा घाटी स्थित बन्दरचुआं के पास शनिवार की सुबह रिफाइन तेल से भरा एक टैंकर पलट गया। जिससे रांची-पटना मेन रोड में परिचालन बाधित हो गया। बताया जा रहा है कि उक्त टैंकर हल्दिया (पश्चिम बंगाल) से रिफाइन लोड कर कोडरमा होते हुए बिहार के रास्ते नेपाल की ओर जा रहा था। इसी बीच कोडरमा घाटी के बन्दरचुआं के समीप टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गया। टैंकर के पलटते ही उसमें लोड रिफाइन सड़कों पर बहने लगा।इधर घटना के बाद आसपास के लोग वहां इकट्ठा हो गए। जैसे ही उनलोगों की नजर टैंकर से बहते हुए तेल पर पड़ी वे लोग अपने-अपने घरों की ओर दौड़े और घरों से बाल्टी, डब्बा या जो भी बर्तन मिला उसे लेकर सरपट घटनास्थल पर पहुंच गए। टैंकर से बह रहे तेल को लूटने में लग गए। इधर इस दुर्घटना के बाद रांची-पटना मुख्य मार्ग पर आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। इधर घटना की जानकारी मिलते ही कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने वहां पर पुलिस बल को भेज दिया।कोडरमा थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि टैंकर से तेल का रिसाव सड़क पर होने के कारण कई छोटी गाड़ियां उस पर फिसल जा रही हैं। आवागम फिलहाल पूरी तरह से बाधित है। पुलिसबल को क्रेन लेकर भेज दिया गया है। जल्द ही टैंकर को मुख्य मार्ग से हटाकर वाहनों के आवागमन को फिर से सुचारू रूप से चालू कर दिया जाएगा।

ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय और सीएमपीडीआई के बीच हुआ एमओयू

रांची, एजेंसी। ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सीएमपीडीआई और हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय डीजीएच ने शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत दोनों संस्थान गैर-परंपरागत हाइड्रोकार्बन संसाधनों पर विशेष ध्यान देने के साथ डेटा साझाकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के क्षेत्रों में सहयोग करेंगे।

हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय डीजीएच की महानिदेशक डॉ पल्लवी जैन गोविल एवं सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार की उपस्थिति में डीजीएच के एडीजी डेवलपमेंट सचिव कुमार एवं सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक बिजनेस डेवलपमेंट आरके अमर ने समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक शंकर नागाचारी, निदेशक अजय कुमार, सीएमपीडीआई और डीजीएच के वरिष्ठ अधिकारी, ओएनजीसी, आईओसीएल, सीबीएम ऑपरेटर्स और शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दो प्रमुख संस्थानों के बीच डेटा साझाकरण, तकनीकी विशेषज्ञता और शोध अंतर्दृष्टि रिसर्च इन्साइट्स के पारस्परिक आदान-प्रदान के लिए एक रूपरेखा स्थापित करना है। इस रणनीतिक साझेदारी से कोल बेड मिथेन (सीबीएम), शेल गैस और अन्य गैर-परंपरागत स्रोतों जैसे संसाधनों की खोज एवं विकास में भारत की क्षमताओं को मजबूत करना है। सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार ने सीबीएम, शेल गैस और अन्य गैर-परंपरागत हाइड्रोकार्बन के विकास के लिए सीएमपीडीआई के कार्य के बारे में जानकारी दी।

पढ़ाई के साथ सेहत का भी पाठ पढ़ाएंगे शिक्षक सरकारी स्कूलों में दो दिनों में योगाभ्यास अनिवार्य

रांची, एजेंसी। सरकारी स्कूलों में प्रत्येक सप्ताह बुधवार और शनिवार को अनिवार्य रूप से बच्चों को योगाभ्यास कराया जाएगा। इसे लेकर स्कूलों में योग क्लब का गठन किया जाएगा। दूसरी तरफ, इस वर्ष इंटरनेशनल योग दिवस (21 जून) पर सरकारी स्कूलों में योगाभ्यास को लेकर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इन कार्यक्रमों को लेकर सभी जिलों को दिशा-निर्देश जारी कर दिया गया है। योग के प्रति छात्रों को जागरूक करने तथा इसे छात्रों की दिनचर्या में शामिल करने के उद्देश्य से स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देश पर झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा योगमय झारखंड 2025-26 कार्यक्रम शुरू किया गया है।

इसके तहत राज्यस्तरीय योग ओलिंपियाड का आयोजन 20 मई को किया गया। इसी कड़ी में 29 मई से 12 जून तक राज्यस्तरीय योग ओलिंपियाड के चयनित प्रतिभागियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद प्रतिभागी कन्याकुमारी (तमिलनाडु) में 15 जून से 18 जून तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय योग ओलिंपियाड में भाग लेंगे।

इधर,11 जून को राज्य के सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में सामूहिक सूर्य नमस्कार होगा। इसमें लाखों विद्यार्थी एक साथ अपने अपने विद्यालयों में एक ही समय पर सूर्य नमस्कार कर इतिहास रचेंगे। यह सूर्य नमस्कार कार्यक्रम सुबह 7.15 से आठ बजे तक होगा। इसके साथ ही छात्र योग प्रोटोकाल अभ्यास भी करेंगे, जिसमें कुल 32 योगाभ्यास शामिल है।

12 जून को सभी सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में योग क्लब का गठन किया जाएगा, जिसमें सात सदस्य होंगे। प्रधानाध्यापक इसके अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा के शिक्षक सचिव, बाल संसद के प्रधानमंत्री, खेल मंत्री और स्वास्थ्य मंत्री सदस्य के अलावा योग के प्रति रूचि रखने वाले दो अन्य छात्र इसके सदस्य होंगे।

योग क्लब की जिम्मेदारियों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों को विद्यालय स्तर पर बेहतर तरीके से संपन्न कराना, हर सप्ताह के बुधवार और शनिवार को योगाभ्यास कराना, प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को विद्यालय स्तर पर योग प्रतियोगिता का आयोजन कराना सम्मिलित होगा।

इंटरनेशनल योग दिवस के अवसर पर सभी स्कूलों में योग आधारित प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें विद्यालय स्तर पर पेंटिंग, निबंध और क्विज प्रतियोगिताएं होंगी।

इंस्टाग्राम से कुरान शरीफ मंगाना युवक को पड़ा भारी, ठगों ने खाते से उड़ाए 85 हजार रुपये

गिरिडीह, एजेंसी। इस्लाम धर्म के पवित्र ग्रंथ कुरान शरीफ को हैदराबाद से मंगाने के लिए ऑनलाइन आर्डर करने वाले शख्स को यह आर्डर महंगा पड़ा और साइबर ठगों ने अपने बुने जाल में फांसते हुए उसके खाते से पलक झपकते ही 85,300 रुपये उड़ा लिए।

पीड़ित युवक इमामुल अंसारी बगोदर थाना क्षेत्र के डोरियो गांव का रहने वाला है। उसने इसकी एनसीसीआरपी पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत करने के बाद साइबर थाने में आवेदन देकर गुहार लगाई है। उसने बताया कि साइबर ठगों ने उसे एक लिंक भेजकर अपने घर का पता अपडेट करने को बोला और जैसे ही उसने लिंक को अपडेट किया, उसके खाते से 85,300 रुपये गायब हो गए।

यह रकम फिलिपींस करेंसी के रूप में टपाई गई। फिलिपींस करेंसी के रूप में इसका 55,200 रुपये मूल्य है, जबकि उसकी भारतीय करेंसी में 85,300 रुपये मूल्य है। पवित्र ग्रंथ कुरान शरीफ तो घर पर आया नहीं, लेकिन ठगों ने अपनी करतूत दिखा दी।

इंटरनेट मीडिया इंस्टाग्राम पर आने वाले ऑनलाइन खरीदारी के लिंक पर पवित्र कुरान शरीफ के लिए पहले उसमें दिए गए नंबर पर संपर्क किया। इसके बाद कुरान शरीफ का आर्डर किया। दूसरी ओर से बात करने वाले ने इमामुल को कोई भी लिंक टच करने के लिए एहतियातन मना किया था, लेकिन उसके ही बुने जाल में वह फंस गया। पीड़ित के वाट्सएप नंबर पर इंडियन पोस्टल का एक लिंक भेजा गया और घर का पता अपडेट नहीं रहने का हवाला देते हुए आर्डर की प्राप्ति के लिए पता अपडेट करने बोला गया। अपडेट करने के बाद खाते से राशि टपा ली गई।

ठगों ने पता अपडेट करने के लिए जो लिंक भेजा उसे अपडेट करने के एवज में 25 रुपये का चार्ज कटने की बात कही। इसके बाद पीड़ित ने लिंक खोलकर उसमें एटीएम कार्ड होल्डर का नाम, कार्ड का नंबर, कार्ड की वैधता व पिन नंबर डाला। इसके बाद जन्मतिथि डालने के लिए कहा तथा ओटीपी आने पर उसे भी डालने के लिए बताया गया। इतना करने के बाद खाते में पड़ी राशि साफ हो गई।

ठगों ने पीड़ित को जो लिंक भेजा था, वह लिंक इंडियन पोस्टल का बनाया हुआ था। इसमें इंडिया पोस्ट का लोगो भी लगा हुआ था जिससे पीड़ित को विश्वास हो गया था कि वह डाक के लिंक से अपडेट कर रहा है।

इमामुल ने बताया कि घर में दो-दो सदस्यों को पैरालाइसिस अटैक कर गया है जिससे वे बीमार रहते हैं। उनके इलाज के लिए कब पैसे की जरूरत पड़ जाए, इसी को ध्यान में रखकर खाते में उक्त राशि को जमा कर रखे थे ताकि समय पर इलाज में काम आ सके, लेकिन किन ठगों ने झांसा देकर चपत लगा दी।

गुमला में रोड एक्सीडेंट, दो की मौत:बसिया में अलग-अलग हादसे में हुई घटना

गुमला, एजेंसी। गुमला जिले के बसिया प्रखंड में शुक्रवार को अलग-अलग दो हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। पहली घटना में दो बाइक की टक्कर में एक किशोर की जान चली गई। वहीं, दूसरी घटना में पिकअप वैन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कामडारा के बानपुर डेम्बू टोली निवासी कृष्णा मुंडा (16) और बसिया प्रखंड के मोरिंग गांव के रहने वाले रामू राम के रूप में की गई।

पहली घटना बसिया थाना क्षेत्र के कलिगा गांव में हुई। कृष्णा मुंडा अपने दो साथियों के साथ बाइक से साकिया गांव जा रहा था। उसके साथ पारही चंगाबारी निवासी कर्मा भेंगरा (18) और समीर मुंडा (18) थे। कलिगा गांव के पास उनकी बाइक की टक्कर सामने से आ रही दूसरी बाइक से हो गई।

दूसरी बाइक पर बड़गी टोली तमड़ा, सिमडेगा निवासी श्याम तिर्की (23) और अरबिंद किंडो (20) सवार थे। हादसे में बाइक चला रहे कृष्णा मुंडा की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से बसिया रेफरल अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद समीर मुंडा, श्याम तिर्की और अरविन्द किंडो को गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

वहीं, दूसरी घटना बसिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत पौतरा गांव की है। जहां एक बाइक सवार को तेज रफ्तार पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी। इसके कारण बाइक सवार रामू राम की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। आक्रोशित ग्रामीणों ने पिकअप के चालक से मारपीट की और वाहन में तोड़फोड़ भी किया। इस दौरान ग्रामीणों ने रांची-सिमडेगा मुख्य पथ को जाम कर दिया।

कुछ दिनों में ही जरूरत की सभी दवाइयां रिम्स में उपलब्ध हो जाएंगी

रांची, एजेंसी। रिम्स राज्य का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां लोग इस भरोसे से इलाज कराने आते हैं कि उन्हें न सिर्फ इलाज अच्छा मिलेगा, बल्कि दवाएं भी बेहतर मिलेंगी। लेकिन सच्चाई इससे परे है। सच यह है कि रिम्स के स्टॉक में पिछले कुछ महीनों से दवाओं का टोटा चल रहा है। महंगी व गंभीर दवाओं की अनुपलब्धता तो अलग है, छोटी-छोटी परेशानियों में काम आनेवाली दवाएं भी आउट ऑफ स्टॉक हैं। यह जानकर हैरानी होगी कि स्टॉक रिपोर्ट में दस्त के लिए इस्तेमाल की जाने वाली दवा जिंक, गैस से निजात दिलाने में इस्तेमाल होने वाली पैन-40 की इंजेक्शन समेत 142 तरह की दवाओं की सूची में से 52 दवाएं उपलब्ध नहीं नहीं हैं।

एलर्जी में काम आनेवाली फेनिरामाइन मैलेट इंजेक्शन, इंफेक्शन व निमोनिया आदि में कारगर मामूली शुल्क की दवा लिवोफ्लोक्सासिन आईवी, एंटीबायोटिक कैप्सूल एमॉक्सीसिलिन 500 एमजी, जोड़ों में दर्द की टैबलेट ओलूमिएंट 4-एमजी समेत काफी दवाइयां स्टॉक में नहीं हैं। नतीजतन रिम्स में भर्ती होने वाले मरीज ये सभी दवाएं बाहर निजी दवा दुकान से खरीदने को विवश हैं। ट्ररिम्स के स्टॉक में कुछ दवाएं उपलब्ध नहीं है, जिसकी खरीद प्रक्रिया में है। ऑर्डर किया जा चुका है। लेकिन सूची की कुछ दवाएं स्टॉक में उपलब्ध हैं। कुछ दिनों के भीतर ही जरूरत की सभी दवाएं उपलब्ध होंगी।

डॉ. राजीव रंजन, पीआरओ, रिम्स।

दवाओं और सर्जिकल आइटम्स की कमी के कारण लगभग सभी विभागों से रिम्स के स्टोर में मांग पत्र भेजा गया है। जिसमें संबंधित विभागों में कितने तरह की दवाएं व सर्जिकल सामग्री की आवश्यकता है, इसकी जानकारी दी गई है। न्यू ट्रॉमा सेंटर के स्टोर की स्थिति भी दयनीय है। यहां भी दवाओं की कमी तो है ही, सर्जिकल आइटम भी उपलब्ध नहीं हैं। यूरीन कलेक्शन बैग, टीपीएन चैंबर बैग, अंबु बैग, डिस्पोजेबल सीरिंज, वेंटिलेटर सर्किट समेत नाक से खाना खिलाने के लिए लगाया जाने वाला राइल्स ट्यूब भी नहीं है। इसके अलावा मरीजों के ट्रीटमेंट की जानकारी लिखने के लिए ट्रीटमेंट चार्ट भी खत्म है।

1. टैबलेट सेराटियोपेप्टाइडेन डायक्लोफेन सोडियम 2. टैबलेट आइवरमेक्टिन 3. टैबलेट ओलुमिएंट 4 एमजी 4. टैबलेट जिंक 5. कैप्सूल एमोक्सिसिलिन 500 एमजी 6. टैबलेट मोंटेलुकास्ट लेवोसेट्रीजिन 7. टैबलेट एसेटाइलसिस्टीन 600 एमजी 8. इंजेक्शन ऑक्सालिप्लाटिन 100 एमजी 9. इंजेक्शन पैक्लिटैक्सेल 10. इंजेक्शन पैंटोप्रेज़ोल 40 एमजी 11. इंजेक्शन फेनेरामिन मालेएट 2 एमएल 12. इंजेक्शन पिपरासिलिन टैजोबैक्टम 4.5 एमजी 13. इंजेक्शन प्रोपोफोल 20 एमएल 14. इंट्रावीनस लेवोफ्लॉक्सासिन 15. इंजेक्शन रेनिटिडिन 2 एमएल 16. इंट्रावीनस नार्मल सलाइन 3 लीटर (सूची में कुल 142 तरह की दवाएं है, इनमें 52 तरह की दवा की मात्रा शून्य है।)

कैंसर पीड़ित टाटा स्टील के मैनेजर ने पत्नी-बेटियों संग की आत्महत्या, मौके से नहीं मिला कोई सुसाइड नोट

गम्हरिया, एजेंसी। झारखंड के जमशेदपुर से सटे सरायकेला खरसावां जिले के गम्हरिया में टाटा स्टील के मैनेजर 40 वर्षीय कृष्ण कुमार ने अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

घटना की जानकारी होने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। शुक्रवार शाम घर का दरवाजा तोड़ चारो लोगों के शव निकाले गए।

पड़ोसियों के अनुसार, कृष्ण कुमार कैंसर के साथ अवसाद से भी पीड़ित थे। वह टाटा स्टील लांग प्रोडक्ट्स के मुख्य कार्यालय में सीनियर मैनेजर के पद पर कार्यरत थे और गम्हरिया के चित्रगुप्त नगर में अपने परिवार के साथ रहते थे। माना जा रहा है कि घर के सभी सदस्यों ने गुरुवार रात को आत्महत्या की।

पड़ोसियों को घटना की जानकारी शुक्रवार शाम में हुई, जब कृष्ण कुमार के घर से अचानक तेज दुर्गंध बाहर आने लगी। आसपास रहने वालों को शक हुआ, क्योंकि घर का दरवाजा सुबह से बंद था और कोई हलचल नहीं थी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो देखा कि भीतर चारो के शव एक ही कमरे में अलग-अलग फंदे से झूल रहे थे। मौके से पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। कृष्ण कुमार की पत्नी डाली देवी 35 वर्ष की थीं, जबकि बड़ी बेटी पिंकी 15 वर्ष की और छोटी बेटी मंइयां सात वर्ष की थी।

पड़ोसियों के मुताबिक, गुरुवार की शाम तक परिवार को मुहल्ले में देखा गया था। बच्चियां खेल रही थीं और माता-पिता दोनों सामान्य दिख रहे थे। किसी ने सोचा भी नहीं था कि वह आत्महत्या कर लेंगे।

सामूहिक आत्महत्या की इस घटना को लेकर कई सवाल भी उठ रहे हैं। परिवार के सभी लोगों ने एक साथ सहमति से जान दे दी या मौत की वजह और परिस्थितियां अलग थी, इसे लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। पत्नी और बच्चियों ने स्वयं ही जान दी या उन्हें मारा गया, यह भी अभी साफ नहीं है।

पुलिस इनसवालों के जवाब ढूंढने में लगी है। शुक्रवार रात जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो कमरा भीतर से बंद मिला। दरवाजा तोड़ने के बाद ही सब कुछ सामने आया। चारों के शव लटके हुए थे, लेकिन अभी तक कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। ऐसे में पुलिस आत्महत्या की आशंका को मजबूत मान रही है, लेकिन कारणों की तलाश जारी है।

पिता सविंद्र तिवारी ने बताया कि बेटा कृष्ण कुमार कैंसर से पीड़ित था। बहू डोली देवी के आग्रह पर वे उसे इलाज के लिए मुंबई ले गए थे। वहां डॉक्टरों ने कीमोथेरेपी की सलाह दी। कहा गया कि यह सुविधा जमशेदपुर में भी है। इसके बाद वह फ्लाइट से बेटे को वापस लेकर आए थे। यहां अस्पताल में भर्ती कराने की प्रक्रिया चल रही थी।

सुभाषितम्

दुःख का कारण हमारी चित्तवृत्तिओं का प्रभाव ही है।

- भगवान श्री कृष्ण

संरक्षित धन का मूल्यांकन कर, रिजर्व बैंक से डिविडेंड वसूल कर रही है, सरकार?

केंद्र सरकार ने एक बार फिर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से 2.69 लाख करोड़ रुपये का ऐतिहासिक डिविडेंड वसूल किया है। यह अब तक की सबसे बडी डिविडेंड की राशि है जिसका ट्रांसफर रिजर्व बैंक सरकार को कर रहा है। रिजर्व बैंक में जमा सोने का भंडार और विदेशी मुद्रा की कीमत बढ़ जाने से सरकार ने इसे रिजर्व बैंक का मुनाफा मान लिया है। सवाल यह है, यह डिविडेंड रिजर्व बैंक का असल लाभ का नतीजा है,या बाजार में कीमत बढ़ने से सोने एवं विदेशी मुद्रा भंडार का जो मूल्यांकन बढ़ा है। बाजार में सोने और डॉलर की कीमत चढ़ती और उतरती रहती है। आज जो मुनाफा दिख रहा है। कल वह घाटे में भी बदल सकता है। सरकार ने मूल्य वृद्धि को मुनाफा मानकर अपना डिवीडेंड रिजर्व बैंक से ले लिया। भविष्य में यदि घाटा होगा, तो नुकसान रिजर्व बैंक का होगा। रिजर्व बैंक कोई कंपनी नहीं है। रिजर्व बैंक कोई व्यापार भी नहीं करता है। एक नियामक संस्था है, उसके पास जो संपत्तियाँ हैं। जैसे विदेशी मुद्रा भंडार, सोने का भंडार वह किसी व्यापार या विक्रय की कमाई से नहीं आया है। बाजार में मूल्य परिवर्तन से उसका मूल्यांकन बाजार के रूप में होता है। रिजर्व बैंक में जमा सोना और विदेशी मुद्रा भंडार से अंतरराष्ट्रीय साख बनती है। उसी साख के आधार पर वैश्विक संस्थाओं द्वारा रिजर्व बैंक की आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन किया जाता है। रिजर्व बैंक में जमा गोल्ड रिजर्व की वैल्यू पिछले साल $80 बिलियन थी। जो इस साल बढ़कर $100 बिलियन हो गई। सोने की सिर्फ कागज पर कीमत बढ़ी है। सोने की बिक्री नहीं हुई है। रिजर्व बैंक में जमा डॉलर की वैल्यू बढ़ी है। रुपये के मुकाबले 78-79 से बढ़कर 85-86 रुपया डॉलर का मूल्य हो गया है। जिससे विदेशी मुद्रा भंडार की वैल्यू कागज पर बढ़ी है। इस बढ़े हुए मूल्य को केंद्र सरकार ने मुनाफा मानकर रिजर्व बैंक से डिविडेंड मांग लिया। वास्तव में रिजर्व बैंक की बैलेंस शीट का वर्तमान प्रचलित मूल्य पर यह री-वैल्यूएशन है। जिसे सरकार मुनाफा मान रही है। रिजर्व बैंक का जमा यह फंड भविष्य के संकटों, मुद्रा स्थिरता और बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा के लिए रिजर्व बैंक के पास अभी तक सुरक्षित रहता आया है। केंद्र सरकार की यह प्रवृत्ति चिंताजनक है। केंद्र सरकार द्वारा रिजर्व बैंक से डिविडेंड लेने के नए-नए तरीके अपनाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के इस नियम के कारण रिजर्व बैंक की स्वतंत्रता और दीर्घकालिक आर्थिक स्थितियों के संतुलन की स्थिरता पर असर पड़ना तय है। सोचने की बात यह है, जब सरकार रिजर्व बैंक से इतना बड़ा डिविडेंड ले रही है। ऐसी स्थिति में पेट्रोल-डीजल पर करों के जरिए जनता से 4 लाख करोड़ रुपये की वसूली क्यों की जा रही है। कागजी लाभ को मुनाफा कब से माना जाने लगा। आम आदमियों के ऊपर भी क्या इसी तरीके से लाभ मानकर टैक्स लगाया जा सकता है। पिछले एक दशक से केंद्र सरकार टेक्स के रूप में भारी राजस्व एकत्रित कर रही है ऐसी स्थिति में क्या आम नागरिक को टैक्स से राहत नहीं मिलनी चाहिए। सरकार को, रिजर्व बैंक की जो आय दिख रही है। वह काल्पनिक मुनाफा है। मूल्य गिरने पर इसके पीछे का घाटा रिजर्व बैंक का जोखिम है। वित्तीय स्वायत्तता, मौद्रिक नीति की निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कैसे रिजर्व बैंक पर बना रहेगा। केंद्र सरकार द्वारा रिजर्व बैंक के खजाने की यह एक ऐसी लूट है। जो दिखती नहीं है, लेकिन देश की आर्थिक रीढ़ को लगातार कमजोर कर रही है। रिजर्व बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा संवैधानिक निकाय है। रिजर्व बैंक को सारी दुनिया में मान्यता मिलती है। भारत की बैंकिंग प्रणाली और सरकार की आर्थिक हालात का प्रतिबिंब रिजर्व बैंक है। कारोबार के जरिए तथा विदेशी मुद्रा के नियंत्रण को लेकर जो मुद्रा रिजर्व बैंक पास जमा रहती है। उसी से देश की अर्थव्यवस्था का संचालन भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होता है। जिस तरह से केंद्र सरकार रिजर्व बैंक से डिविडेंड वसूल कर रही है। आगे चलकर आम नागरिकों और कंपनियों से भी सालाना मूल्यांकन करके सरकार इसी तरह का टैक्स वसूल करने की तैयारी तो नहीं कर रही है। अभी तक औद्योगिक संस्थान बैंक से लोन लेने के लिए अपनी संपत्तियों का मूल्यांकन कराकर वित्तीय संस्थानों से लोन लेने के लिए पुर्न मूल्यांकन का उपयोग करते थे।

चिंतन-मनन

संतोष का मार्ग

एक ऋषि अपने शिष्य कपिल के साथ श्रावस्ती नरेश के पास गए। ऋषि से मिलकर नरेश प्रसन्न हुए और उनके आदर-सत्कार में लग गए। इधर कपिल एक सेविका के रूप पर मुग्ध हो गया। उस सेविका ने कपिल से विवाह करने से पहले महंगे कपड़े और गहने मांगे। कपिल यह सब देने में असमर्थ था। सेविका ने इसकी व्यवस्था का तरीका बताते हुए कहा कि जो श्रावस्ती नरेश का प्रातःकाल सर्वप्रथम अभिवादन करता है, उसे वे दो स्वर्ण मुद्राएं प्रदान करते है। कपिल रात बीतने के पहले ही नरेश के शयनकक्ष में घुसने लगा मगर चोर समझकर द्वारपालों ने उसे पकड़ लिया। नरेश के सामने उसने सब बातें सच-सच कह दीं। उसके भोलेपन पर प्रसन्न हो नरेश ने उसकी मुंहमांगी चीज देने का वचन दिया। कपिल ने एक दिन का समय मांगा। सोचने लगा, दो स्वर्ण मुद्राएं तो कम हैं, क्यों न सौ मांग लूं, पर वे भी कितने दिन चलेंगी। उसने पूरा राज्य ही मांग लिया। श्रावस्ती नरेश निःसंतान थे, उन्हें योग्य व्यक्ति की तलाश भी थी। उन्हें कपिल योग्य लगा। वह बोले- तुमने मेरा उद्धार कर दिया। मैं तृष्णा रूपी सर्पिणी के पाश से छूट गया। यह सुनकर कपिल का विवेक जाग्रत हो गया। वह बोला- महाराज, आप जिस दलदल से निकलना चाहते हैं, उसी में मैं गिरना नहीं चाहता। मुझे कुछ नहीं चाहिए। वह ऋषि के पास गया और उनसे सब कुछ कह डाला। ऋषि बोले- कामनाओं का कहीं अंत नहीं होता, इसलिए जितना अपने परिश्रम और ईश्वर कृपा से मिल जाए, उसी में प्रसन्न व संतुष्ट रहना चाहिए।

क्यों जनता भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढ़ोये?

- ललित गर्ग

विभिन्न राजनीतिक दलों, विभिन्न प्रांतों की सरकारों, विभिन्न गरीब कल्याण की योजनाओं, न्यायिक क्षेत्र एवं उच्च जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक, न्यायिक एवं प्रशासनिक मजबूरियां जी रहे हैं। ऐसा भी लगता है न्याय, राजनीति एवं प्रशासन की सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के द्वारा एक असामान्य घटनाक्रम के तहत भ्रष्टाचार के एक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के तीन अधिकारियों को उसी सीबीआई की हिरासत में भेज देना न केवल चिन्ताजनक एवं शर्मनाक है बल्कि विडम्बनापूर्ण है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बुगल बजाया हुए है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन सीबीआई जैसी जांच एजेन्सी में भ्रष्टाचार का पदार्पण होना इस सूरज को उदित होने से पहले ही अंधेरा की ओट में ले रहा है। इससे भी बड़ी त्रासद एवं निराशाजनक है गुजरात में 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में मंत्री बच्चू भाई खाबड़ के दो बेटों का गिरफ्तार होना। राजनीति एवं कार्यपालिका के साथ न्याय पालिका के क्षेत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकदी मिलना भ्रष्टाचार के सर्वत्र व्याप्त होने को दर्शा रहा है। जनता कब तक भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढ़ोती रहेगी। कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचारमुक्त आदर्श राष्ट्र-निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे? कैसे आजादी के अमृत काल में ईमानदार राष्ट्र बना पायेंगे?

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने 25 अप्रैल को सीबीआई के तीन अधिकारियों के भ्रष्टता पर अपने आदेश में कहा कि यह सीबीआई, ईडी और ऐसे अन्य विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार का अनूठा मामला है, जिसने हमारी कार्यपालिका और जांच तंत्र की पूरी संरचना को हिलाकर रख दिया है। इन एजेंसियों का प्राथमिक कर्तव्य अपराध की जांच करना और भ्रष्टाचार के दोषियों को सजा दिलाना है। लेकिन इन उच्च जांच एजेन्सियों के आला अधिकारी ही भ्रष्ट हो तो दूसरों के भ्रष्टाचार मामलों में निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण जांच की उम्मीद कैसे संभव है? सीबीआई-भ्रष्टाचार एकमात्र मामला नहीं है, बल्कि यह विभिन्न विभागों के अधिकारियों के बीच एक ह्वबड़ी साजिशह्व को दर्शाता है, जो अनुचित लाभ या प्रभाव डालने समेत इन विभागों के कामकाज में हस्तक्षेप करने के लिए रिश्वत के मामले को दर्शाता है। अब सर्वोच्च न्यायालय के जज भी ऐसे मामलों में लिप्त हो तो समस्या की गंभीरता को सहज ही समझा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में जस्टिस वर्मा केस एक दुर्लभ एवं संवेदनशील मौका है। अब इसकी वजह से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस न पहुंचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारियों को देश से साझा किया। साथ ही, उनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी सार्वजनिक किया। जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर किया गया और जांच कमिटी बनाकर उसकी रिपोर्ट सरकार व राष्ट्रपति के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गई है। यहां से अब गेंद सरकार और संसद के पाले में है। महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों को हटाया जा सकता है। लेकिन, आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया यानी वहां भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। अब अगर जस्टिस वर्मा का यह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहां भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। लेकिन विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है? ताकि जजों के भ्रष्टाचार की उचित सजा उनको मिल सके, ऐसी प्रक्रिया से ही न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना कर्तव्य भी निभा सके। भ्रष्टाचार की परतें अपराधियों एवं भ्रष्ट लोगों को बचाने तक ही सीमित नहीं है, अब तो यह गरीबों का निवाला भी छीन रही है। सरकार गरीबों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं, लेकिन बड़ा स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पातीं, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इस योजना की शुरुआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ दिन रोजगार मिल सकेगा और वे अपना भरण-पोषण कर सकेंगे मगर शुरूआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाम दर्ज कर काम देने की बड़ी चालबाजियां सामने आई थीं। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का ताना-बाना संबंधित महकमों में ही बुना जाता है। इसी का त्रासद उदाहरण गुजरात में मनरेगा के तहत फर्जी तरीके से कार्य निष्पादन के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की रकम भुना लेने का है। पुलिस ने इस मामले में अब तक ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें सड़क, बांध, पुलिया आदि निर्माण के लिए सामग्री मुहैया कराने का ठेका दिया गया था। इस घोटाले ने इसलिए तूल पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया है कि इसमें वहां के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार किया गया है। गुजरात ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों में भी मनरेगा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के किस्से उजागर हो रहे हैं। मुजफ्फरपुर में भी मनरेगा भ्रष्टाचार का शिकार हो गया है।

किस करवट बैठेगी बिहार की सियासत

- राधा रमण

आर्थिक तौर पर पिछड़ा माना जानेवाला बिहार राजनीतिक रूप से काफी जागरूक प्रदेश रहा है। 90 के दशक तक बिहार की सियासत कांग्रेस समर्थन और कांग्रेस विरोध पर टिकी थी। लेकिन 1990 की 10 मार्च को लालू प्रसाद यादव के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद से अब तक बिहार की राजनीति लालू समर्थन और लालू विरोध पर केंद्रित हो गई है। बहुचर्चित चारा घोटाले में मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने और जेल जाने से लेकर सजायाफ्ता होने के बावजूद लगभग 35 वर्षों से बिहार की सियासत में लालू एक बड़ा मुद्दा हैं। यहां तक कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पिछले 20 वर्षों से लालू समर्थन और लालू विरोध की लहर पर सवार होकर ही सत्ता सुख भोग रहे हैं।

भले ही चुनाव आयोग ने अभी तक बिहार में विधानसभा चुनाव की घोषणा नहीं की है, लेकिन नवंबर-दिसंबर में वहां विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं। बात राजनीतिक सरगर्मी की करें तो पिछले एक साल से सियासी दलों ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। पिछले करीब 16 वर्षों से बिहार की सत्ता में छोटे भाई की भूमिका का निर्वहन कर रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस बार येन केन प्रकारेण बिहार की सत्ता पर काबिज होने के लिए कमर कस चुकी है। बीते एक साल में शायद ही कोई हफ्ता होगा जब कोई केंद्रीय मंत्री बिहार में नहीं रहा होगा। हर हफ्ते राज्य में केंद्रीय मंत्रियों का दौरा लगा ही रहता है। इसके अलावा पहली बार राज्य सरकार में भाजपा के मंत्रियों की संख्या जनता दल (यूनाइटेड) के मंत्रियों की संख्या से ज्यादा है। यही नहीं, बीते एक साल में पांच बार प्रधानमंत्री बिहार का दौरा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री जब भी बिहार आते हैं हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात दे जाते हैं। हालांकि विपक्षी पार्टियां राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस प्रधानमंत्री की घोषणाओं को ढपोरशंखी बताते हुए कहते हैं कि उन्होंने साल 2015 के विधानसभा चुनाव के दौरान आरा में सवा लाख करोड़ की आर्थिक सहायता देने की बात कही थी, आज तक नहीं दिया।

बात बीते विधानसभा चुनाव की करें तो 2020 के चुनाव में 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में राष्ट्रीय जनता दल को सबसे अधिक 75 सीटें मिली थीं। दूसरे स्थान पर भारतीय जनता पार्टी रही जिसे 74 सीटों पर विजय मिली थी। बीते 20 वर्षों में सत्ता के लिए सबसे मुफीद रहे नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) को महज 43 सीटों पर संतोष करना पड़ा। इसी तरह कांग्रेस को 19, वाम दलों में भाकपा-2, माकपा-2 और भाकपा माले को 11, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन को 6, जीतनराम मांझी की हिन्दुस्तान अवाम मोर्चा को 4, बहुजन समाज पार्टी को 1, अपने को ह्वमोदी का हनुमानह्व बतानेवाले चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी को 1, निर्दलीय सुमित कुमार सिंह को 1 और शेष 4 सीटें अन्य क्षेत्रीय दलों को मिली थी। लेकिन समय के साथ ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के पांच और बसपा के 1 विधायक के पाला बदल लेने के कारण फिलहाल बिहार में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। फिलहाल उसके 80 , राजद के 77 और जनता दल (यू) के 45 विधायक हैं। इनमें राजद के 4 विधायक तो तकनीकी रूप से ही राजद में बने हुए हैं। हकीकत में वे सरकार के साथ हो लिये हैं। इसी तरह कांग्रेस के 2 विधायक भी अंदरखाने पाला बदल चुके हैं। नीतीश कुमार नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं। वह वर्ष 2000 में पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। हालांकि महज सात दिनों के लिए। इतनी बार और इतने लंबे समय तक मुख्यमंत्री बननेवाले वह बिहार के पहले राजनेता हैं। वैसे तो नीतीश की राजनीति लालू विरोध की रही है लेकिन इस दौर में दो बार 2013 और 2022 में वह राजद के समर्थन से भी मुख्यमंत्री बने हैं। इसीलिए तेजस्वी यादव उन्हें पलटू चाचा भी कहते हैं। चूंकि नीतीश के समर्थन के बिना बिहार में न तो भाजपा सत्ता की सीढ़ी तक पहुंचती है न ही राजद। इसलिए नीतीश दोनों दलों की मजबूरी हैं। कभी वह राजद के साथ मिलकर भाजपा को ढपोरशंखी और साम्प्रदायिक पार्टी बताते हैं तो कभी भाजपा से गलबहियां करके लालू के राज को जंगलराज बताकर लोगों से समर्थन मांग लेते हैं। सुविधा की सियासत के नीतीश माहिर खिलाड़ी हैं। बिहार की सियासत पर बारीक नजर रखनेवाले लोग बताते हैं कि नीतीश इस बार कठिन राजनीतिक चुनौती में फंस गए हैं। विधायकों की संख्या अधिक होने के कारण भाजपा इस बार स्वाभाविक तौर पर अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहेगी। दूसरे, इस चुनाव में नीतीश को भरे मन से चिराग की पार्टी के लिए भी प्रचार करना पड़ेगा। ज्ञात रहे कि 2020 के विधानसभा चुनाव में चिराग की लोजपा की वजह से ही नीतीश की जदयू को 78 से 43 सीटों पर सिमट जाना पड़ा था। नीतीश के लिए इस बार बड़ी चुनौती जनसुराज के संस्थापक और चुनाव लड़ानेह्वजितानेह्व में माहिर प्रशांत किशोर बनेंगे। प्रशांत किशोर (पीके) कभी जदयू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष थे। वह कई मौकों पर नीतीश कुमार ने यह खुलासा किया था कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कहने पर उन्होंने प्रशांत किशोर को पार्टी का उपाध्यक्ष बनाया था। अब पीके ने घोषणा की है कि उनकी पार्टी ह्वजनसुराजह्व राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पीके अपनी सभाओं में नीतीश और तेजस्वी पर ही निशाना साधते रहे हैं। इस बीच प्रशांत ने अपनी पार्टी ह्वजनसुराजह्व में पूर्व केंद्रीय मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके रामचंद्र प्रसाद सिंह (आरसीपी सिंह) की पार्टी ह्वआप सबकी आवाजह्व का विलय कराकर बड़ा दांव चल दिया है। रामचन्द्र प्रसाद सिंह भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी रहे हैं। वह नीतीश के गृह जिले नालंदा के ही मूल निवासी हैं और जाति से कुर्मी हैं। वे राजनीति में आने से पहले कई वर्षों तक बिहार के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रहे हैं। उन्हें नीतीश ही राजनीति में लेकर आये थे। कुछ वर्षों तक वे परोक्ष रूप से जदयू के फंड मैनेजर भी थे। बाद में खुश होकर नीतीश ने उन्हें राज्यसभा भेज दिया और पार्टी ही सौंप दी। मोदी -2 सरकार में रामचन्द्र प्रसाद सिंह इस्पात मंत्री थे। बाद में जदयू से अलग होने पर भाजपा में चले गए। अब चुनाव से ठीक पहले रामचन्द्र प्रसाद सिंह के भाजपा छोड़कर सक्रिय होने से जाहिर है नुकसान नीतीश का ही होगा। बिहार की राजनीति के जानकार पहले से ही ह्वजनसुराजह्व को भाजपा की बी टीम बताते रहे हैं। अब प्रशांत और आरसीपी दोनों के साथ आने से सबसे ज्यादा बेचैनी जदयू और उसके हितचिंतकों को ही है। तभी तो जदयू के मुख्य प्रवक्ता और वर्षों से नीतीश के साथी रहे नीरज कुमार पीके और आरसीपी दोनों को विषैला सांप बता रहे हैं। यही नहीं केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी भी दोनों को विषाणु और कीटाणु कह रहे हैं। फिलहाल कहना जल्दीबाजी होगी कि पीके और आरसीपी की सक्रियता और हाथ मिलाने से फायदा भाजपा को होगा या राजद का। लेकिन इतना तय है कि नुकसान नीतीश और जदयू का ही होगा।

लोकतंत्र का गला घोटता - ई वोटिंग

-संजय गोस्वामी

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के विशेष लाभों के बावजूद, इस सिस्टम में बहुत कमियाँ हैं। ई-वोटिंग सिस्टम में सुरक्षा,पारदर्शिता और सुगमता होनी चाहिए इसलिए ई-वोटिंग एक सर्वे की तरह है ना की वास्तविकमतदान मतदान जो फिजिकल होते हैं उसमें पोलिंग अफसर, चुनाव के प्रतिनिधि रहते हैं इलेक्शन अफसर या पोलिंग अफसर पहले उसकी पहचान सुनिश्चित करता है और गुप्त मतदान द्वारा ही वैलेट का बटन दबाया जाता है जो पेटी से ढका रहता है यदि उसके बदले कोई दूसरा डालने की कोशिश करे तो भी नहीं डालने देता है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम के नुकसानों पर सभी संबंधित पक्षों को ई-वोटिंग पर कोई भी यादच्छिक निर्णय लेने से पहले गंभीरता से विचार करना चाहिए।) हैकिंग की भेद्यताः चुनाव सुधार और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम की कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस के अनुसार, विक्रेता और चुनाव क्षेत्राधिकार आमतौर पर कहते हैं कि वे इंटरनेट के माध्यम से निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव परिणाम प्रसारित नहीं करते हैं, लेकिन वे उन्हें सीधे मॉडेम कनेक्शन या वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) के माध्यम से प्रसारित कर सकते हैं। हालाँकि, यह दृष्टिकोण भी इंटरनेट के माध्यम से हमले के अधीन हो सकता है, खासकर अगर एन्क्रिप्शन और सत्यापन पर्याप्त नहीं हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि टेलीफोन ट्रांसमिशन सिस्टम स्वयं इंटरनेट से तेजी से जुड़े हुए हैं और कंप्यूटर जिनसे रिसीविंग सर्वर जुड़ा हो सकता है, जैसे कि लोकल एरिया नेटवर्क (छअठ) के माध्यम से, इंटरनेट कनेक्शन हो सकते हैं।चुनावी धोखाधड़ी की संवेदनशीलता का मुद्दा है। मतदान धोखाधड़ी का प्रचलन संदर्भ और स्थान के अनुसार भिन्न होता है, और यह सार्वभौमिक रूप से हर जगह मौजूद या अनुपस्थित नहीं है। एक अन्य मुद्दा मतदाता सत्यापित पेपर ऑडिट ट्रेल्स (श्श्ढअळ) से संबंधित है। सभी पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली - जैसे टचस्क्रीन, डायरेक्ट रिकॉर्डिंग इलेक्ट्रॉनिक (ऊफए), या इंटरनेट-आधारित प्लेटफॉर्म - कंप्यूटर प्रौद्योगिकी के अंतर्निहित जोखिमों के अधीन हैं। इन जोखिमों में यह सत्यापित करने में असमर्थता शामिल है कि हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर के साथ छेड़छाड़ की गई है या जानबूझकर या अनजाने में परिणामों को बदलने के लिए उपयोग किया गया है। नोटेबल सॉफ्टवेयर की अध्यक्ष रेबेका मकुरी, पीएच.डी. के अनुसार, लोकतांत्रिक चुनावों में यह सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र सत्यापन की आवश्यकता होती है कि सभी वोट सही ढंग से दर्ज किए गए हैं और अंतिम टैली विश्वसनीय रूप से सत्यापन योग्य सामग्रियों से प्राप्त की गई है। मतदाता सत्यापित पेपर मतपत्र एक ऑडिट करने योग्य रिकॉर्ड प्रदान करते हैं, जिससे मतदाता यह पुष्टि कर सकते हैं कि उनके चयन को सही ढंग से कैप्चर किया गया है। ऐसे पेपर मतपत्रों के बिना, चुनाव परिणामों का स्वतंत्र किया जाना असंभव हो जाता है।

आज का राशिफल

मेष आज दिन करियर के मामले में अच्छा है। भाग्य आपका साथ देगा और आपको हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला आज लाभ होगा। आपको त्रिकोणीय व्यापारिक साझेदारी को पूरा करने में मदद मिलेगी।

वृषभ आज तरक्की के योग हैं। आपको कोई प्रस्ताव मिल सकता है, जिससे आपको लाभ होगा।

वृश्चिक आज दिन मिलाजुला फल देने वाला है। आपको सफलता का लाभ मिलेगा।

मिथुन आज करियर में लाभ होगा। आप कोई बड़ी परियोजना शुरू कर सकते हैं।

धनु करियर में लाभ होगा। आपको अपनी सेहत और वित्तीय संसाधनों पर ध्यान देने की जरूरत है।

कर्क आपकी तरक्की होगी। आपके धन में वृद्धि होगी और कारोबार में भाग्य का साथ मिलेगा।

मकर दिन लाभ और तरक्की से भरा होगा। आपको जीवन में कुछ कठिन दौर आ सकते हैं।

सिंह आज करियर में लाभ होगा। आपके रुके कार्य पूर्ण होने से मन में काफी खुशी रहेगी।

कुंभ आज दिन करियर के मामले में अच्छा है। आपने मन की सुनें। हर मामले में अतिवादी होने से बचें।

कन्या आज दिन शुभ है। आपको सहकर्मियों के सहयोग से कोई परियोजना पूरी करने में सफलता मिलेगी।

मीन आज दिन लाभ का है और आपको सुख समृद्धि प्राप्त होगी। जो उम्मीदें आपने लगा रखी हैं।

विशेष

नीति आयोग या अयोग्य निकाय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक तरफ शनिवार को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक हुई। दूसरी तरफ विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने नीति आयोग को लेकर ही तीखा हमला बोल दिया है। कांग्रेस ने नीति आयोग को ह्वअयोग्य निकायह्व करार देते हुए स्पष्टतः कह दिया है कि यह संस्थान सिर्फ पाखंड और भेदभाव बढ़ाने की कवायद बनकर रह गया है। दरअसल कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया के माध्यम से बैठक की वैधता और उसके उद्देश्यों पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना था कि नीति आयोग की यह बैठक उन मूल्यों के खिलाफ है, जिन पर भारत का निर्माण हुआ था। इसी के साथ उन्होंने एक तीखा सवाल करते हुए यहां तक कह दिया कि यह कैसा विकसित भारत होगा, अगर सत्ता में बैठे लोग ही देश के सामाजिक सद्भाव को अपने शब्दों और कर्मों से नष्ट करें?

हर कोने में पाकिस्तानी घुसपैठिये

पिछले कुछ सालों में पाकिस्तान की जासूसी करने के आरोप में अनेक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह बात सामान्य नहीं थी, लेकिन पहलगाम हमले के बाद जिस तरह से सीमा पार के घुसपैठियों और जासूसों की धरपकड़ की गई, वह वाकई चिंता का विषय बन गई है। ताजा मामले के अनुसार 23 मई की रात भारतीय सीमा में घुस रहे पाकिस्तानी घुसपैठिए को बीएसएफ ने मार गिराया है। सिक्योरिटी फोर्स ने इसकी जानकारी दी और बताया कि गुजरात के बनासकांठा जिले में जवानों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को इंटरनेशनल बॉर्डर पार करते देखा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1644 जहांगीर ने मेहरुन्निसा से निकाह किया था. 1845 कैंटन चीन में सिनेमा गृह में अग्निकांड से 670 लोग मरे. 1877 स्ट्रीमर एस.एस.सर जान नारिस उड़ीसा के पास समुद्र में 732 व्यक्तियों सहित डूब गया. 1886 क्रांतिकारी रास बिहारी बोस का जन्म हुआ था. 1899 कवि नजरूल इस्लाम का जन्म हुआ. 1924 बंगाल के प्रसिद्ध शिक्षा शास्त्री आशुतोष मुखर्जी का निधन हुआ. 1963 छह अफ्रीकी देशों ने अफ्रीकी एकता संगठन की स्थापना की. 1969 सूडान में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया. 1979 अमरीकी विमान दुर्घटना में शिकागो के हवाई अड्डे पर 272 यात्री मारे गए. 1983 नील नदी में एक यात्री जहाज में आग लगने से 194 यात्री मारे गए और 68 अन्य लापता हो गए.

दैनिक पंचांग

25 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	वृष में
चंद्र	मेष में
मंगल	कर्क में
बुध	वृष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	मीन में
शनि	मीन में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	06.41 बजे से
कर्क	08.54 बजे से
सिंह	11.10 बजे से
कन्या	13.22 बजे से
तुला	15.33 बजे से
वृश्चिक	17.48 ब.से
धनु	20.04 बजे से
मकर	22.09 बजे से
कुंभ	23.55 बजे से
मीन	01.28 बजे से
मेष	02.59 बजे से
वृष	04.39 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 145 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण
तिथि त्रयोदशी 15.52 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अश्विनी 11.12 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 11.06 बजे को समाप्त।
करण गर 05.38 बजे, वणिज 15.52 बजे तदनन्तर विष्टि 02.03 बजे रात् को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 57'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872355
जूलियन दिन 2460820.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्काद **तारीख** 26
विशेष मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक

रात का चौघड़िया	
शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
चर	08.41 से 10.14 बजे तक
रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

बहुत कुछ कहते हैं आपके फेसबुक स्टेटस

आपकी फेसबुक पोस्ट आपके जीवन का आईना है। आप कितना भी बचाओ, आपके स्टेटस आपके व्यक्तित्व और जीवन की चुगली कर ही देते हैं। शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक अध्ययन में बताया कि आपके फेसबुक अपडेट्स आपके बारे में बहुत कुछ कहते हैं। इस शोध के तहत 555 युवाओं का ऑनलाइन सर्वे किया गया। इसमें वे शामिल थे जो फेसबुक के नियमित यूजर्स हैं। उनकी फेसबुक अपडेट्स का अध्ययन किया और उनके व्यक्तित्व को परिभाषित किया।

बहिर्मुखी व्यक्तित्व

जो लोग लगातार हर सामाजिक घटना या अजीबो-गरीब व्यक्तियों पर पोस्ट्स डालते रहते हैं वो मूलत- बर्हिमुखी लोग होते हैं।

ओपन इंडिविजुएल्स

ये ऐसे लोग हैं जो अपनी व्यक्तिगत सूचनाएं लोगों से बांटने में ज्यादा रूचि नहीं रखते हैं। हां ऐसे लोग प्रारंभिक तौर पर अपने अपडेट्स में घटनाओं, शोध और राजनीतिक विचार पोस्ट करते हैं।

आत्ममुग्ध व्यक्तित्व

ये ऐसे लोग हैं जो खुद को बेहद प्यार करते हैं। ये अक्सर अपने स्टेटस में अपने डेली रूटीन, डाइट और एक्सरसाइज के बारे में जानकारी देते हैं। वे अक्सर ऐसी जगहों और घटनाओं के बारे में जानकारी देते हैं, जिनसे उनका व्यक्तिगत महत्व सिद्ध हो।

अल्प आत्मविश्वासी

यदि आप या आपका कोई दोस्त लगातार अपने रोमांटिक पार्टनर के बारे में स्टेटस अपडेट कर रहा है तो समझ लीजिए कि आत्मविश्वास की कमी है।

जिम्मेदार प्राणी

शोधकर्ताओं ने बताया कि जो लोग अपने परिवार और अपने दोस्तों के बारे में ज्यादा पोस्ट करते हैं, वे मूलत- जिम्मेदार किस्म के लोग होते हैं। कुल मिलाकर इस शोध का निष्कर्ष ये रहा है कि फेसबुक पर जो लोग अपने रिश्तों से संबंधित जानकारी पोस्ट करते रहते हैं, वे मूलत- असुरक्षित मानसिकता के लोग हुआ करते हैं। वे ऐसा समझते हैं कि ऐसा करके वे अपने रिश्ते पर दावा कर रहे हैं। अब आप अपने दोस्तों की और खुद अपनी स्टेटस अपडेट्स से उनका और खुद अपने व्यक्तित्व को जान सकते हैं।

रेग्यूलर और ऑनलाइन एमबीए में क्या अंतर है

यदि कोई कहे कि उसने एमबीए किया है तो आपको कैसा महसूस होगा? आप उससे प्रभावित होंगे। लेकिन यदि कोई यह कहे कि उसने ऑनलाईन एमबीए किया है तब? तब उसका प्रभाव आप पर से पूरी तरह से उतर चुका होगा। हालांकि इससे क्या फर्क पड़ना चाहिए कि किसी ने कैसे एमबीए किया है, जब तक कि उसकी डिग्री उसकी जॉब प्रोफाइल से मैच करती हो। केवल कैंडिडेट ही यह बता सकता है कि वह अपनी डिग्री से संतुष्ट है या नहीं?

जिन लोगों ने खुद को रेग्यूलर एमबीए प्रोग्राम के लिए किसी प्रतिष्ठित बी-स्कूल में एडमिशन लिया तो किसी और के लिए यह ईर्ष्या का विषय हो सकता है। लेकिन अब ये विचार पुराना पड़ चुका है। ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम भी उतना ही अच्छा है, जितना रेग्यूलर, शर्त यह है कि किसी प्रतिष्ठित बिजनेस इंस्टीट्यूट से किया जाए। इन दिनों कंपनियां भी यह मानने लगी है कि ऑनलाइन एमबीए से भी अच्छे मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स आ रहे हैं जो बिजनेस को नए आयाम देने में सक्षम हैं। जो लोग फुल टाइम एमबीए कर पाने की स्थिति में नहीं है, उनके लिए ऑनलाइन एमबीए अच्छा विकल्प है। दोनों ही प्रोग्राम जरूरत, प्राथमिकता और परिस्थिति के आधार पर चुने जा सकते हैं। यदि आपके पहले से ही काम कर रहे हैं और आपके पास अपने परिवार की भी जिम्मेदारी है कुल मिलाकर समय की कमी है फिर भी आप एमबीए करना चाहते हैं तो आप ऑनलाइन एमबीए कर सकते हैं। दूसरी तरफ यदि आपके पास समय भी है और उम्र भी कम ही है और एक करियर फील्ड से दूसरे करियर फील्ड में जाना चाहते हैं तो रेग्यूलर एमबीए करना एक अच्छा निर्णय होगा। इसलिए कौन-सा एमबीए करना चाहिए, यह तो आपकी सुविधा पर निर्भर करता है। यह बात सही है कि ज्यादातर लोग रेग्यूलर एमबीए करना चाहते हैं। बात परिस्थितियों पर आकर अटक जाती है। इन दिनों युवाओं के बीच ऑनलाइन एमबीए दिन-ब-दिन लोकप्रिय होता जा रहा है। इससे पहले कि आप रुककर सोचें कि आपको ऑनलाइन एमबीए करना चाहिए या फिर रेग्यूलर, कुछ सवालों के जवाब आप अपने आप को दें।

ऑनलाइन एमबीए करने से पहले

- **करियर के लिए आपका लक्ष्य क्या है?**

यदि आप अपने करियर में ऐसा जगह आकर फंस गए हो कि आगे ग्रोथ के अवसर खत्म हो गए हैं और आप न तो नौकरी छोड़ने की स्थिति में हैं और न ही उसके साथ कोई समझौता करना चाहते हैं, आपके सामने परिवार भी है, तो इस बात की जांच पड़ताल कर लें कि आपकी वर्तमान कंपनी किस तरह के एमबीए ग्रेजुएट्स को रिक्रूट कर रही है? इस आधार पर ही फैसला लें।

- **क्या यह आपकी जरूरत और मांग को पूरा करता है?**

आपको यह जानने की जरूरत है कि ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम आपको उसी तरह की फेकल्टी, करिकुलम और अवसर उपलब?ध करवा रहा है जैसी कि रेग्यूलर एमबीए को। यदि ऐसा नहीं है तो आपको अपने निर्णय पर फिर से विचार करना चाहिए।

- **क्या यह आपके लिए सचमुच सुविधाजनक है?**

कुछ ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम या तो राज्य से बाहर होते हैं या फिर देश से ही बाहर। आपके लिए यह जरूरी हो जाता है कि क्लासेस अटैंड करने के लिए आपको छुट्टी लेनी पड़ सकती है। क्या आप इसके लिए तैयार हैं?

रेग्यूलर एमबीए करने से पहले

- **आपके करियर के लक्ष्य क्या है?**

क्या आप बदलाव चाहते हैं या फिर किसी दूसरे क्षेत्र में जाकर अपनी किस्मत आजमाना चाहते हैं? इसके साथ ही यदि आपके साथ समय और उम्र भी है तो आप रेग्यूलर एमबीए कर सकते हैं।

- क्या आप अच्छे पर्सेन्टाइल से एमबीए इंट्रेंस एक्जाम क्रैक कर सकते हैं?
- वो कौन से विषय हैं, जिनमें आपने अच्छे नंबर हासिल किए और कौन से विषय ऐसे हैं जो अब भी आपको डराते हैं? स्कूल व ग्रेजुएशन स्तर दोनों पर...?
- आपकी रुचि का क्षेत्र कौन-सा है ताकि आप उससे अपनी एमबीए की स्ट्रीम चुन सकें।

फायदे ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम के

घर में ही पढ़ाई

इसमें आप बिना अपनी नौकरी और जिम्मेदारी छोड़े, अपने ही घर में पढ़ाई करके वही डिग्री हासिल कर सकते हैं, जो दूसरे क्लासेस अटैंड करके प्राप्त करते हैं।

फ्लैक्सिबिलिटी

ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम में आप अपने जीवन में बिना किसी बदलाव के अपने करियर को मनचाही दिशा में ले जा सकते हैं।

रिसोर्सेज

प्रतिष्ठित ऑनलाइन एमबीए प्रोग्राम में भी करियर काउंसलिंग, मैंटोरशिप और नेटवर्किंग अपॉर्च्युनिटी जैसे उन्हीं सब संसाधनों का प्रयोग कर सकते हैं जो रेग्यूलर कोर्सेस में किए जा सकते हैं।

अफोर्डेबिलिटी

हर समय में ऑनलाइन एमबीए कार्यक्रम किसी भी रेग्यूलर कार्यक्रम की तुलना में हमेशा ही अफोर्डेबल हुआ करता है।

फायदे रेग्यूलर एमबीए प्रोग्राम के

करियर में बदलाव

क रेग्यूलर एमबीए आपके करियर में बदलाव के लिए बेहतर पृष्ठभूमि का निर्माण करता है। किसी खास स्ट्रीम में स्पेशलाइजेशन आपको कई दूसरी इंडस्ट्रीज में काम दिलवाने में भी महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है।

नेटवर्किंग

रेग्यूलर एमबीए के दौरान के एकेडमिक सेशन में आप जिस तरह की सोशल नेटवर्किंग करते हैं, वह लंबे समय में आपके करियर के लिए लाभदायक सिद्ध होगी।

उद्यमशीलता

यदि आप अपना बिजनेस शुरू करने के बारे में सोच रहे हैं तो आप जरूरी कौशल और व्यावहारिक ज्ञान रेग्यूलर एमबीए करते हुए पा सकते हैं। इससे आपको अपना व्यापार शुरू करने में कम दिक्कत का सामना करना पड़ेगा।

इस तरह बना सकते हैं सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में करियर

कोई सॉफ्टवेयर तैयार होने के बाद इसकी गुणवत्ता, तकनीकी क्षमता और उसकी स्टैबिलिटी को परखने का एक महत्वपूर्ण काम होता है। इस काम को सॉफ्टवेयर टेस्टर पूरा करता है। सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में बढ़ते मार्केट की वजह से यह एक उम्दा क्षेत्र के रूप में उभर रहा है और इसमें काफी स्कोप देखा जा रहा है।

योग्यता

कम्प्यूटर एजुकेशन देने वाले देश में प्रमुख संस्थान सॉफ्टवेयर टेस्टिंग में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स मुहैया कराते हैं। इसके अलावा, इंटरनेशनल सॉफ्टवेयर टेस्टिंग क्वालिफिकेशन बोर्ड द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त कोर्स उपलब्ध है, जो देश के साथ-साथ विदेश में नौकरी दिलाने में सहायक होता है। आमतौर पर सॉफ्टवेयर टेस्टिंग कोर्स में एडमिशन के लिए कई संस्थान बीएससी, बीसीए, एमएससी, बीई, बीटेक, एमई, एमटेक जैसी डिग्री की डिमांड करती है।

स्किल्स

सॉफ्टवेयर टेस्टर को टेक्नोलॉजी के साथ-साथ बिजनेस की भी अच्छी समझ होनी चाहिए। ऐसा होने पर ही टेस्टर बेहतर और बारीकी से अपना काम कर सकता है। टेस्टर के लिए सभी आवश्यकताओं का ठीक तरह से आकलन करना जरूरी होता है। इसके बाद टेस्टिंग की कार्ययोजना तैयार करना, उनका क्रियान्वयन करना, दोष व खतरे को तलाशना, उनकी रिपोर्ट तैयार करना टेस्टर की ही जिम्मेवारी होती है। इतना ही नहीं, एप्लिकेशन से जुड़े संभावित जोखिमों के बारे में आगाह करना भी टेस्टर का ही काम होता है।

ये हैं मौके

मैकिंजे ऐंड कंपनी द्वारा वर्ष 2025 तक की संभावनाओं पर जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा तेजी, टैलेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर की आपूर्ति के दम पर भारतीय आईटी इंडस्ट्री का निर्यात कारोबार 2025 तक 178 अरब डॉलर का हो जाएगा। घरेलू कारोबार की हिस्सेदारी 2025 तक 50 अरब डॉलर का हो जाएगा। भारत की कई आईटी सॉफ्टवेयर कम्पनियां नई भर्ती कर रही हैं। टीसीएस, विप्रो, सत्यम, इन्फोसिस, कॉग्निजंट आदि प्रमुख हैं, जहां एक बेहतर करियर की उम्मीद की जा सकती है।

प्रमुख संस्थान

- डाटाप्रो कंप्यूटर प्रा.लि, विशाखापत्तनम
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सॉफ्टवेयर टेस्टिंग, कोयंबटूर
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- एसक्यूटीएल इंटीग्रेटेड सोल्यूशंस प्रा.लि, पुणे
- पीक्यूआर सॉफ्टवेयर
- त्यागराज कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, मदुरै
- क्रेसटेक

सरकार की ओर से जारी रिपोर्ट में हुआ खुलासा

सूबे के सात जिलों का जीएसडीपी में 54 प्रतिशत योगदान

नईदिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के 36 जिलों में से केवल सात जिले सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 54 प्रतिशत का योगदान करते हैं, जो 2024 में 45 लाख करोड़ रुपये था। एक सरकारी रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। देश में आर्थिक महाशक्ति माने जाने वाले राज्य में आर्थिक गतिविधियां बड़े पैमाने पर केंद्रित हैं, इन सात जिलों में मुंबई, पुणे और नागपुर जिले शामिल हैं। 16वें वित्त आयोग को सरकार की ओर से भेजी गई एक रिपोर्ट से पता चला है कि महाराष्ट्र के 18 जिलों की विकास दर जीएसडीपी विस्तार दर के 0.8 गुना से भी कम है। इसके अलावे, प्रति व्यक्ति आय औसत राज्य आय से भी कम है। जीएसडीपी एक विशिष्ट अवधि के दौरान राज्य की सीमाओं के भीतर उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को मापता है। इसमें कहा गया है कि महाराष्ट्र की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत का 148 प्रतिशत है, जबकि राज्य के 12 जिलों की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से कम है। रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने पांच वर्षों की जिला रणनीतिक योजनाएं तैयार की हैं, जिन्हें विश्व बैंक की परियोजना से समर्थन प्राप्त है, ताकि इन 36 प्रशासनिक इकाइयों की सापेक्षिक शक्तियों के आधार पर संतुलित आर्थिक विकास में तेजी लाई जा सके।

जिलों के सालाना खर्च में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी– रिपोर्ट के अनुसार, राज्य सरकार ने विकास से जुड़ी रणनीतियों के लिए प्रशासन को धन मुहैया कराने के लिए कई फैसले लिए हैं। चालू वित्त वर्ष में

जिला वार्षिक योजना परिव्यय को 11 प्रतिशत बढ़ाकर 20,150 करोड़ रुपये कर दिया है। इसके तहत जिला कलेक्टरों को

जिला रणनीतिक योजना (डीएसपी) में चिन्हित परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए वार्षिक योजना की कम से कम 25 प्रतिशत राशि खर्च करने का निर्देश दिया गया है। त्वरित वित्तपोषण से जिलों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी और इससे विकास में और वृद्धि होगी। आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों को अतिरिक्त वित्तपोषण प्रदान किया जा रहा है।

जीएसडीपी में 54 प्रतिशत योगदान देनेवाले सात जिलों में रायगढ़ और नागपुर भी– रिपोर्ट में बताया गया है कि पूर्वी महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली जिले को स्टील हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

आर्थिक विकास और सकल घरेलू उत्पाद के आधार पर जिलों को तीन खंडों में विभाजित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 36 जिलों में से 50 प्रतिशत से अधिक जिले तीसरे खंड (निम्न सकल जिला घरेलू उत्पाद या प्रति व्यक्ति जीडीडीपी) में हैं। अधिकांश आर्थिक गतिविधियों के लिए जिम्मेदार और जीएसडीपी में 54 प्रतिशत योगदान देने वाले सात जिले हैं- रायगढ़, नागपुर, पुणे, ठाणे, पालघर, मुंबई शहर और मुंबई उपनगरीय।

दूसरे खंड में 11 जिले हैं - वर्धा, चंद्रपुर, अहिल्यानगर, सोलापुर, सतारा, रत्नागिरी, सांगली, छत्रपति संभाजीनगर, नासिक, सिंधुदुर्ग और कोल्हापुर - जिनका जीएसडीपी योगदान 26 प्रतिशत था। रिपोर्ट में कहा गया है कि 18 जिले - यवतमाल, अमरावती, अकोला, नांदेड़, भंडारा, गोंदिया, धुले, जलगांव, हिंगोली, बुलढाणा, गढ़चिरौली, नंदुरबार, लातूर, परभणी, बीड, वाशिम, धाराशिव और जालना - राज्य सकल घरेलू उत्पाद में 20 प्रतिशत का योगदान देते हैं।

ठीक है.. आप आईफोन भारत में बनाइए

...पर टैरिफ के बिना इसे अमेरिका में नहीं बेच पाएंगे; एपल को ट्रंप की धमकी

वॉशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि एपल का भारत जाकर अपने मोबाइल या अन्य उपकरण को बनाना ठीक है, लेकिन फिर यह कंपनी टैरिफ के बिना अमेरिका में अपने उत्पाद नहीं बेच पाएगी। ट्रंप का यह बयान तब आया, जब उन्होंने अमेरिकी परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ओवल ऑफिस में कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा, टिम कुक के साथ मेरी सहमति थी कि वह ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वह संयंत्र लगाने या बनाने के लिए भारत जा रहे हैं। मैंने कहा कि भारत जाना ठीक है, लेकिन आप टैरिफ के बिना यहां बिक्री नहीं करेंगे और यही तरीका है।

...भारत या किसी और जगह पर नहीं– ट्रंप ने कहा कि हम आईफोन के बारे में बात कर रहे हैं। अगर वे इसे अमेरिका में बेचने जा रहे हैं, तो मैं चाहता हूं कि इसे संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में बनाया जाए। शुक्रवार की सुबह ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका में बिकने वाले एपल आईफोन का निर्माण अमेरिका में ही होगा, भारत या किसी और जगह पर नहीं। उन्होंने धमकी दी कि अगर टेक कंपनी ने ऐसा नहीं किया तो वे उसके उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे।

भारत में एपल का हाल– पिछले कुछ वर्षों में एपल भारत में अपनी विनिर्माण क्षमता को लगातार बढ़ा रहा है। कंपनी फॉक्सकॉन और विस्ट्रॉन जैसे अनुबंध निर्माताओं के जरिए से देश में आईफोन बनाती है। ये कोशिशें इलेक्ट्रॉनिक्स में अधिक विदेशी निवेश आकर्षित करने और आयात पर निर्भरता कम करने के भारत के लक्ष्य को भी साकार करती हैं। हालांकि, ट्रंप के हालिया बयानों से इस पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

अमेरिका में बिकने वाले 6 करोड़ से ज्यादा आईफोन भारत में बनाने की थी तैयारी – इससे पहले एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें दावा किया गया था कि दिग्गज टेक कंपनी एपल अमेरिका में बिकने वाले सभी आईफोन का निर्माण अगले साल से भारत में करने की योजना बना रही है। इससे न सिर्फ मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि वैश्विक विनिर्माण हब बनने की दिशा में भारत की स्थिति मजबूत होगी।

एपल को कम से कम 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा

ट्रंप ने कहा, मैंने बहुत पहले ही एपल के टिम कुक को बता दिया था कि मुझे उम्मीद है कि अमेरिका में बिकने वाले उनके आईफोन का निर्माण अमेरिका में ही होगा, भारत या किसी और जगह पर नहीं। अगर ऐसा नहीं होता है, तो एपल को अमेरिका को कम से कम 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आपका धन्यवाद!

पिछले हफ्ते ही ट्रंप ने मध्य पूर्व की अपनी यात्रा के दौरान उठाया था मुद्दा

अभी पिछले हफ्ते ही ट्रंप ने मध्य पूर्व की अपनी यात्रा के दौरान दोहा में कहा था कि उन्होंने एपल के सीईओ से कहा था कि वे भारत में आईफोन न बनाएं। इसके बजाय वे अमेरिका में अपने काम को आगे बढ़ाएं। ट्रंप ने दोहा में शीर्ष अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा था कि जैसा कि आप जानते हैं, हमारे पास एपल है। कल मुझे टिम कुक से थोड़ी परेशानी हुई थी। ट्रंप ने कहा था, मैंने उससे कहा, टिम, तुम मेरे दोस्त हो। मैंने तुम्हारे साथ बहुत अच्छा काम किया। तुम 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर लेकर यहां आ रहे हो, लेकिन अब मैं सुन रहा हूं कि तुम पूरे भारत में संयंत्र लगाने जा रहे हो। मैं नहीं चाहता कि तुम भारत में निर्माण करो। भारत अपना ख्याल खुद रख सकता है। अगर तुम भारत का ख्याल रखना चाहते हो तो तुम भारत में निर्माण कर सकते हो, क्योंकि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक है। भारत में बेचना बहुत मुश्किल है। भारत ने हमें एक डील की पेशकश की है, जहां वे मूल रूप से हमसे कोई टैरिफ नहीं वसूलने को तैयार हैं।

अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन का मूल देश भारत होगा- कुक

इस महीने की शुरुआत में कुक ने दूसरी तिमाही 2025 आय सम्मेलन कॉल में कहा था कि आज एप्पल पर लागू मौजूदा टैरिफ उत्पाद के मूल देश पर आधारित हैं। जून तिमाही के लिए हम उम्मीद करते हैं कि अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन का मूल देश भारत होगा।

एंकर निवेशकों से कंपनी ने जुटाए 1575 करोड़

नईदिल्ली, एजेंसी। लीला होटल्स आईपीओ अगले हफ्ते छोटे निवेशकों के लिए खुलने जा रहा है। इससे पहले यह आईपीओ एंकर निवेशकों के लिए शुक्रवार को खुला था। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 1575 करोड़ रुपये जुटाए हैं। एंकर निवेशकों में दांव लगाने वाले लोगों में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड्स, आईसीआईसीआई

प्रूडेंशियल एमएफ, निप्पन इंडिया एमएम, मिराई एमएम और इंवेस्को एमएम शामिल है।

लीला होटल्स आईपीओ 26 मई को खुल रहा है– कंपनी का आईपीओ 26 मई को रिटेल निवेशकों के लिए खुल जाएगा। कंपनी का आईपीओ 28 मई तक ओपन रहेगा। कंपनी ने 34 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14,970 रुपये का दांव लगाना होगा।

क्या है आईपीओ साइज

लीला होटल्स आईपीओ का साइज 3500 करोड़ रुपये है। कंपनी 5.75 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार सेल के तहत 2.30 करोड़ शेयर जारी किए जाएंगे। ऑफर फार सेल के तहत कंपनी की कोशिश है कि 1000 रुपये जुटाया जा सके। यह एक मेनबोर्ड आईपीओ है। इसलिए इसकी लिस्टिंग बीएसई और एनएसई दोनों जगह होगी।

किसके लिए कितना हिस्सा होगा– क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनस बायर्स के लिए आईपीओ का कम से कम 75 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए अधिकतम 10 प्रतिशत और एनआईआई के लिए 15 प्रतिशत तक का हिस्सा रिजर्व रह सकता है।

एग्जीक्यूटिव चेयर मैन से चार गुना सीईओ की सैलरी

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की प्रमुख आईटी कंपनियों में से एक विप्रो के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रिशद प्रेमजी का वित्त वर्ष 2024–25 में पारिश्रमिक दोगुना होकर करीब 13.7 करोड़ रुपये हो गया। इसके बावजूद यह कंपनी के सीईओ श्रीनिवास पलिया की सैलरी से बहुत कम है। पलिया को फाइनेंशियल ईयर 2024–25 में कंपनी की तरफ से करीब 53.64 करोड़ रुपये मिले। कंपनी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। वित्त वर्ष

2023–24 में प्रेमजी ने कोई कमीशन नहीं लिया था क्योंकि उस साल कंपनी का इंक्रिमेंटल कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट निगेटिव रहा था। उस साल उन्होंने लगभग 20 प्रतिशत की वेतन कटौती के साथ करीब 6.4 करोड़ रुपये का वेतन लिया था। हालांकि वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान बेंगलुरु की इस कंपनी का शुद्ध लाभ 18.9 प्रतिशत बढ़कर 13,135.4 करोड़ रुपये हो गया। विप्रो की तरफ से अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग को सौंपी गई '20–एफ फाइलिंग' (वार्षिक रिपोर्ट) के मुताबिक प्रेमजी का पारिश्रमिक वित्त वर्ष 2024–25 में दोगुना होकर करीब 13.7 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023–24 में करीब 6.4 करोड़ रुपये था।

43 गुना से ज्यादा दांव, आईपीओ में 90 रुपये शेयर का दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के आईपीओ को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी के आईपीओ पर 43 गुना से ज्यादा दांव लगा है। बेलराइज इंडस्ट्रीज के शेयर ग्रे मार्केट में भी अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 25 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ ट्रेड कर रहे हैं। बेलराइज इंडस्ट्रीज का आईपीओ दांव लगाने के लिए 21 मई 2025 को खुला था और यह 23 मई 2025 तक ओपन रहा। कंपनी के शेयर 28 मई 2025 को बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। कंपनी के शेयर ब्रस्थ और ह्रस्थ दोनों प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। बेलराइज इंडस्ट्रीज के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 2150 करोड़ रुपये तक का था।

110 रुपये के ऊपर लिस्ट हो सकते हैं शेयर– बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के आईपीओ में शेयर का दाम 90 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर शुक्रवार को 23 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। इस हिसाब से देखें तो बेलराइज इंडस्ट्रीज के शेयर 113 रुपये के करीब बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। यानी, आईपीओ में जिन निवेशकों को कंपनी के शेयर अलॉट होते हैं, वह लिस्टिंग वाले दिन 25 पर्सेंट से ज्यादा के फायदे की उम्मीद कर सकते हैं। बेलराइज इंडस्ट्रीज के आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट 26 मई 2025 को फाइनल होगा।

कंपनी का बिजनेस

बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड की शुरुआत साल 1988 में हुई है। कंपनी दोपहिया, तीन पहिया, चार पहिया और कमर्शियल वाहनों के लिए ऑटोमोटिव शीट मेटल एंड कास्टिंग पार्ट्स, पॉलिमर कंपोनेंट्स, सस्पेंशन और मिरर सिस्टम्स बनाती है। बेलराइज इंडस्ट्रीज के कस्टमर्स में बजाज, हीरो, होंडा, जगुआर लैंड रोवर, रॉयल एनफील्ड, वीई कमर्शियल व्हीकल्स, टाटा मोटर्स और महिंद्रा शामिल हैं।

आईपीओ पर 43 गुना से ज्यादा दांव– बेलराइज इंडस्ट्रीज लिमिटेड का आईपीओ टोटल 43.14 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 4.52 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 40.58 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 112.63 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1

आरबीआई की ओर से सरकार को मजबूत लाभांश

एसबीआई ने अपनी रिपोर्ट में बताया यह कैसे संभव हुआ

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से सरकार को लगभग 2.7 ट्रिलियन रुपये का रिकॉर्ड लाभांश भुगतान मजबूत सकल डॉलर बिक्री, उच्च विदेशी मुद्रा लाभ और ब्याज आय में लगातार वृद्धि के कारण संभव हुआ है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस महत्वपूर्ण अधिशेष हस्तांतरण को काफी हद तक विदेशी मुद्रा बाजार में आरबीआई की सक्रिय भागीदारी से मदद मिली। असल में, जनवरी 2025 में आरबीआई एशियाई केंद्रीय बैंकों के बीच विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा विक्रेता रहा। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अधिशेष भुगतान डॉलर की मजबूत सकल बिक्री, विदेशी मुद्रा में इजाफा और ब्याज आय में लगातार वृद्धि से संभव हो पाया। केंद्रीय बैंक ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान रुपये को स्थिर करने के लिए कई आक्रामक कदम उठाए हैं। इसमें बड़े पैमाने पर डॉलर की बिक्री भी शामिल है। सितंबर 2024 में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 704 बिलियन अमेरिकी डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

उसके बाद, आरबीआई ने मुद्रा स्थिरता बनाए रखने के लिए बड़ी मात्रा में डॉलर बेचे। चालू वित्त वर्ष के दौरान, फरवरी 2025 तक भारतीय रिजर्व बैंक ने 371.6 बिलियन डॉलर की बिक्री की। यह राशि पिछले वर्ष (वित्त वर्ष 24) के 153 बिलियन डॉलर से बहुत अधिक है। इस

आक्रामक बिक्री से आरबीआई को विदेशी मुद्रा के जरिए बड़ा लाभ मिला, जिससे अधिशेष में वृद्धि हुई। इसके अलावा, आरबीआई ने अपनी रुपया प्रतिभूतियों से भी अधिक आय अर्जित की। मार्च 2025 तक रुपया प्रतिभूतियों में केंद्रीय बैंक की होल्डिंग 1.95 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 15.6 लाख करोड़ रुपये हो गई।

स्टील कंपनी को हुआ 1501 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू स्टील ने तिमाही नतीजों का ऐलान कर दिया है। कंपनी का नेट प्रॉफिट पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में 13.54 प्रतिशत बढ़कर 1,501 करोड़

रुपये हो गया है। कंपनी ने बताया कि उसके मुनाफे में वृद्धि खर्च घटने के कारण हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1,322 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने निवेशकों को डिविडेंड देने का भी फैसला किया है।

आमदनी में आई कमी– जेएसडब्ल्यू स्टील ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि मार्च तिमाही में उसकी कुल आमदनी घटकर 45,049 करोड़ रुपये रह गई, जो 2023-24 की समान तिमाही में 46,511 करोड़ रुपये थी। हालांकि कंपनी का खर्च पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की चौथी तिमाही में घटकर 43,032 करोड़ रुपये रह गया, जो 2023-24 की समान अवधि में 44,401 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का नेट प्रॉफिट 61 प्रतिशत गिरकर 3,491 करोड़ रुपये रह गया, जो 2023-24 में 8,973 करोड़ रुपये था।

हर शेयर पर 2.80 रुपये का फायदा– जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि उसके निदेशक मंडल ने पिछले वित्त वर्ष के लिए एक रुपये फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 2.80 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। कंपनी की तरफ से इस डिविडेंड और एजीएम के लिए 8 जुलाई की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया गया है।

शेयर बाजार में कंपनी की क्या स्थिति रही है– शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 0.29 प्रतिशत की तेजी के साथ 1008.50 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 11 प्रतिशत से अधिक चढ़ा है।

तिमाही नतीजे के बीच रॉकेट बना सस्ता शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। फार्मा सेक्टर से जुड़ी कंपनी- मुराए ऑर्गनाइजर ने मार्च तिमाही के नतीजों की घोषणा की है। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 85 करोड़ रुपये का राजस्व और 7.5 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हासिल किया है। पूरे साल के नेट प्रॉफिट की बात करें तो पिछले वित्त वर्ष के 5.31 लाख के मुकाबले 7.51 करोड़ पर पहुंच गया। बता दें कि इस शेयर की कीमत 2 रुपये से भी कम है।

कंपनी का क्या है प्लान

मुराए ऑर्गनाइजर ने 250 मिलियन के निवेश के साथ डिस्टिलरी में विस्तार करने की अपनी योजनाओं के बारे में बताया है। कंपनी ने पहले ही गुजरात के रणनीतिक रूप से अहम कच्छ क्षेत्र में कृषि भूमि खरीदने की अपनी मंशा की घोषणा की है। कंपनी का औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों में विस्तार करने पर ध्यान इसकी अधिग्रहण योजनाओं से दिखता है। नियोजित अधिग्रहण के लिए अनुमानित निवेश 20 करोड़ से लेकर 25 करोड़ तक है। कच्छ की अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियों का उपयोग करते हुए कंपनी ने क्षेत्र का उपयोग बड़े पैमाने पर प्रीमियम-गुणवत्ता वाले अनार की खेती के लिए करने की योजना बनाई है। इसके अलावा, स्मॉल-कैप कंपनी खरीदी गई संपत्ति पर एक डिस्टिलरी का निर्माण करने की योजना बना रही है, जिससे इसकी परिचालन क्षमताओं का विस्तार होगा और इसके उत्पादों की रेंज में सुधार होगा।

शेयर का हाल– सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को मुराए ऑर्गनाइजर के शेयर ने इंट्राडे ट्रेड के दौरान 5 प्रतिशत अपर सर्किट मारा। शुक्रवार को बीएसई पर शेयर 1.40 रुपये पर खुला, जो पिछले दिन के 1.35 रुपये के बंद भाव से 4 प्रतिशत अधिक था। इसके बाद मुराए ऑर्गनाइजर का शेयर मूल्य 1.41 पर पहुंच गया, जो 5 प्रतिशत के अपर सर्किट को दिखाता है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 2.73 रुपये है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का हुआ ऐलान, पंत को मिली नई जिम्मेदारी

इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी गई 18 सदस्यीय भारतीय टेस्ट टीम इस प्रकार है:

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (उप-कप्तान/विकेटकीपर), नीतीश कुमार रेड्डी, रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), अभिमन्यु ईश्वरन, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, करुण नायर, वॉशिंगटन सुंदर, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव।

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की क्रिकेट टीम अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर जाएगी, जहां वह मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस महत्वपूर्ण दौरे के लिए भारतीय टीम और नया टेस्ट कप्तान घोषित कर दिया गया है। 18 सदस्यीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी गई है, जबकि ऋषभ पंत को उप-कप्तान और विकेटकीपर बनाया गया है। टीम में करुण नायर की भी लंबे समय बाद वापसी हुई है। वहीं, फिटनेस कारणों से मोहम्मद शमी टीम में शामिल नहीं किए गए हैं। इसके अलावा, तेज गेंदबाज ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर भी टेस्ट टीम में वापसी कर चुके हैं।

टीम चयन के लिए बैठक मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के मुख्यालय में हुई, जिसमें सचिव देवजीत सैकिया और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर समेत अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजीत अगरकर ने टीम का आधिकारिक ऐलान किया।

वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टी20 टीम में कब मिलेगा खेलने का मौका, कोच ने कर दी भविष्यवाणी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के 14 साल के युवा ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने अपने प्रदर्शन से हर किसी का दिल जीता। इतनी कम उम्र में वैभव ने जिस तरह का खेल दिखाया और दुनिया के धुरंधर गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाए उसकी हर किसी ने प्रशंसा की। इस लीग में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला ये बल्लेबाज अब इंडिया अंडर 19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर जाने वाला है।

वैभव के भविष्य को लेकर उनके कोच अशोक कुमार ने एक बड़ी भविष्यवाणी की। अशोक कुमार वैभव को बिहार अंडर 19 टीम

और सीनियर टीमों में कोचिंग दी है और उन्होंने भविष्यवाणी की है कि वो दो साल में भारत के लिए डेब्यू करेंगे। वैभव के कोच अशोक के मुताबिक अगर वह अपनी फिटनेस और फील्डिंग में सुधार करते हैं तो वह 2 साल के भीतर भारतीय जर्सी में दिखाई देंगे।

अशोक कुमार ने आईएएनएस से कहा कि बचपन से ही टीम को अकेले दम पर जिताने का उनका जज्बा गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाने के दौरान भी देखने को मिला। राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौड़ के साथ उनकी बल्लेबाजी में निखार आया है।

जूलियन वेबर से हारे जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा, 85 मीटर भी फेंक नहीं पाए थ्रो

चोरजोव (पोलैंड), एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पोलैंड में आयोजित ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में शुक्रवार को यहां जर्मनी के जूलियन वेबर के पीछे दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा इस स्पर्धा में अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं दिखे। 27 साल का यह खिलाड़ी अंतिम दौर से पहले तीसरे स्थान पर था। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में अपना भाला 84.14 मीटर की दूरी पर फेंका और दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने इससे पहले अपने दूसरे और पांचवें प्रयास में क्रमशः 81.28 मीटर और 81.80 मीटर की दूरी तय की।

उनके अन्य तीन प्रयास फाउल थे। प्रतियोगिता का आयोजन सिलेसियन स्टेडियम में दिन में हुई बारिश के बाद आसमान में बादल छाए रहने के बीच किया गया। हाल ही में (16 मई) दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर स्पर्धा में चोपड़ा को हराकर शीर्ष स्थान हासिल करने वाले जर्मनी के जूलियन वेबर दूसरे दौर में 86.12 मीटर की दूरी के थ्रो के साथ फिर से शीर्ष स्थान पर रहे। दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 83.24 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। वह दोहा में भी तीसरे स्थान पर रहे थे। यह भुवनेश्वर में 2024 फेडरेशन कप में 82.27 मीटर के प्रयास के बाद पहली बार है जब चोपड़ा ने किसी स्पर्धा में 85 मीटर से कम का सर्वश्रेष्ठ थ्रो दर्ज किया था। चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर दूर तक भाला फेंका। यह पहली बार था जब चोपड़ा ने किसी स्पर्धा में 90 मीटर से अधिक की दूरी तय की थी। दोहा में भी चोपड़ा वेबर (91.06 मीटर) के बाद दूसरे स्थान पर थे।

आईपीएल 2025:

14 मैच, 32 छक्के, ईशान किशन के नाम जुड़ा बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों की सूची में महेंद्र सिंह धोनी शीर्ष पर हैं। धोनी ने आरसीबी के खिलाफ 50 छक्के लगाए हैं, जो इस मामले में रिकॉर्ड है। उनके बाद डेविड वार्नर 44 छक्कों के साथ दूसरे और केएल राहुल 43 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आंद्रे रसेल और रोहित शर्मा ने संयुक्त रूप से 38-38 छक्के लगाए हैं। अब इस लिस्ट में ईशान किशन की भी एंट्री हो गई है। ईशान किशन 32 छक्के लगा चुके हैं। ईशान ने यह उपलब्धि केवल 14 मैच खेलकर हासिल की थी। इसके साथ ही उन्होंने जोस बटलर और कीरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड बराबर कर लिया है। यह आंकड़ा दर्शाता है कि आरसीबी के गेंदबाजों को इन आक्रामक बल्लेबाजों के सामने कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है।

प्लेयर ऑफ द मैच ईशान किशन ने कहा कि जब आप पहले बल्लेबाजी करने उतरते हैं और दोनों ओपनर अच्छी लय में दिख रहे होते हैं, तो यह आपकी जिम्मेदारी होती है कि आप लय बनाए रखें। जिस क्षण मैंने अभिषेक और हेड को इस तरह से खेल की शुरुआत करते देखा, मुझे लगा कि यह बहुत अच्छा विकेट है और हमें कम से कम 200 रन बनाने होंगे। जब विकेट गिर रहे होते हैं तो आपका दृष्टिकोण बदल जाता है, लेकिन आप लय बनाए रखने की कोशिश करते हैं। इसके लिए आपको कुछ अच्छे शॉट खेलने की जरूरत होती है। जब आप अभ्यास सत्र में अच्छी बल्लेबाजी करते हैं तो आपको आत्मविश्वास मिलता है। ईशान किशन ने कहा कि मैं सिर्फ अच्छे शॉट खेलने के बारे में सोच रहा था। एक तरफ बहुत बड़ी पारी थी और कुछ अंतराल थे। कुल मिलाकर प्रदर्शन से बहुत खुश नहीं हूं। हम कुल मिलाकर और बेहतर कर सकते थे। मैं अपनी टीम के लिए और भी बहुत कुछ कर सकता था। यह सीखने का खेल है। ऐसी चीजें होती रहती हैं। आपको बस खुद पर विश्वास रखना है और कड़ी मेहनत करते रहना है।

आईपीएल 2025:

रजत पाटीदार पर लगा भरकम जुर्माना, पैट कमिंस की भी जेब कटी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025में शुक्रवार (23 मई) के मैच के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया क्योंकि आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहली बार स्लो ओवर रेट से गेंदबाजी की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2025 में दूसरी बार स्लो ओवर रेट से गेंदबाजी की। ऐसे में पाटीदार पर आरसीबी की प्लेइंग 11 का सदस्य होने के कारण 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल ने एक बयान में कहा, चूंकि यह आईपीएल की स्लो ओवर-रेट ऑफेंस से संबंधित कोड ऑफ कंडक्ट के तहत उनकी टीम की इस सत्र में दूसरी गलती थी ऐसे में पाटीदार पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

आरसीबी के खिलाड़ियों पर भी लगा जुर्माना

आईपीएल ने आगे कहा, इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत (जो भी कम हो) जुर्माना लगाया गया। पैट कमिंस पर जुर्माना लगाने का जानकारी देते हुए कहा गया, चूंकि यह आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट स्लो ओवर रेट से संबंधित आर्टिकल 2.22 के तहत उनकी टीम की इस सत्र में पहली गलती थी, इसलिए कमिंस पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

वनडे से भी जाएगी रोहित शर्मा की कप्तानी?

गौतम गंभीर ने किया इशारा

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा ने हाल ही में टी20 के बाद टेस्ट क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया था. अब उनके पास सिर्फ भारत के वनडे टीम की कमान बची है. लेकिन लगता है कि ये भी उनके हाथ से चली जाएगी. टेस्ट में नए कप्तान की घोषणा होनी है. वहीं सूर्यकुमार यादव टी20 टीम की कमान संभाल रहे हैं. इधर रोहित टेस्ट से संन्यास लेने के बाद टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर के पास पहले से ज्यादा पावर होने की संभावना है. ऐसे में रोहित शर्मा को कप्तानी की कुर्बानी देनी पड़ सकती है. ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि गंभीर ने ताजा बयान में इशारों-इशारों में अपना संदेश दे दिया है.

टीम इंडिया की कप्तानी को लेकर गौतम गंभीर ने कहा, अगर एक कोच के तौर पर आप मुझसे पूछें अगर सभी फॉर्मेट के लिए एक ही कप्तान है तो एक व्यक्ति के साथ काम करना अच्छा है. लेकिन ऐसा होता नहीं है. आज के समय में आपको समझना होगा कि किसी को भी 12 महीने तक कप्तानी नहीं कराई जा सकती है. आप 10 महीने इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हैं और 2 महीने

आईपीएल. ऐसे में जो टीम इंडिया का कप्तान होगा वो फ्रेंचाइजी का भी नेतृत्व करेगा. इससे उस खिलाड़ी के दिमाग और खेल पर काफी बुरा असर पड़ेगा. इसलिए दो कप्तान होना अच्छा है. इससे दबाव को कम किया जा सकता है.

गंभीर से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया था कि सभी फॉर्मेट के लिए एक खिलाड़ी को कप्तान बनाना अच्छा है या फिर अलग-अलग टीम और 3 अलग कप्तान बनाना चाहिए. इसके जवाब में उन्होंने 3 के बजाय 2 कप्तानों की सलाह दी. लेकिन टेस्ट टीम की कप्तानी की घोषणा के बाद टीम इंडिया के पास अलग-अलग फॉर्मेट में 3 कप्तान हो जाएंगे. अगर गंभीर 2 कप्तान को बेहतर मानते हैं और इस दिशा में काम करेंगे तो जाहिर है कि रोहित को कप्तानी छोड़नी पड़ सकती है. जैसा कि मीडिया रिपोर्ट में पहले भी दावा किया गया है कि गंभीर के दबाव के वजह से ही रोहित को टेस्ट से हटना पड़ा. हालांकि, ऐसा होगा या नहीं ये तो समय ही बताएगा.

2027 वर्ल्ड कप खेलेंगे रोहित-विराट - रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट और टी20 को अलविदा कह चुके हैं. लेकिन वे वनडे अभी भारत के लिए उपलब्ध रहेंगे. गंभीर से दोनों के 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलने की संभावना के बारे में भी सवाल किया गया. इस पर गंभीर ने कहा, देखिए यह अभी भी बहुत दूर है. इससे पहले टी20 वर्ल्ड कप है, जो एक बड़ा टूर्नामेंट है और भारत में होने वाला है. इसलिए इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के बाद पूरा फोकस उसी पर रहेगा. 2027 वर्ल्ड कप अभी भी ढाई साल दूर है. मैंने हमेशा एक बात कही है- यदि आप प्रदर्शन करते रहते हैं, तो उम्र सिर्फ एक संख्या है. यानि रोहित-विराट के प्रदर्शन पर निर्भर करता है कि वो 2027 वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा होंगे या नहीं.

मलेशिया मास्टर्स: किदांबी श्रीकांत सेमीफाइनल में, ड्रॉ में एकमात्र भारतीय बचे

कुआलालंपुर, एजेंसी। पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत ने शुक्रवार को बुकिट जलील में मलेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत ने एक घंटे 14 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में फ्रांस के विश्व नंबर 18 टोमा जूनियर पोपोव को 24-22, 17-21, 22-20 से हराया।

वर्तमान में विश्व में 65वें स्थान पर काबिज श्रीकांत को मिड-गेम ब्रेक में पिछड़ने के बाद निर्णायक गेम में कड़ी टक्कर देनी पड़ी। अपने विशिष्ट लचीलेपन के साथ, भारतीय शटलर ने पोपोव के खिलाफ छह मुकाबलों में अपना चौथा मैच जीतकर वापसी की और इस सीजन में अपना पहला सेमीफाइनल मैच जीता। यह श्रीकांत का बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर मार्च 2024 में स्विस ओपन सुपर 300 में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद से सर्वश्रेष्ठ परिणाम है।

भारतीय खिलाड़ी ने मैच की जोरदार शुरुआत की और शुरुआती गेम में 7-4 की बढ़त हासिल की। ??हालांकि, पोपोव ने जल्दी ही वापसी की और 21-20 पर एक गेम प्वाइंट भी हासिल किया। श्रीकांत ने अपना संयम दिखाते हुए बाजी पलटी और गेम 24-22 से अपने नाम

कर लिया। दूसरे गेम में गति बदल गई और पोपोव चार अंकों की बढ़त के साथ ब्रेक में चले गए। श्रीकांत स्कोर को 15-15 पर बराबर करने में सफल रहे, लेकिन लय बरकरार नहीं रख सके और अंततः गेम 17-21 से हार गए। निर्णायक गेम में, श्रीकांत ने एक बार फिर खुद को मध्य-खेल अंतराल पर चार अंक पीछे पाया। लेकिन जबरदस्त धैर्य और कोर्ट के प्रति जागरूकता दिखाते हुए उन्होंने पोपोव को कड़ी टक्कर देते हुए शानदार वापसी की और अंतिम चार में जगह बनाई। श्रीकांत ने इससे पहले प्री-क्वार्टर फाइनल में आयरलैंड के विश्व नंबर 33 एनहट गुयेन को हराया था। अब उनका सामना शनिवार को सेमीफाइनल में जापान के विश्व नंबर 22 युशी तनाका से होगा। तनाका ने इससे पहले भारत के एचएस प्रणय को राउंड ऑफ 16 में हराया था।

इस बीच, क्वार्टर फाइनल में भारत की मिश्रित युगल उम्मीदें खत्म हो गईं। तनिषा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला को 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता चीन के जियांग जेनबैंग और वेई याक्सिन के खिलाफ 22-24, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा। उनके बाहर होने के साथ ही, श्रीकांत बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रह गए हैं।

मार्श ब्रदर्स के बाद पंड्या ब्रदर्स ने आईपीएल में बनाया अनोखा रिकॉर्ड, दो दिन में हुए दो अजूबे

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल एक ऐसी लीग है, जहां बड़े कारनामे और अनोखे रिकॉर्ड्स बनते रहते हैं. हर दिन कुछ नया होता है, इसलिए अभी तक इस टूर्नामेंट का रोमांच बरकरार है. आईपीएल 2025 में लीग स्टेज के मुकाबले अब कुछ दिनों में खत्म होने वाले हैं. लेकिन इससे पहले दो दिनों में दो अजूबे हो गए हैं. पहले मार्श ब्रदर्स यानि शॉन मार्श और मिचेल मार्श ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने किया. वो इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहले दो भाई बने, जिन्होंने शतक जड़ा है. 2008 के सीजन में शॉन मार्श ने किंग्स पंजाब (पंजाब किंग्स) के लिए 69 गेंद में 115 रनों की पारी खेली थी. वहीं 22 मई को मिचेल मार्श ने लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर 64 गेंद में 117 रन ठोके. इसके अगले ही दिन यानि 23 मई को पंड्या ब्रदर्स ने भी एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया.

दरअसल, 23 मई को लखनऊ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला हुआ. इस दौरान हैदराबाद ने पहले बैटिंग करते हुए 232 रनों का विशाल लक्ष्य रखा था. इसके जवाब में बेंगलुरु ने शानदार शुरुआत की लेकिन अंत में बिखर गई. आखिरी के 26 गेंद में टीम ने सिर्फ 16 रन बनाए और 7 विकेट गंवा दिए. इस दौरान मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक

पंड्या के भाई क्रुणाल पंड्या 19वें ओवर में बैटिंग करने के लिए उतरे थे. वो 5 गेंद में 8 रन बना चुके थे. फिर पैट कमिंस के यॉर्कर गेंद के खिलाफ उन्होंने तेज प्रहार करने की कोशिश की. लेकिन वो गेंद की बजाय ऑफ स्टम्प पर मार बैठे.

इस तरह से क्रुणाल हिट विकेट होकर पवेलियन लौट गए. उन्होंने 6 गेंद में 8 रनों की बनाए. इससे पहले उनके भाई हार्दिक 2020 के सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इसी अंदाज में आउट हुए थे. आंद्रे रसेल के खिलाफ क्रीज के अंदर जाकर उन्होंने थर्ड मैन की दिशा में खेलने की कोशिश की थी. लेकिन उनका पांव स्टम्प पर जाकर लग गया था और वो हिट विकेट हो गए थे. इस तरह पंड्या ब्रदर्स आईपीएल में भाइयों की पहली जोड़ी बन गई है, जो हिट विकेट आउट हुई है. हालांकि, वो इस अनचाहे रिकॉर्ड को याद नहीं रखना चाहेंगे.

आईपीएल के 17वें खिलाड़ी - क्रुणाल पंड्या आईपीएल 2025 में हिट विकेट से आउट होने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं. उनसे पहले सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिनव मनोहर भी इसी तरह आउट हुए थे. इन दोनों से पहले 15 खिलाड़ी ऐसे रहे हैं, जो इस लीग में हिट विकेट हो चुके हैं. यानि क्रुणाल इस तरह शिकार होने वाले 17वें खिलाड़ी हैं.

रवीना टंडन की 24 साल बाद तमिल सिनेमा में वापसी

बॉलीवुड की 'मस्त-मस्त गर्ल' यानी रवीना टंडन 90 के दशक की उन अभिनेत्रियों में से हैं जो आज भी सक्रिय हैं और फिल्में कर रही हैं। अब रवीना 24 साल बाद तमिल सिनेमा में वापसी करने जा रही हैं। वो निर्देशक जोशुआ सेथुरमन की नई फिल्म में नजर आएंगी। अब निर्देशक ने रवीना के फिल्म में शामिल किए जाने को लेकर बात की है।

निर्देशक ने ऐसे किया रवीना से संपर्क

हाल ही में रवीना टंडन के तमिल फिल्म 'लॉयर' में शामिल किए जाने की घोषणा हुई थी। इस फिल्म में तमिल स्टार विजय एंटनी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। अब फिल्म के निर्देशक जोशुआ सेथुरमन ने फिल्म में रवीना के लिए जाने को लेकर बात की। बातचीत में निर्देशक ने कहा, मेरे कुछ दोस्त बॉलीवुड में काम कर रहे हैं, जिनके जरिए मैंने रवीना से संपर्क किया। मैंने उनसे कहा कि जब वह मेरी पहली फिल्म जेंटलवुमेन देखेंगी, तो उन्हें मेरे काम का अंदाजा हो जाएगा। उनके इस फिल्म को देखने के बाद, मैंने तुरंत उन्हें इस फिल्म की कहानी सुनाई और उन्होंने इसमें दिलचस्पी दिखाई।

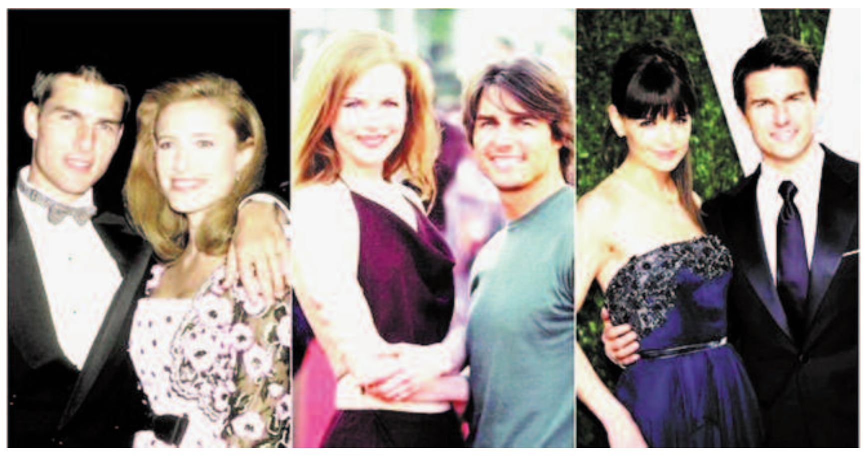

'मिशन इंपॉसिबल' स्टार टॉम क्रूज ने की तीन शादी, अफेयर की गिनती सुनकर हो जाएंगे हैरान

हॉलीवुड एक्टर टॉम क्रूज अपनी एक्शन इमेज के लिए दुनिया भर के दर्शकों के बीच मशहूर हैं। आज टॉम क्रूज की फिल्म 'मिशन इंपॉसिबल 8' यूनाइटेड स्टेट्स में रिलीज हुई। जबकि भारत में यह फिल्म एक हफ्ते पहले रिलीज हो चुकी और अच्छा कलेक्शन कर रही है। टॉम क्रूज की एक्टिंग की चर्चा के बीच उनकी लव लाइफ से जुड़ी कुछ बातें भी जानिए।

हाल ही में टॉम क्रूज की फिल्म 'मिशन इंपॉसिबल 8' भारत में रिलीज हुई। यह फिल्म आज यानी 23 मई को यूनाटेड स्टेट्स में भी रिलीज हुई। इस सीरीज की फिल्मों में टॉम क्रूज जबरदस्त एक्शन करते हैं। इस हॉलीवुड एक्टर की भारत में भी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। कम ही भारतीय दर्शक टॉम की पर्सनल लाइफ के बारे में जानते हैं। हम आपको बता रहे हैं, टॉम की क्रूज की लव लाइफ के बारे में।

टॉम क्रूज ने की 3 शादी

टॉम क्रूज ने एक नहीं तीन बार शादी की। पहली बार मिमि रोजर्स से शादी की, इनकी शादी 1987 में हुई और साल 1990 में तलाक हो गया। इसके बाद टॉम ने एक्ट्रेस निकोल किडमैन से शादी की, 1990 में इनकी शादी हुई और साल 2001 में डिवोर्स हो गया। केटी होम्स से टॉम क्रूज ने तीसरी शादी की, इनकी शादी साल 2006 में हुई और तलाक 2012 में हो गया।

9 से अधिक रिलेशनशिप में रहे टॉम

तीन हॉलीवुड एक्ट्रेस से शादी करने और टूटने के दौरान टॉम क्रूज का नाम कई एक्ट्रेस, सेलिब्रिटीज से जुड़ा। इस लिस्ट में मेलिसा गिल्बर्ट, हेल्थर लॉकलियर, रेबेका डी मार्ने, चेर, पेनेलोपे क्रूज, नाजनीन बोनियाडी, लोरा प्रीपोन, हेले एटवेल और एल्सिना खैरोवा जैसी नामी हॉलीवुड एक्ट्रेस के नाम शामिल हैं। अलग-अलग कारणों से टॉम क्रूज इन सभी एक्ट्रेसेस से अलग हो गए।

सिंगर शकीरा के साथ रिलेशनशिप की अफवाह

मशहूर अमेरिकी सिंगर शकीरा और टॉम क्रूज का नाम भी एक बार साथ जोड़ा गया। ये दोनों कई सालों से दोस्त हैं। जब टॉम और शकीरा को कुछ मौकों पर साथ देखा गया तो इनके रिलेशनशिप में होने की अफवाह उड़ी थी। इस बात को लेकर शकीरा ने चुप्पी तोड़ी और बताया कि वह अपनी फैमिली पर फोकस करना चाहती है और डेटिंग में कोई इंट्रेस्ट नहीं रखती हैं।

अब 35 साल छोटी एक्ट्रेस से अफेयर

इन दिनों 62 साल के टॉम क्रूज 27 साल की एक्ट्रेस एना दी अर्मास को डेट कर रहे हैं। हाल ही में अपनी फिल्म 'मिशन इंपॉसिबल 8' के प्रमोशन के दौरान टॉम अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड एना दी अर्मास की तारीफ करते दिखे। टॉम क्रूज और एना को कई मौकों पर साथ देखा गया है, इसी कारण से दोनों की डेटिंग की अफवाह उड़ने लगी हैं। अप्रैल में टॉम अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड के साथ लंदन के आसपास हेलीकॉप्टर में बैठे नजर आए थे। साल की शुरुआत में भी दोनों को डिनर डेट पर देखा गया।

रसिका दुग्गल के कई प्लान हुए कैंसल, तो खुद को समझने में बिताया वक्त

एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने पिछले एक महीने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि इस दौरान उनके कई बार प्लान अचानक से रद्द हुए, जिससे वह काफी परेशान रहीं। लेकिन उन्होंने इससे कुछ सीखने की कोशिश भी की। उन्होंने बताया कि जब उनके प्लान अचानक रद्द हो जाते थे, तो उन्हें अकेले में ज्यादा वक्त बिताना पड़ता था। वह अक्सर सोफे पर बैठी रहतीं और इस खाली समय में हुई निराशाओं और कुछ अच्छी चीजों के बारे में सोचती रहतीं। इस समय को उन्होंने खुद को समझने के लिए इस्तेमाल किया और इस अनुभव को इंट्रोवर्टिंग नाम दिया।

रसिका ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में वह सोफे पर बैठी हुई नजर आ रही हैं और कैमरे के लिए अलग-अलग पोज दे रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैंने हाल ही में अपनी एक दोस्त को फोन किया, तो उसने कहा कि वह इंट्रोवर्टिंग कर रही है। इस महीने मेरे कई प्लान रद्द हुए और खास बात यह है कि इनमें से कोई भी प्लान मैंने अपनी तरफ से रद्द नहीं किया था। इन सब से निराश मैं अक्सर खुद को सोफे पर बैठी हुई पाती थी, और सोचती थी उन बातों के बारे में जो इन रद्द हुए प्लान की वजह हैं, कुछ बातें निराश करने वाली थीं और कुछ खुशी देने वाली भी। मैंने सोचा कि शायद इस तरह के सोच-विचार को इंट्रोवर्टिंग कहना सही रहेगा। उन्होंने कैप्शन में आगे मजेदार, लेकिन गहरा सवाल भी किया। उन्होंने लिखा, अगर आप इंट्रोवर्टिंग कर रहे हैं, यानी अकेले में सोच रहे हैं, तो क्या वह वाकई में इंट्रोवर्टिंग होगा, जब अगर आप उस समय की फोटो भी खींच लें तो

वर्कफ्रंट की बात करें तो, रसिका की फिल्म लिटिल थॉमस को न्यूयॉर्क इंडियन फिल्म फेस्टिवल (एनवाईआईएफएफ) में कई बड़ी कैटेगिरी में नॉमिनेशन मिला है। जिसमें बेस्ट एक्टर, बेस्ट एक्ट्रेस, और बेस्ट डेब्यू फिल्म की कैटेगिरी शामिल हैं।

सलमान के घर के आस-पास मंडराना भी होगा मुश्किल, मुंबई पुलिस उठाने जा रही ये कदम

बीते दिनों बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के घर में घुसने का प्रयास करने की हुई दो अलग-अलग घटनाओं के बाद अब मुंबई पुलिस इस मामले में बड़ा एक्शन लेने की प्लानिंग कर रही है। मुंबई पुलिस के अधिकारी के मुताबिक, अब पुलिस सलमान के घर आने वालों की आते और जाते समय चेकिंग करने और मेहमानों पर कड़ी निगरानी रखने की तैयारी कर रही है। यही नहीं अब एक्टर के घर के आस-पास भी नजर आने वालों पर पुलिस सख्त नजर रखेगी।

दो दिनों में दो घटनाओं के बाद सतर्क हुई पुलिस

जाहिर है कि बीते दिनों दो दिनों के अंदर दो बार सलमान खान के घर में घुसने का अंजान लोगों ने प्रयास किया। हालांकि, बिल्डिंग के सिक्योरिटी गार्ड ने उन्हें पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इन घटनाओं के सामने आने के बाद ही पुलिस एक्टिव हुई है और सलमान की सुरक्षा को और भी पुख्ता करने की तैयारी में लगी है।

बिल्डिंग में रहने वालों से करानी होगी पहचान

पुलिस अधिकारी ने बताया कि हाल ही में हुई इन घटनाओं के बाद अब सलमान के बांद्रा स्थिति गैलेक्सी अपार्टमेंट में आने वालों की आते–जाते समय चेकिंग की जाएगी। साथ ही एक्टर की सुरक्षा भी बढ़ाए जाने की योजना बनाई जा रही है। अधिकारी ने कहा कि चूंकि यह एक निजी इमारत है, इसलिए हर आने वाले की जांच करना एक चुनौती हो सकती है। जानकारी ये भी आ रही है कि अब नए गेस्ट्स को बिल्डिंग में एंट्री करने के लिए बिल्डिंग के निवासियों से अपनी पहचान करानी होगी।

'हेरा फेरी 3' कॉन्ट्रोवर्सी पर बोले डायरेक्टर प्रियदर्शन

परेश रावल के फिल्म 'हेरा फेरी 3' छोड़ने की खबर ने फैंस और फिल्म इंडस्ट्री को चौंका दिया है। फिल्म के डायरेक्टर प्रियदर्शन ने अब इस पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए अमर उजाला से एक्सक्लूसिव बातचीत की। उन्होंने कहा कि परेश ने यह फैसला करने से पहले उन्हें कोई जानकारी नहीं दी थी। वो खुद इस स्थिति से हैरान और निराश हैं।

आज तक परेश ने इस बारे में बात नहीं की

बातचीत में प्रियदर्शन ने कहा, फिल्म शुरू होने से पहले मैंने तीनों ङ्क अक्षय, सुनील और परेश ङ्क से क्लियर पूछा था कि क्या आप लोग तैयार हैं? सबने कहा हां। फिर हमने एक दिन शूट भी किया। सब स्मूद चला। लेकिन अचानक परेश जी के हटने की खबर आई... बिना कुछ बोले, बिना कोई कारण बताए। आज तक उन्होंने मुझसे इस बारे में कोई बात ही नहीं की।'

'भूत बंगला' के सेट पर कोई तनाव नहीं दिखा

डायरेक्टर ने आगे बताया, ना कोई कॉल, ना कोई मैसेज। हाल ही में हमने 'भूत बंगला' की शूटिंग पूरी की। इस फिल्म में भी अक्षय और परेश दोनों साथ थे। वहां भी सब कुछ नॉर्मल था। दोनों के बीच बिल्कुल कॉर्डियल और प्रोफेशनल रिश्ता था। कोई तनाव नजर नहीं आया। वहीं जब हमने प्रियदर्शन से पूछा कि क्या वाकई अक्षय कुमार ने परेश रावल पर 25 करोड़ का दावा ठोका है, तो उन्होंने कहा, इस फिल्म के राइट्स और प्रोडक्शन अक्षय कुमार संभाल रहे थे। ऐसे में अगर किसी को नुकसान हुआ है तो वो सिर्फ अक्षय हैं। अगर परेश जी को कोई दिक्कत थी तो कम से कम बात करते। खैर, मैं सिर्फ डायरेक्टर हूं। मुझे नहीं पता उनके और अक्षय के बीच क्या हुआ? ना उन्होंने कुछ बताया, ना ही कोई बातचीत की। मैं पूरी तरह ब्लैंक हूं।'

वॉर 2 की कहानी और ऋतिक-एनटीआर की एक्टिंग ने किया प्रेरित: अयान मुखर्जी

फिल्म निर्माता अयान मुखर्जी ने अपनी आने वाली फिल्म वॉर 2 के बारे में बात करते हुए खुलासा किया कि आखिर किस चीज ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि वह फिल्म की दमदार कहानी और ऋतिक रोशन और एनटीआर की शानदार एक्टिंग से काफी प्रभावित हुए हैं। अयान ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जो फिल्म के सेट की हैं और कैप्शन में लिखा, रोमांचक समय.. कुछ दिन पहले हमारी फिल्म का टीजर रिलीज हुआ है, और अब फिल्म के सिनेमाघरों में आने में सिर्फ 12 हफ्ते बचे हैं।

यह सही वक्त है कि अपने दिल की कुछ बातें आप सबके साथ साझा की जाए। उन्होंने आगे लिखा, हमारी फिल्म में दर्शकों के लिए बहुत कुछ है। लेकिन आज मैं उस चीज पर ध्यान दिलाना चाहता हूं जो मुझे इस फिल्म में सबसे ज्यादा प्रेरित करती हैज इस फिल्म की सबसे खास बात इसकी दमदार कहानी है। जब मैंने पहली बार इसकी स्क्रिप्ट सुनी थी, तो मैं हैरान रह गया था। इस कहानी को पर्दे पर उतारना मेरे लिए बहुत रोमांचक और साथ ही चुनौतीपूर्ण भी रहा है। उन्होंने आगे बताया, जैसे-जैसे हमें फिल्म की पहली झलक के लिए इतना प्यार मिल रहा है, वैसे-वैसे मेरी उत्सुकता और बढ़ रही है कि लोग इस फिल्म की असली कहानी को खुद देखें और महसूस करें। मुझे लगता है कि ये फिल्म स्पाई यूनिवर्स की एक नई और दिलचस्प कहानी दिखाएगी, जो पहले से कुछ अलग और खास है। अयान ने कैप्शन में अपने बयान को जारी रखते हुए कहा, ये पहली बार है जब मैं ऑफिशियल तौर पर वॉर 2 को डायरेक्ट करने पर कुछ कह रहा हूं। मैं बस अपनी शानदार टीम के लिए थोड़ा प्यार और शुक्रिया जाहिर करना चाहता हूं, जिनके साथ काम करने का मुझे मौका मिला है। कियारा आडवाणी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, कियारा फिल्म के सेट पर भी और असल जिंदगी में भी बेहद प्यारी दोस्त है। वह खुशमिजाज और पॉजिटिव एनर्जी वाली लड़की है।

मैं उन अहम लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं, जिनकी वजह से वह इस बड़ी फिल्म को बना सके। अयान ने कहा, आदित्य चोपड़ा की शानदार लीडरशिप ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। वहीं ऋतिक रोशन और एनटीआर के शानदार अभिनय ने मुझे काफी प्रभावित किया है। यह मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है।

-साभार-एजेंसी